धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 184

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	23.2
जमशेदपुर	34.1	24.0
डालटनगंज	32.6	22.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

*

@ स्पोर्ट्स पेज

रोनाल्डो ने 906वां करियर गोल दागा

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,700
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

हेमंत कैबिनेट की बैठक आज

रांची। हेमंत कैबिनेट की बैठक 14 अक्तूबर को होगी. इससे पहले आठ अक्तूबर को हेमंत कैबिनेट की बैठक हुई थी. इसमें 81 प्रस्तावों को हरी झंडी मिली थी. कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में 14 अक्तूबर को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी. इस कैबिनेट में कई फैसले भी लिए जा सकते हैं. सरकारी कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी विचार हो सकता है. साथ ही अन्य विभागों के प्रस्तावों को भी हरी झंडी मिल सकती है.

शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों..?

नयी दिल्ली। नासिक स्थित मिलिट्री कैंप के आर्टिलरी सेंटर में फायरिंग अभ्यास के दौरान दो अग्निवीरों की जान चली गई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नासिक की घटना पर रिएक्ट किया है. उन्होंने दो अग्निवीरों की शहादत को लेकर एक्स पर पोस्ट किया है. एक बार फिर अग्निवीर योजना पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से कुछ सवाल पूछे हैं. राहुल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है. यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में मोदी सरकार असफल रही है.

सोनम वांगचुक फिर पुलिस हिरासत में

नयी दिल्ली। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक और 20 अन्य को दिल्ली पुलिस ने रविवार को लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन करने के लिए हिरासत में लिया. अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक के साथ अनशन पर बैठे करीब 20-25 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, जिन्हें मंदिर मार्ग पुलिस थाने ले जाया गया. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है.

मुंबई में लोकल ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया. पश्चिम रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दोपहर 12.10 बजे मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक खाली लोकल ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए. इस घटना के बाद स्टेशन पर कुछ समय के लिए हलचल मच गई. राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. घटना के बाद, चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच का स्लो ट्रैक तुरंत बंद कर दिया गया.

असम में भूकंप, कोई नुकसान नहीं हुआ

गुवाहाटी। असम के कुछ हिस्सों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई. इसका केंद्र उदलगुरी जिले में जमीन के 15 किमी की गहराई में था. कोई नुकसान नहीं हुआ.

मां तुमि घुरे एसो...

मां की विदाई : नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहने के बाद मां की विदाई बेला में श्रद्धालु भावुक हो गए.माता की विदाई में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा. भक्त माता के अगले बरस आने की कामना करते हुए विदाई दे रहे थे. प्रशासन की तरफ से विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे. **फोटो : रमीज**

चुनाव तैयारी : चुनावी ऑफर से डिस्काउंट का खेल चालू

योजनाओं की हो रही खूब बारिश, पब्लिक कंफ्यूज

रवि भारती। रांची

झारखंड चुनाव के रंग में रंगता जा रहा है. चुनावी ऑफर के साथ डिस्काउंट का खेल शुरू चालू है. राजनीतिक दल ऑफर से साथ ताबड़-तोड़ पब्लिक को डिस्काउंट देने की भी बात कर रहे हैं. घोषणाएं की जा रही हैं. कसमें खाई जा रही हैं. प्रण भी लिए जा रहे हैं. खासकर आधी आबादी और युवा वर्ग को साधने के लिए योजनाओं की बारिश हो रही है. योजनाओं की बारिश और ऑफर में डिस्काउंट देख पब्लिक भी कंफ्यूज हो गई है.

भाजपा ने की ऑफरों की बरसात : भाजपा ने आधी आबादी को साधने के लिए ऑफरों की बारिश कर दी है. डिस्काउंट देने का भी प्रण लिया है. प्रण यह लिया है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही 500 रुपए में गैस सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा. साथ ही पर्व-त्योहार के मौके पर साल में दो गैस सिलिंडर भी मुफ्त भी दिए जाएंगे. भाजपा ने प्रण किया है कि अगर झारखंड में सरकार बनी, तो गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए दिए जाएंगे.

युवा वर्ग को साधने की पुरजोर कोशिश : युवा वर्ग को साधने के लिए भाजपा ने सरकारी विभाग में रिक्त पड़े 2.87 लाख पदों को भरने का प्रण लिया है. साथ ही ग्रेजुएशन और पीजी करने वाले विद्यार्थियों को साथी योजना के तहत भत्ता देने की वादा किया है. इन ऑफरों की चर्चा सियासी बाजार में गर्म हो गई है. इसे जांचा और परखा भी जा रहा है. इधर झामुमो ने भी विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों का कोटा भी बढ़ा दिया है. वर्तमान सरकार विद्यार्थियों के लिए कई योजनाएं भी चला रही है.

मिला क्या, का काउंटर अटैक कब मिलेगा : भाजपा और झामुमो एक दूसरे की योजनाओं पर काउंटर अटैक कर रहे हैं. भाजपा के मिला क्या अभियान के काउंटर में झामुमो ने कब मिलेगा अभियान शुरू किया है. झामुमो होर्डिंग पोस्टर के जरिए केंद्र से बकाए 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि की मांग भी कर रहा है.

परिवर्तन यात्रा के जवाब में मंईयां सम्मान यात्रा : भाजपा ने 81 विधानसभा क्षेत्रों को परिवर्तन यात्रा के जरिए कवर किया. जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित केंद्रीय मंत्री से लेकर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की. इसके काउंटर में झामुमो ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा की. गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में निकाली इस यात्रा में सीएम से लेकर गठबंधन सरकार के मंत्री और विधायक भी शामिल हुए.

हर झारखंडी का होगा अपना आवास: सीएम

भाजपा पर तंज: दिल्ली से आकर 300 घर देने को बता रहे अपनी उपलब्धि

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हर झारखंडी का अपना पक्का आवास होगा. भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि दिल्ली से बड़े-बड़े मंत्री लोग झारखंड आकर 300 घर देने को अपनी उपलब्धि बता रहे हैं. और ख़ुद की पीठ थपथपा जाते हैं. उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि जिस तरह हमने मंईयां सम्मान योजना को राज्य के हर घर तक पहुंचाया है, वैसे ही हर झारखंडी परिवार का अपना तीन कमरों का पक्का मकान होगा. बता दें कि केंद्र सरकार ने जब पीएम आवास योजना झारखंड के लिए रोक दी, तो हेमंत सरकार ने अपनी तरफ से अबुआ आवास योजना शुरू कर दी. इसके तहत राज्य के सभी जरूरतमंदों को तीन कमरे का पक्का मकान दिया जा रहा है.

बनवा रहे हैं आठ लाख मकान : सीएम ने कहा कि हम आठ लाख मकान बनवा रहे हैं . साथ ही बाकी के 17 लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड के लोगों को घर देने के मामले में हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक सबकी अपनी पक्का छत नहीं हो जाएगी.

498 सीएचओ को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 14 अक्तूबर को नवनियुक्त 498 सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी) को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह दिन के 11.30 बजे प्रोजेक्ट भवन में होगा. नव नियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अनुबंध पर की गई है.

पक्का आवास पर भी काउंटर अटैक : राज्य सरकार ने घोषणा की है कि आठ लाख मकान बनवा रहे हैं. साथ ही बाकी के 17 लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. वहीं भाजपा ने राज्य के 21 लाख परिवारों को अपना पक्का आवास देने का वाद किया है. साथ ही घर निर्माण के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध कराने का प्रण लिया है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी के कत्ल की जिम्मेदारी, सोशल मीडिया पर लिखा-

सलमान हम ये जंग नहीं चाहते थे लेकिन... तुमने नुकसान कराया

एजेंसियां। मुंबई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब एक नया मोड़ आ गया है. कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है. मामले की पेचीदगियां बढ़ाने वाला उसके गैंग की फेसबुक पोस्ट वायरल हो रही है. इस पोस्ट में गैंग ने दावा किया है कि वे सलमान खान से कोई युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन बाबा की हत्या की वजह उनके दाऊद के साथ जुड़ाव था. हालांकि, मुंबई पुलिस ने एफबी पोस्ट की पुष्टि नहीं की है और कहा कि जांच की जाएगी. बिश्नोई गैंग की तरफ से एक फेसबुक पोस्ट में कहा गया है, ओम जय श्री राम, जय भारत. पोस्ट में आगे लिखा गया है, जीवन का मूल समझता हूं, जिस्म और धन को मैं धूल समझता हूं. किया वही सत्कर्म था, जो निभाया मित्रता का धर्म था.

इस बीच, रविवार की देरशाम बाबा सिद्दीकी को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया. बाबा को पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफन किया गया. मौके पर अभिनेता सलमान खान भी मौजूद रहे. उधर, इस हत्या के मामले में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. चौथे अपराधी की भी पहचान हो गई है. शिवकुमार नाम के इस अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

गैंग ने सलमान खान को दी धमकी : बिश्नोई गैंग ने फेसबुक पोस्ट में कहा, सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे. पर तुमने हमारे भाई (लॉरेंस बिश्नोई) का नुकसान करवाया. आज जो बाबा सिद्दीकी की शराफत के पुल बांधे जा रहे हैं, वो एक टाइम में दाऊद के साथ मकोका एक्ट में था. इसके मरने का कारण दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था. इनके अलावा अनुज थापन का नाम भी पोस्ट में है, जिसने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी, और पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हो गई थी. गैंग का कहना है कि यह मौत उसका बदला है. गैंग के सदस्य ने पोस्ट किया, हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. पर जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की हेल्प करेगा, अपना हिसाब किताब लगा के रखना. हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा, तो हम प्रतिक्रिया जरूर देंगे. हम ने पहले वार कभी नहीं किया. जय श्री राम जय भारत, सलाम शहीदां नू .

तीन शूटरों की हुई पहचान : बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में मुंबई पुलिस ने अब तक तीन शूटरों की पहचान की है और मास्टरमाइंड की तलाश में लगी हुई है. हालांकि, बिश्नोई गैंग का दावा है कि जो कोई सलमान खान और दाऊद के गिरोह की मदद करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी. सलमान खान का दोस्त हमारा दुश्मन है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग: भारत का नया आपराधिक सिंडिकेट

लगातार न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री व तीन बार के विधायक रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की चर्चा एक बार फिर से देश भर में हे रही है. लॉरेंस बिश्नोई गैंग सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है. एनआईए की कार्रवाई से गैंग के खिलाफ लड़ाई तो तेज हुई है, लेकिन गैंग का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और उसकी शक्तिशाली संरचना को देखते हुए माना जा रहा है कि इसे खत्म करना आसान नहीं होगा. हाल के दिनों में देश के अपराध जगत में सबसे बड़ा नाम बन गया है. शनिवार को इस गैंग ने मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या देश को हिलाकर रख दिया है.

डी कंपनी के बराबर का गैंग

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग अपनी कार्यप्रणाली और संगठन में दाऊद इब्राहिम के डी-कंपनी जितनी बड़ी और ताकतवर बन गई है. दोनों ही गैंग ने छोटे-मोटे अपराधों से शुरुआत की और धीरे-धीरे एक बड़ा अपराधिक सिंडिकेट बना लिया. बिश्नोई गैंग ने अब उत्तर भारत में अपना वर्चस्व कायम कर लिया है और उसकी पहुंच विदेशों तक भी फैल गई है. गैंग ने रंगदारी और हवाला के जरिए बड़ी मात्रा में पैसा कमाया है, जिसे विदेशों में निवेश किया गया है. बिश्नोई गैंग का साम्राज्य अब पंजाब तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, झारखंड और विदेशों जैसे रूस, अमेरिका, पुर्तगाल, यूएई और अजरबैजान में फैला हुआ है.

700 शूटर्स और सोशल मीडिया का इस्तेमाल

एनआईए के एक आरोप पत्र के मुताबिक, बिश्नोई गैंग में लगभग 700 शूटर्स हैं, जिनमें से 300 अकेले पंजाब से हैं. गैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक का इस्तेमाल अपने गैंग का प्रचार करने और युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए किया है.

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क

गैंग के सदस्य अलग-अलग देशों में रहकर गैंग की गतिविधियों को संचालित करते हैं. गोल्डी बरार कनाडा, पंजाब और दिल्ली, रोहित गोदारा राजस्थान, मध्य प्रदेश और अमेरिका, अनमोल बिश्नोई पुर्तगाल, अमेरिका, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल, और काला जठेड़ी हरियाणा और उत्तराखंड में गैंग की कमान संभालते हैं.

प्रो. जीएन साईंबाबा का शरीर मेडिकल कॉलेज को आज

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईंबाबा के परिवार के सदस्यों ने रविवार को कहा कि साईबाबा की इच्छा के अनुसार उनका पार्थिव शरीर यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया जाएगा. परिजनों ने बताया कि पार्थिव शरीर 14 अक्टूबर को गांधी मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया जाएगा. माओवादियों से कथित

संबंधों के एक मामले में महज सात महीने पहले बरी किए गए डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा का ऑपरेशन के बाद की समस्याओं के कारण शनिवार को यहां एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया था. वह 58 वर्ष के थे.

परिवार ने बताया कि निम्स के शवगृह में रखे गए साईबाबा के पार्थिव शरीर को 14 अक्टूबर को गन पार्क ले जाया जाएगा और वहां से उनके भाई के आवास पर ले जाया जाएगा तथा सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि देने के लिए रखा जाएगा. इसके बाद एक शोक सभा का आयोजन किया जाएगा. साईबाबा पित्ताशय के संक्रमण से पीड़ित थे और दो सप्ताह पहले उनका ऑपरेशन हुआ जिससे जटिलताएं पैदा हो गईं. एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे साईबाबा ने अंतिम सांस ली.

घर के लिए मुफ्त बालू देने का लिया है प्रण: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि भाजपा ने राज्य के 21 लाख परिवारों को पक्का घर देने के साथ घर बनाने के लिए मुफ्त बालू देने का प्रण लिया है. सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जब राज्य बना और भाजपा की पहली सरकार बनी, तब से हमारी सरकार ने बालू को मुफ्त किया था. स्थानीय ग्रामसभा के माध्यम से बालू घाटों का संचालन कराया. हमारे द्वारा शुरू की गई मुफ्त बालू देने की यह व्यवस्था 2013 तक चलती रही. प्रदेश की जनता जरूरत के अनुसार आसानी से घरों तक बालू ले जा सकती थी.

हेमंत ने बालू घाटों को नीलाम किया : बाबूलाल ने लिखा है कि जब 2013 में हेमंत सोरेन सीएम बने, तो उन्होंने सभी बालू घाटों को नीलाम कर दिल्ली-मुंबई के ठेकेदारों के हवाले कर दिया. अपने परिवार के लोगों को बाहरी ठेकेदारों का पार्टनर बना दिया. ठेकेदारों की बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीन, हाईवा ट्रक स्थानीय लोगों की जमीनों को रौंदते हुए झारखंड का बालू बाहरी राज्यों में ले जाने लगे.

झारखंड की जनता टकटकी लगाकर देखती रह गई : झारखंड की जनता अपने गांव के बगल से बहने वाली नदियों का दोहन टकटकी लगाकर देखती रह गई. ठेकेदारों, सत्ता के दलालों और भ्रष्ट अधिकारियों के पैसों की भूख के कारण बालू अब सोना बन गई. यह आम लोगों की पहुंच के बाहर निकल गई. अपना घर, अपना आशियाना बनाने का सपना, सपना ही रह गया.

घर बनाने के सपने को साकार करेगी भाजपा

भाजपा हर झारखंड वासी के घर बनाने के सपने को साकार करेगी, भाजपा हर परिवार को बालू मुफ्त में मुहैया कराएगी. झारखंड के बालू घाटों पर बैठे धनपिपाशु लोगों का नेटवर्क ध्वस्त कर पुनः बालू घाटों का संचालन स्थानीय लोगों के हाथों में सौंपेगी.

महिला प्रताड़ना को रोकने में विफल रही हेमंत सरकार

मरांडी ने गिरती कानून व्यवस्था को लेकर हेमंत पर निशाना साधा है. कहा कि चक्रधरपुर में डायन बिसाही के शक में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की हत्या दुखद है. घटना सरकार की लचर व्यवस्था और महिला विरोधी चेहरे को दर्शाती है. महिलाओं की प्रताड़ना रोकने में हेमंत सरकार विफल रही है.

बातचीत भारतीय-अमेरिकी इतिहासकार शैलजा पाइक ने बताई एक-एक बात

दलितों के लिए जादू की छड़ी से कम नहीं है शिक्षा...

लगातार न्यूज नेटवर्क

- शैलजा ने दलित महिलाओं पर काफी रिसर्च किया है
- **शैलजा पाइक महाराष्ट्र के पुणे की रहनेवाली हैं**
- शैलजा पाइक ने येल यूनिवर्सिटी में भी पढ़ाया है

महाराष्ट्र के पुणे में पली-बढ़ी, शैलजा पाइक को मैकआर्थर फेलो के रूप में 800,000 डॉलर का जीनियस ग्रांट मिला है. 50 वर्षीय पाइक अब यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में पढ़ाती हैं. वह दलित महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर शोध कर रही हैं. पाइक के काम को बहुत सराहना मिल रही है. उनका इनबॉक्स ईमेल से भरा हुआ है और उनका शेड्यूल खचाखच भरा हुआ है. सोशल मीडिया पर भी लोग उनके बारे में बात कर रहे हैं. लेकिन पाइक इन सबसे विचलित नहीं हैं. वह अपने शोध पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

मैकआर्थर जीनियस ग्रांट जीतने का अनुभव कैसा रहा? : मैं इस सर्वोच्च सम्मान से बहुत खुश और प्रसन्न हूं. यह मेरी कड़ी मेहनत का एक बड़ा सम्मान है. मैं एक भारतीय अमेरिकी महिला के रूप में अमेरिका के इस प्रतिभाशाली, क्रिएटिव लोगों के ग्रुप में शामिल होने के लिए बहुत आभारी हूं. मेरे पास पहले से ही कई पुस्तकों के प्रोजेक्ट्स हैं. मैं अपने तीसरे मोनोग्राफ पर काम कर रही हूं जिसका शीर्षक संभवतः आधुनिक भारत में जाति वर्चस्व और मानक कामुकता है. मेरे पास कुछ सह-संपादित पुस्तकें भी हैं जिन पर मैं काम कर रही हूं. एक दलित पाठक है, जहां मैं मराठी से अंग्रेजी में ऐतिहासिक दस्तावेजों का अनुंवाद करूंगी. मुझे लगता है कि यह उन लोगों के लिए एक बहुत अच्छा संसाधन होना चाहिए जो इन प्राथमिक स्रोतों से जुड़ने में सक्षम होना चाहते हैं. मैं एक सह-संपादित पुस्तक पर भी काम कर रही हूं जिसका शीर्षक दक्षिण एशिया में और उससे परे जाति, नस्ल और स्वदेशीता है. मैं समाजशास्त्र, नृविज्ञान, भूगोल, धार्मिक अध्ययन और महिला और लिंग अध्ययन जैसे कई विषयों में काम करने वाले लगभग 24 अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के साथ सहयोग कर रही हूं.

आपके बचपन ने आपके काम को किस तरह प्रभावित किया? : पुणे में पले-बढ़े होने के कारण एक खास सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले और सीमित संसाधनों वाले मेरे परिवार पर इसका असर पड़ा है. लेकिन मैं हमेशा अपने माता-पिता और चाचा का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया. शिक्षा और झुग्गी-झोपड़ी से बाहर निकलना मेरी पहली किताब का एक अध्याय बन गया. शिक्षा मेरे लिए ही नहीं बल्कि लाखों लोगों के लिए एक जादुई छड़ी बन गई. उच्च शिक्षा बहुत सारी संभावनाओं को खोलती है.

आपकी पिछली किताब महाराष्ट्र के तमाशा कलाकारों पर केंद्रित थी, इसे आप कैसे देखती है? : इसे मैं अपनी पुस्तक द वल्गारिटी ऑफ कास्ट: दलित्स, सेक्सुअलिटी एंड ह्यूमैनिटी इन मॉडर्न इंडिया में सेक्स-जेंडर-कास्ट कॉम्प्लेक्स कहती हूं. -शेष पेज 11 पर

मीडिया सेल व सोशल मीडिया सेल का दावा- हम एक्टिव हैं, लेकिन सच ये- कहां हैं सक्रिय, कोउ न जानत-कोउ न जानत...

प्रदेश कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला... नेताओं में आपसी तालमेल ही नहीं

संजय सिंह।रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस में विधानसभा चुनाव को लेकर कमेटी पर कमेटी बनायी गयी है, लेकिन कमेटियों की तैयारी का कुछ पता नहीं चल पा रहा है. पार्टी की ओर से यदि कभी-कभार कार्यक्रमों का आयोजन किया भी जा रहा है, तो मीडिया तक उसकी न तो प्रॉपर जानकारी पहुंच पा रही है और उससे संबंधित कोई जानकारी ही ढंग से दी जा रही है. मतलब कांग्रेस में सिर्फ खानापूर्ति ही की जा रही है. या यूं कहा जाए, कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला हो रहा है. मीडिया सेल है, सोशल मीडिया सेल भी है. कई-कई नेताओं को इसकी जिम्मेवारी दी गयी है, लेकिन सभी अपने मन की कर रहे हैं. मसलन जिसको जितना बुझा रहा है, वह बैठे - बैठे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय से लेकर झारखंड स्तर तक के मुद्दे पर बयान जारी कर बयानवीर बने हुए हैं. बयान जारी कर कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं. बाकी कांग्रेस में सबकुछ राम भरोसे ही चल रहा है. न नेताओं में कोई आपसी तालमेल है और न किसी मुद्दे पर कोई डिस्कशन ही होता है. जिसको जो बुझाता है, वहीं बयान दे देता है. जहां बयान देना जरूरी होता है या पार्टी का पक्ष रखना जरूरी होता है, वहां पता ही नहीं चलता कि कौन बोलेगा, किससे पूछा जाए. झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी भी कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत की खुमारी में हैं. जो नेता टिकट की जुगाड़ में हैं, वे बस नेताओं को आगे-पीछे पैडल मार रहे हैं. रांची से दिल्ली तक एक किए हुए हैं. कुछ तो कश्मीर तक भाग-दौड़ कर रहे हैं. लेकिन फील्ड में पार्टी की ओर से ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है, जिससे पार्टी के नेताओं की आम लोगों के बीच पैठ बन सके या यूं कहिए कि जनता उनके या उनकी पार्टी के नाम पर गंभीरता से विचार कर सके. कांग्रेस में सब हवा-हवाई ही चल रहा है. लेकिन इसके नेता ताल ठोंक कर कहते हैं- ऑल इज वेल, नथिंग टू वरी.

मीडिया सेल व नेताओं में तालमेल नाम की चीज ही नहीं : पार्टी के मीडिया सेल के कुछ जिम्मेवारों से पूछने पर कहते हैं कि हमलोग क्या कर सकते हैं. हमलोगों को जो अपने से बुझाता है, उस इश्यू पर बोलते हैं. बाकी बड़े नेता कुछ बोलना ही नहीं चाहते या कुछ इंस्ट्रक्शन ही नहीं देते हैं, तो हमलोग भला क्या कर सकते हैं. यदि किसी इश्यू पर पार्टी का पक्ष रखना हो, तो बड़े नेता कुछ बताएंगे, तभी तो हम उस मुद्दे पर पार्टी का पक्ष जोरदार ढंग से रख पाएंगे. नेता लोगों को अपने से जो मन करता है, जिस इश्यू पर बोलने का मन करता है, उस पर बोल देते हैं, तो हमलोग भी चुप्पी ही साधे रहते हैं. रूटीन की विज्ञप्ति जारी कर देते हैं. जो सामान्य कार्यक्रम होते हैं, उसे मीडिया की जानकारी के लिए जारी कर देते हैं. कभी-कभार लगता है कि विपक्षी नेता कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं, तो वे भी अपने स्तर से काउंटर कर देते हैं. लेकिन पार्टी के बड़े नेता मीडिया सेल से इस मसले पर चर्चा नहीं करते हैं. कभी-कभी तो विपक्ष के वार के बारे में बताने पर कह देते हैं कि अपने स्तर से देख लीजिए, अभी हमको बहुत सा काम करना है. अपने हिसाब से टैकल कर लीजिए. देख लीजिए, सोच-समझ कर जो बयान देना है, दे दीजिए.

मीडिया सेल में कोई ईर घाट, तो कोई मीर घाट : झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने जंबोजेट मीडिया सेल का गठन कर रखा है. लगभग 16 नेताओं को मीडिया सेल की जिम्मेवारी सौंपी गयी है, लेकिन सेल के नेताओं को भी नहीं पता है कि उन्हें करना क्या है, कहना क्या है. किस इश्यू पर कब बोलना है. किसकी क्या जिम्मेवारी होगी, ये न तो मीडिया सेल के सदस्यों को पता है और न उन्हें जिम्मेवारी सौंपनेवालों को ही. कोई ईर घाट, तो कोई मीर घाट है. अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने एक सप्ताह पूर्व संजय पांडेय और लाल किशोरनाथ शाहदेव को मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है. जब प्रदेश कांग्रेस के ठाकुर (अध्यक्ष) राजेश हुआ करते थे, तभी मीडिया सेल का गठन हुआ था. मीडिया सेल में जिन नेताओं को जोड़ा गया था, उनमें से कुछ तो मौनी बाबा बने रहे और कुछ नेताओं से बिना विचार-विमर्श किये ही अपनी मर्जी से जो कुछ बुझाया बोलते रहे, या कार्यक्रमों से संबंधित कोई जानकारी दे दी या विज्ञप्ति जारी कर दी. बस हो गयी खानापूर्ति.

सोशल मीडिया की भी लंबी-चौड़ी टीम, लेकिन... : झारखंड प्रदेश कांग्रेस की सोशल मीडिया की भी लंबी चौड़ी टीम है. सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह हैं. लेकिन दूसरी पार्टियों खासकर भाजपा-आजसू और कांग्रेस की सहयोगी पार्टी झामुमो ही सोशल मीडिया पर जितना एक्टिव है, उतना कांग्रेस सक्रिय नजर नहीं आती. बल्कि सच तो ये है कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी सोशल मीडिया सेल के बारे में तनिक भी जानकारी नहीं है. हालांकि कांग्रेस सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह हैं. उनसे यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस सोशल मीडिया सेल एक्टिव नजर नहीं आता है, जैसे दूसरी पार्टियों को सोशल मीडिया सेल नजर आता है, तो सफाई देते हैं. ताल ठोक कर कहते हैं कि सोशल मीडिया काफी एक्टिव हैं. बताते हैं कि हमलोग वाट्सऐप पर ज्यादा एक्टिव हैं. बाकी दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जरूरत ही नहीं पड़ती है. वैसे कांग्रेस के कार्यक्रमों व गतिविधियों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आपको जरूर दिख जाएंगे, लेकिन थोड़ा कम. वाट्सऐप पर सेल ज्यादा सक्रिय है.

प्रदेश स्तर पर 80 की टीम, 319 ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर : कांग्रेस सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह कहते हैं कि प्रदेश स्तर पर सोशल मीडिया सेल में 80 लोगों की टीम है. विधानसभा स्तर पर बात की जाए तो सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में सोशल मीडिया सेल के मेंबर काम कर रहे हैं. सिंह साहब का दावा है, सेल बहुत ही सक्रिय है. वैसे सांगठनिक स्तर पर देखा जाए, तो 319 सांगठनिक ब्लॉक हैं. सांगठनिक ब्लॉक में सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर तैनात हैं, जो वाट्सऐप ग्रुप के जरिए अपना काम रहे हैं. कुछ पंचायतों में पंचायत स्तर पर भी सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर तैनात हैं. सोशल मीडिया सेल फेसबुक या दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के कार्यक्रमों या गतिविधियों का उतना प्रसार नहीं हो पाता है, क्योंकि मॉनिटरी इश्यु भी आता है. लेकिन हम वाट्सऐप ग्रुप के जरिए ज्यादा एक्टिव हैं. लेकिन सच तो ये है कि कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल के बारे में पार्टी के ही नेताओं-कार्यकर्ताओं को कोई जानकारी नहीं है, तो भला आम लोगों को क्या और कैसी जानकारी होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी भूले-बिसरे गीत की तरह भी नहीं देखी व सुनी जाती, लेकिन गजेंद्र सिंह ताल ठोक के दावा करते हैं, तो भला इस पर क्या कुछ ही कहना. बाकी तो पार्टी नेतृत्व है ही ई सब देखने के लिए.

अजब कांग्रेस की गजब दास्तान

चुनाव अभियान में कहीं पिछड़ न जाए कांग्रेस

कांग्रेस के एक बुजुर्ग नेता का कहना है पार्टी में चुनाव अभियान समिति, मैनिफेस्टो कमेटी और झारखंड विधानसभा चुनाव तैयारी समिति का गठन तो किया गया है, लेकिन समितियां क्या कर रही हैं, चुनावी तैयारी के मद्देनजर क्या-क्या गतिविधियां हैं, इसके बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है. कांग्रेस अटैकिंग मोड में नहीं दिख रही है. ऐसे में तो पार्टी कहीं विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार में पिछड़ न जाए. लेकिन कांग्रेस के मीडिया सेल के सदस्यों से जब इस संबंध में पूछा जाता है, तो बहुत ही शातिराना अंदाज में जवाब देते हैं. सब तो ठीक-ठाक चल रहा है. कहीं कोई दिक्कत नहीं है. अभियान चल रहा है. हमलोगों की भी पूरी तैयारी है. बस हमारा नाम बचा के भइया. हमरा मत फंसाइए. ऑफिशियल बयान मेरे तरफ से कुछ मत दीजिए. काहे ला बेकार में हमरा बलि का बकरा बनावे में लगल हैं. जो था अंदर का बात हम बताइए दिए हैं. बाकी आप अपने ही देख लीजिएगा.

आइए जानते हैं जंबोजेट मीडिया सेल के सदस्यों को

मीडिया सेल के इंचार्ज राकेश कुमार सिन्हा हैं, जबकि चेयरमैन पद पर सतीश पॉल मुंजिनी पहले से विराजमान हैं. हाल ही में अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने लाल किशोर नाथ शाहदेव व संजय पांडेय को मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है. बाकी मीडिया सेल में पुरानी कमेटी के लोग ही कंटीन्यू कर रहे हैं. प्रवक्ता की जिम्मेवारी शमशेर आलम, सोनल शांति उर्फ रिंकू तिवारी, कमल ठाकुर, जगदीश साहू, निरंजन पासवान, कृतिका तिवारी व ऋषिकेश सिंह (पलामू), शकील अहमद (बोकारो), श्यामल किशोर सिंह (दुमका), राजेंद्र दास (देवघर), रियाज अंसारी व शांतनु मिश्रा (रामगढ़), जेबा खान (जमशेदपुर) हैं. लेकिन इनमें से दो-तीन ही थोड़ा बहुत एक्टिव हैं, बाकी, तो...

...और मीडिया सेल की गोलमटोल सफाई

प्रदेश कांग्रेस भी तैयारी कर रही है. लेकिन यह पूछे जाने पर कि जैसी तैयारी विपक्ष की है या साथी दल झामुमो की है, वैसी कोई तैयारी कांग्रेस की नजर नहीं आती, सरकार की योजनाओं का लाभ कांग्रेस पार्टी उठा पाने में पिछड़ जा रही है, तो मीडिया सेल के मेंबर कहते हैं, नहीं ऐसी बात नहीं है. सभी पांच प्रमंडल में झारखंड विधानसभा चुनाव तैयारी समिति के चेयरमैन सह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जनसंवाद कर लिया है. प्रदेश कांग्रेस कैंपेन कमेटी के चेयरमैन पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी दो अक्टूबर से सक्रिय हैं. मैनिफेस्टो कमेटी के चेयरमैन पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी अपनी जिम्मेवारी निभा ही रहे हैं. अभी चूंकि पूजा का समय है, इसलिए थोड़ा अभियान थमा है, लेकिन एक-दो दिन बाद हमारा अभियान भी जोर पकड़ेगा. वैसे अभी तो सीट शेयरिंग पर दिल्ली में बात हो रही है. सीट शेयरिंग के बाद ही चुनाव अभियान समिति और कैंपेन समिति भी ताकत झोंकेगी. मैनिफेस्टो कमेटी के कर्ता-धर्ता यानि चेयरमैन पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी अपने काम में लगे हैं. मैनिफेस्टो तैयार करने के लिए लोगों से मिलजुल भी रहे हैं. आम जनता से जुड़ा मैनिफेस्टो तैयार किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कांग्रेस से जुड़ सकें.

राजनीतिक सरगर्मी के बीच झारखंड में मौसम भी ले रहा करवट

15 अक्तूबर को राज्य के आठ जिलों में बारिश के आसार

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में राजनीतिक सरगर्मी के साथ मौसम भी करवट ले रहा है. राज्य में मौसम में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. मौसम केंद्र के अनुसार, 15 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और मध्य भाग में हल्के से मध्यम दर्जे के बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा.

अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव के संकेत नहीं : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है. वहीं 13 और 14 अक्टूबर को मौसम शुष्क रहेगा. आसमान भी साफ रहेगा. पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान देवघर में रिकॉर्ड किया गया. जबकि सबसे न्यूनतम तापमान राजधानी रांची में दर्ज किया गया.

इन हिस्सों से लौट चुका है मॉनसून : दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से वापस चला गया है. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, ओडिशा के कई हिस्से और असम व मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से भी मॉनसून वापस चला गया है. वहीं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्से, ओडिशा के कई हिस्से, असम और मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से भी मॉनसून की वापसी हो चुकी है. वहीं 14 अक्टूबर के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है.

16 से 18 अक्टूबर तक पांच जिलों में बारिश

16 से 18 अक्टूबर तक राज्य के पांच जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा. पिछले 25 घंटे में सरायकेला-खरसावां, गुमला के बिशुनपुर में बारिश हुई. वहीं झारखंड के कई हिस्सों से दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून की विदाई हो चुकी है.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आज मोरहाबादी में लगेगी छात्र अदालत

संवाददाता।रांची

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर छात्र आदोलित हैं. छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं, इसलिए परीक्षा हर हाल में रद्दा कर फिर से आयोजित की जानी चाहिए. परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में सोमवार को छात्र अदालत लगेगी. इसमें राज्य भर से एक लाख छात्रों के पहुंचने का दावा किया गया है. ज्ञात हो कि परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 2 अक्टूबर से बापू वाटिका के पास छात्रों काअनिश्चितकालीन सत्याग्रह चल रहा है, जो रविवार को 12वें दिन भी जारी रहा.

सत्याग्रह स्थल पर इमाम सफी ने कहा सोमवार को झारखंड के सभी 24 जिलों से एक लाख छात्र-छात्राओं ke मोरहाबादी मैदान में जुटान होगा. छात्र अदालत लगेगी. यहीं परीक्षा को रद्द कराने की रणनीति तैयार की जाएगी. इमाम ने जेएसएससी सीजीएल व अन्य परीक्षार्थियों से अपील की है कि 14 अक्टूबर को चट्टानी एकता का परिचय देते हुए 26 और 30 सितंबर की तरह एकजुटता दिखाएं. उन्होंने अभ्यर्थियों से पहले जैसी गलती नहीं दोहराने की अपील की है. इस बार हमलोगों ने निर्णायक आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर ली है. ऐसा जोरदार आंदोलन करेंगे कि सरकार को वार्ता के लिए बाध्य होना ही पड़ेगा.

डॉ कहकशां कमाल ने कहा जेएसएससी कार्यालय के समक्षअभ्यर्थियों ने दो-दो दफा आंदोलन किया है, लेकिन उसका कोई परिणाम नहीं आया. इसलिए इस बार सोमवार को मोरहाबादी में छात्रों का महाजुटान हो रहा है, जिसमें परीक्षा रद्द कराने को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी. छात्रों को हर हाल में एतजुट होकर अंततः परीक्षा रद्द कराना ही होगा. सत्याग्रह स्थल बापू वाटिका के पास चंदन कुमार ने अभ्यर्थियों से सोमवार सुबह 11 बजे ज्यादा से ज्यादा संख्या में मोरहाबादी पहुंचने की अपील की है. छात्र अदालत में सर्वसम्मति से विवादित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द कराने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा. मौके पर महेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अजय कुमार महतो ने कहा कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द कराने की मांग की लगातार की जा रही है, क्योंकि इसके पेपर लीक हुए हैं. आयोग को छात्रों की ओर से इससे संबंधित सबूत भी दिए जा चुके हैं. लेकिन अब आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी.

झामुमो की केंद्रीय और भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आज

संवाददाता।रांची

विधानसभा चुनाव को देखते हुए झामुमो और भाजपा अपनी रंणनीतियों को अमलीजामा पहनाने में जुटी हुई हैं. इसी कड़ी में झामुमो की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक 14 अक्तूबर को दिन के 11-30 बजे से सोहराय भवन में होगी. इसमें पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे. केंद्रीय समिति के लगभग 243 सदस्यों के अलावा सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला सचिव भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन किया जाएगा.

भाजपा की दो अहम बैठकें भी : 14 अक्तूबर को भाजपा की दो अहम बैठक भी प्रदेश कार्यालय में होंगी. इसमें भी चुनावी रणनीति को अमलीजामा पहनाया जाएगा. पहली बैठक चुनाव प्रबंधन समिति की होगी और दूसरी बैठक सभी मोर्चा के पदाधिकारियों की होगी. इन दोनों बैठकों में असम के सीएम सह बीजेपी झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा भी शिरकत करेंगे.

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: कांग्रेस नेता अजय कुमार ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

संवाददाता।रांची

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय कुमार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में हुई हत्या की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की. अजय कुमार ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह घटना महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल पैदा करती है.सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी.उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था. छात्र जीवन से ही कांग्रेस का सदस्य रहे सिद्दीकी इस साल फरवरी में अजित पवार-नीत राकांपा में शामिल हो गए थे.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की कार्यकारी समिति के सदस्य कुमार ने कहा, 'कुछ दिन पहले, जब मैं मैंगलोर में एक कार्यक्रम में उनसे मिला था तो उन्होंने अपनी जान को खतरे जैसी कोई बात नहीं बतायी थी...सच्चाई का पता लगाने के लिए उच्च-स्तरीय जांच का आदेश दिया जाना चाहिए.' उन्होंने बताया कि सिद्दीकी एक मिलनसार और लोकप्रिय नेता थे, जो जनता के बीच रहते थे.ओडिशा, तमिलनाडु और पुडुचेरी के एआईसीसी प्रभारी कुमार ने कहा, 'उनकी हत्या राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करती है...महाराष्ट्र में आम आदमी तो छोड़िए, पूर्व मंत्री भी सुरक्षित नहीं हैं.' अजय कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, लेकिन सिद्दीकी की हत्या के बाद ''वहां असुरक्षा और भय का माहौल है.' कांग्रेस नेता ने चुनावों के मद्देनजर भय का माहौल पैदा करने के लिए एक साजिश की ओर भी इशारा किया.

विस चुनाव पहले ऑनलाइन 1487 पुलिसकर्मियों का तबादला

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस कर्मियों का तबादला किया है. पुलिस मुख्यालय ने क्यूआर कोड के जरिये ऑनलाइन आवेदन करने वाले 1487 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर किया है. इनमें सिपाही और हवलदार स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं. गौरतलब है कि बीते दिनों पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर कहा था कि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चाईबासा, चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, गुमला, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा के अलावा जंगल वार फेयर स्कूल नेतरहाट और सीटीसी मुसाबनी में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है.

गया से मुंबई की नई ट्रेन में रांची के यात्रियों के लिए सीटें आरक्षित करने की मांग

संवाददाता।रांची

गया से मुंबई जाने वाली नई ट्रेन (वाया हजारीबाग, रांची) में रांची तक के यात्रियों को जनरल वेटिंग लिस्ट में रखने की समस्या को लेकर पूर्व जेडआरयूसीसी सदस्य, दक्षिण पूर्व रेलवे, अरुण जोशी ने गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने माननीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के सभी माननीय राज्यसभा सांसदों से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है. जोशी ने कहा कि यह नई ट्रेन होने के कारण अभी से अगर ध्यान नहीं दिया गया तो रांची के यात्रियों के लिए सीटें मिलना मुश्किल हो जाएगा. उन्होंने कहा कि रांची के यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में रांची तक के यात्रियों के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान किया जाना चाहिए.

लातेहार विस झामुमो -राजद के गढ़ में भाजपा सेंध लगाने की कोशिश में

बैद्यनाथ बनाएंगे रिकॉर्ड या प्रकाश राम की होगी वापसी

- मंत्री बैद्यनाथ राम फिर होंगे इंडिया अलायंस के उम्मीदवार
- प्रकाश राम के साथ बीजेपी में कई दावेदार
- कांग्रेस में भी कई संभावित प्रत्याशी हैं रेस में

संवाददाता।रांची

झारखंड में लातेहार विधानसभा सीट पर पिछले कई चुनावों के परिणाम पर गौर किया जाए, तो कोई भी उम्मीदवार लगातार दूसरी बार जीत हासिल करने में सफल नहीं रहा है. लेकिन इस बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रकाश राम इस मिथक को तोड़ने में सफल होंगे या फिर बीजेपी के प्रकाश राम की जीत होगी, इसे लेकर सभी अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं.वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में लातेहार विधानसभा सीट पर जेएमएम के बैद्यनाथ राम विधायक चुने गए थे. इस चुनाव में उन्हें 76,507 वोट मिले. दूसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी प्रकाश राम थे, उनको कुल 60, 179 वोट मिले. इस बार इंडिया अलायंस की ओर से बैद्यनाथ राम फिर से चुनाव मैदान में होंगे, फिलहाल क्षेत्र में इंडिया अलायंस के अंदर से उन्हें किसी तरह की बड़ी चुनौती मिलने की संभावना नहीं हैं. हालांकि कांग्रेस और आरजेडी के कुछ नेता चुनाव लड़ने को इच्छुक जरूर है, परंतु बैद्यनाथ राम इस क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके हैंऔर जेएमएम की ओर से उन्हें फिर से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना हैं.

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी में प्रकाश राम के अलावा कई अन्य दावेदार रांची और दिल्ली पहुंचकर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं. हालांकि प्रकाश राम भी लातेहार से दो बार चुनाव जीत चुके हैं, पहली बार उन्होंने आरजेडी टिकट पर जीत हासिल की, दूसरी बार झाविमो टिकट पर विजयी रहे. पिछली बार बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन सफलता नहीं मिली. अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित लातेहार सीट पर बीजेपी की ओर से बृजमोहन राम और रामदेव गंझू समेत कई नेताओं की ओर से दावेदारी की जा रही है.

लातेहार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए कई प्रत्याशी रेस में हैं. सूत्रों के मुताबिक कई पूर्व सांसद और विधायक कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए जिला से लेकर प्रदेश कमेटी तक अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. कई कांग्रेस नेता तो काफी दिनों से क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान में भी जुटे हैं. इनमें युवा कांग्रेस नेता साजन कुमार, पूर्व विधायक हरि दर्शन राम के पुत्र प्रवीण कुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पासवान के नाम की चर्चा हैं.लातेहार विधानसभा सीट से बैद्यनाथ राम तीन बार और प्रकाश राम 2 बार विधायक चुने गए हैं. बैद्यनाथ राम ने 2000, 2009 और 2019 मे जीत हासिल की. जबकि प्रकाश राम ने 2005 और 2014 में जीत हासिल की. एक बार फिर दोनों के आमने-सामने मैदान में उतरने की तस्वीर बन रही हैं.

35 साल पहले तक कांग्रेस का था दबदबा : लातेहार विधानसभा क्षेत्र में 35 साल पहले तक कांग्रेस की पकड़ काफी मजबूत थी. यहां से कई कांग्रेसी विधायक चुनाव जीतकर बिहार विधानसभा पहुंचे थे. लेकिन वर्ष 1990 के बाद से लातेहार विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की पकड़ कमजोर पकड़ने लगी.

दुर्गा पूजा के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत

सौरभ सिंह।रांची

झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गयी. यह घटनाएं राज्य के अलग-अलग जिले में 11 और 12 अक्टूबर को हुई. इनमें से छह लोगों की हत्या कर दी गयी. जबकि 11 लोगों की हादसे में मौत हो गयी. वहीं एक व्यक्ति की हत्या हुई या हादसे में मौत हुई है, पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है.

- **12 अक्टूबर :** सिमडेगा में धारदार हथियार से मारकर महिला की हत्या.
- **12 अक्टूबर :** देवघर में जंगल से क्षत-विक्षत हालात में मिला व्यक्ति का शव, पिछले चार दिन से था लापता.
- **12 अक्टूबर :** रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में मेला घूमने के दौरान हुए मारपीट में एक युवक की मौत.
- **12 अक्टूबर :** दुमका में खेलने के दौरान मिट्टी में दबकर दो बच्चों की मौत.
- **12 अक्टूबर :** सरायकेला में फैक्ट्री में काम के दौरान हादसा हुआ इस दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गयी.
- **12 अक्टूबर :** लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई.
- **11 अक्टूबर :** रांची के बुढ़मू में सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी.
- **11 अक्टूबर :** रांची चान्हो में अधिवक्ता के पिता की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई.
- **11 अक्टूबर :** रामगढ़ के मुराम कला गांव के पास दुर्गा पूजा करने जा रही चार लड़कियां ट्रक के नीचे दब गईं. तीन लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई.
- **11 अक्टूबर :** बोकारो स्टील प्लांट बीएसएल के डीजीएम की सड़क हादसे में मौत हो गई है.
- **11 अक्टूबर :** चाईबासा के टेबो में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 184 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सिंदूर खेला के साथ माँ दुर्गा की विदाई

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना

आधिकारिक वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाएं आवेदक

एक करोड़ युवाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ने आधिकारिक रूप से अपनी पंजीकरण प्रक्रिया खोल दी है, जिसमें एक करोड़ युवाओं को आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया गया है. योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट pminternship.mca.gov.in के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं. यह योजना वित्तीय सहायता और कैरियर निर्माण के अवसर प्रदान करती है. आवेदन करने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है. पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद, आवेदकों के लिए स्वचालित रूप से बनाया गया रिज्यूमे तैयार हो जाएगा, जिससे उन्हें उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर न्यूनतम पांच इंटर्नशिप पदों के लिए आवेदन करने की अनुमति मिलेगी.

हाई स्कूल शिक्षा पूरी कर ली हो. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से प्रमाण पत्र प्राप्त होना चाहिए या पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त होना चाहिए, या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए, या बीफार्मा जैसी डिग्री होनी चाहिए. आवेदन के समय आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए. ऑनलाइन या दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित छात्र भी आवेदन कर सकते हैं.

पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन कैसे करें

आधिकारिक वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाएं.

पंजीकरण अनुभाग तक नीचे स्क्रॉल करें और पंजीकरण लिंक पर क्लिक करें.

अपना विवरण भरें, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें और फॉर्म जमा करें.

इंटर्नशिप व वित्तीय सहायता

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत चयनित इंटर्न को 12 महीने के कार्यक्रम के दौरान हर महीने 5,000 रुपये मिलेगा. यह राशि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योगदान के तहत मिलेगा. इसमें 500 रुपये संबंधित कंपनी और 4,500 रुपये सरकार देगी. इसके अतिरिक्त, इंटर्नशिप अवधि के दौरान आकस्मिक खर्चों को कवर करने के लिए एकमुश्त 6,000 रुपया दिया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

चतरा सांसद की अचानक बिगड़ी तबीयत

चतरा : चतरा लोक सभा सांसद से कालीचरण सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. आनन-फानन में उन्हें सदर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है. सदर अस्पताल में उनके शुभचिंतकों तथा समर्थकों का तांता लगा है. तबीयत बिगड़ने की सूचना जैसे ही क्षेत्र में समर्थकों को मिली, वह अपने सभी काम धंधे छोड़कर अस्पताल पहुंचे. पूरा अस्पताल परिसर उनके समर्थकों से भरा पड़ा है. सभी अपने सांसद के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं. अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वे ब्लड प्रेशर तथा गैस से पीड़ित है. बेहतर इलाज के लिए भेजा रांची के रिम्स अस्पताल भेजा गया है.

आंध्र प्रदेश की महिला भटकती हुई पहुंची कतरास

कतरास। कतरास थाना क्षेत्र के कांको में स्थित प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित विरेन्द्र मोहन झा के आवास में रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम की लक्ष्मी नामक एक महिला (28) भटकती हुई पहुंची। कई लोगों के बीच में महिला सुबह साढ़े दस बजे से बैठी रही। लोग समझ रहे थे कि वह यहां कुछ दिखाने के लिए आयी होगी। देर शाम जब महिला वहां से नहीं गई तो पंडित विरेन्द्र मोहन झा ने उनसे पूछताछ की। महिला तेलगु भाषा में बोलने लगी, जिसकी वजह से कुछ समझ पाना मुश्किल लग रहा था। वह हल्की फुल्की अंग्रेजी भाषा जानती है। महिला ने बताया कि वह आंध्र प्रदेश के विजयनगरम की रहने वाली है। पंडित श्री झा ने कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह से फोन पर बात कर महिला के संबंध में बताया। इसके बाद महिला थाना को जानकारी दी गई। महिला थाना प्रभारी वर्षा रानी मिंज यहां पहुंची और उक्त महिला को अपने साथ ले गई। पंडित विरेन्द्र मोहन ने बताया कि सैकड़ों की भीड़ में वह बैठी थी, हमें लगा कि वह अपने बारे में कुछ दिखाने पहुंची होगी। लेकिन शाम तक बैठी रही। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए उक्त महिला को अपने आवास में बैठाकर खाना खिलाया और पुलिस के सहयोग से उसके घर तक पहुंचने की मनोकामना माता शीतला से की।

पश्चिम बंगाल का गिरोह झारखंड में था सक्रिय, गिरोह में आधा दर्जन महिलाएं

महिलाओं से छिनतई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

1. चार महिला के साथ दो पुरुष भी दबोचे गए
2. स्कार्पियो से थे आए, धनबाद के होटल में थे रुके
3. चास के मंदिर में वारदात के बाद पकड़ा गया गिरोह

संवाददाता। बोकारो

बोकारो पुलिस ने झारखंड के विभिन्न जिलों में दुर्गा पूजा के मेले के दौरान भीड़-भाड़ का फायदा उठाकर महिलाओं से चेन, मोबाइल, पर्स और रुपये आदि उड़ाने वाली एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है. गिरोह में चार महिलाएं भी शामिल हैं जबकि गिरोह के दो पुरुष सदस्यो को भी दबोचा गया है. बोकारो पुलिस ने आधा दर्जन गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी धनबाद के होटल कोलफील्ड से की है. ये गिरोह पश्चिम बंगाल के बेंडिल से आकर होटल में रुका था और बोकारो-धनबाद आदि इलाकों में वारदात को अंजाम दे रहा था. बोकारो पुलिस की कार्रवाई चास के जगदंबा मंदिर में चेन स्नेचिंग की वारदात की जांच पड़ताल के दौरान हुई.

चास थाना अन्तर्गत धर्मशाला मोड़ स्थित जगदम्बा मंदिर के प्रांगण में एक वृद्ध महिला के गले से सोने का चेन छिनतई की घटना हुई.जिसमें मंदिर में उपस्थित लोगो के द्वारा कैलाश कृष्णा उम्र 47 वर्ष पिता कृष्णा मुदालियार सा. साउथ नालडांगा थाना बेंडिल प० बंगाल नामक व्यक्ति को पकड़कर चास थाना को सूचना दिया गया. तत्पश्चात कैलाश कृष्णा को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ की गई. उसके बताए अनुसार चास थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए धनबाद जिला स्थित कोलफील्ड होटल में छापामारी की गई. जहां पता चला कि उक्त घटना में शामिल चार महिला तथा एक पुरुष सफेद रंग का स्कॉर्पियो वाहन निबंधन सं डबल्यू बी 16 बीके -8553 से बोकारो के तरफ प्रस्थान किये हैं. तत्पश्चात छापामारी दल द्वारा उक्त वाहन का पीछा किया जाने लगा तथा चास ब्लॉक के सामने मुख्य सड़क पर एंटी क्राईम चेकिंग के क्रम में उक्त स्कार्पियो को रोककर उसका चेंकिंग की गई. इस क्रम में उसमें सवार चार महिला तथा चालक को पकड़ लिया गया एवं उन लोगों के कब्जे से दो सोने जैसा दिखने वाला चेन, छोटा चेन कटर एवं 5 मोबाईल फोन बरामद किया गया. गिरफ्तार अभियुक्त में कैलाश कृष्णा उम्र 47 वर्ष पिता कृष्णा मुदालियार सा० साउथ नालडांगा थाना बेंडिल जिला हुबली प० बंगाल, शिबेन राय उम्र 30 वर्ष पिता गोपालचन्द्र राय सा० 2 नम्बर कपास डंगाल थाना चिनसुरह जिला हुगली पश्चिम बंगाल एवं चार (04) महिला. छापामारी दल में पु०नि० सह थाना प्रभारी चास खुर्शीद आलम, महिला थाना प्रभारी चास पु०अ०नि० सुनिला लिण्डा, पु०अ०नि० मुकेश दयाल सिंह, स०अ०नि० लाल बाबु रजक, एवम स०अ०नि० नीना कुमारी, सशस्त्र बल सहित मौजूद रहे हैं. पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी ले रही है.

विस्थापित मोर्चा के नेता के घर पर फायरिंग-बमबाजी व पथराव

- अलकडीहा ओपी क्षेत्र के सुरुंगा रविदास टोला निवासी पांडव रजक के घर हमला

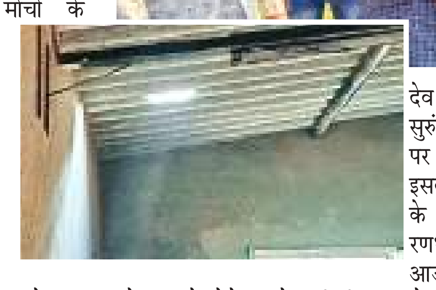

संवाददाता। झरिया

अलकडीहा ओपी क्षेत्र के सुरुंगा रविदास टोला में शुक्रवार की देर रात को अपराधियों ने रैयत विस्थापित ग्रामीण मोर्चा के नेतृत्वकर्ता पांडव रजक के घर पर फायरिंग बमबाजी और पथराव हुआ है. इस दौरान अपराधियों ने तीन बम फोड़े, पथराव से एस्बेस्टस टूट कर छोटे भाई लखन रजक पर जा गिरा. जिससे वे चोटिल हो गए. जोरदार आवाज सुनकर गांव के लोग उसके घर पहुंचे, गांव के लोगों के द्वारा आवाज देने के बाद पांडव रजक घर से बाहर निकले..घटना के सूचना अलकडीहा ओपी प्रभारी ए. रौशन को दूरभाष पर दी. सूचना पाकर प्रभारी रजक के घर पहुंचे, मुख्य दरवाजे पर बम का निशान, अवशेष सुतरी और टूट हुआ एस्बेस्टस की जांच की. घटना के समय पांडव रजक के अनुसार वे लोग घर में सोये हुए थे, इसी बीच 12:40 बजे अपराधी घर के बाहर आ धमके गोली-बम फोड़ना शुरू कर दिया. फिर अपराधी भाग निकले. बम की आवाज सुन काफी संख्या में ग्रामीण जुटे. फिलहाल पांडव रजक के परिवार के लोग डरे सहमे हुए हैं. अपराधियों ने क्यों बम फोड़े इसका खुलासा नहीं हो पाया है, वही पांडव रजक ने शनिवार को अलकडीहा ओपी पहुंच कर घटना का लिखित शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में कहा है कि जीनागोड़ा देव प्रभा आउटसोर्सिंग के द्वारा सुरुंगा मौजा के रैयतों के जमीन पर जबरन ओबी गिरा रहा है, इसको लेकर शनिवार को दशहरा के विजय दशमी को धनबाद रणधीर वर्मा चौक पर देव प्रभा आउटसोर्सिंग के निदेशक व लोदना जीएम के पुतला दहन कार्यक्रम का घोषणा किया गया था, इस लिए लाल बाबू सिंह, कुंभनाथ सिंह व लोदना जीएम निर्झर चक्रवर्ती के इशारे पर अज्ञात अपराधियों के द्वारा मेरा और मेरे परिवार की हत्या करने के इरादे से गोली व बम से हमला किया गया है, लिखित शिकायत मिले के बाद पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है. अलकडीहा ओपी प्रभारी ने इस संदर्भ में कहा कि शिकायत मिली है, जांच की जा रही है.

आलमगीर के निजी सचिव के भाई की सड़क हादसे में मौत

खास बातें

- नेतरहाट व बेतला का भ्रमण कर लौट रहे थे
- बस चालक ने इससे पहले एक टेंपो को मारी थी टक्कर

आशीष टैगोर। लातेहार

रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच 75) रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर हुई एक बस और कार की सीधी टक्कर में कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी. मृतक की शिनाख्त पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव अजनफर अंसारी उर्फ छोटू के भाई अफसर इमाम के रूप में की हुई है. इस दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं. इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं. दुर्घटना के बाद बस चालक फरार हो गया. घटना रविवार की दोपहर मनिका थाना क्षेत्र के करमाही मोड़ के पास हुई. दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया. इलाज के बाद सभी घायलों को बेहतर ईलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. घायलों में अनिक अंसारी, जयान गजनफा, मो अहियान अंसारी, इबाद अंसारी शामिल हैं. सभी रांची नामकुम के रहने वाले हैं. अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद ने बताया कि जयान गजनफा, मो अहियान अंसारी को गंभीर चोट आई है.

कुआं में गिरने से अधेड़ की मौत

बरवाअड्डा। शनिवार देर शाम कुंआ गिरने से नयन हाजरा की मौत हो गई. बताया जाता है कि रात के अंधेरे में पैर फिसलने से भेलाटांड़ निवासी नयन हाजरा कुंआ में गिर गया. कुंआ में गिरते देख लोगों ने शोर मचाया1 सूचना पर आजसू नेता राहुल हाजरा मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की सहयोग से नयन को बचाने का प्रयास किया. हाजरा ने उसकी सूचना बरवाअड्डा थाना को दी. मौके पर बरवाअड्डा पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कुंआ में गिरे नयन हाजरा को लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नयन हाजरा को बाहर निकाला गया. नयन को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया.

टोकन खोने के विवाद को लेकर एम बाजार में मारपीट-तोड़फोड़

संवाददाता। धनबाद

धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर एम बाजार में शुक्रवार को जमकर मारपीट और तोड़फोड़ की गई. हीरापुर स्थित एम बाजार में कुछ लड़के सामान की खरीदारी करने आए थे. इसी क्रम में युवकों ने एम बाजार द्वारा युवकों को सामान रखने के बदले दिया गया टोकन खो जाने की बात कही.काउंटर पर मौजूद कर्मी ने टोकन दिए बिना सामान वापस देने से मना कर दिया. इसी बात परनाराज युवकों ने दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी. न सिर्फ दुकान के कर्मियों को जमकर पीटा बल्कि महिला कर्मचारी से भी मारपीट की गई है. विवाद होता देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई. खबर पाकर तत्काल सदर पुलिस मौके पर पहुंची और चार- पांच युवकों को पुलिस हिरासत में लेकर थाने ले गई. मौके पर दुकान मैनेजर संजय दास ने मीडिया को बताया कि युवक द्वारा मारपीट की घटना की गई है. कैश काउंटर से लगभग रुपए भी छीनने का आरोप लगाया था. बताते चलें कि पूरी मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी. इधर पकड़े गए युवकों और एम बाजार के बीच सुलह समझौता हो गया. युवकों ने प्रतिष्ठान के नुकसान की भरपाई कर दी. इसके बाद एम बाजार की तरफ से की गई शिकायत वापस ले ली गई और युवकों को पीआर बांड पर थाने से छोड़ दिया गया.

15 अक्टूबर से 22 तक रूट बदलकर चलेगी गांधीधाम व जम्मूतवी एक्सप्रेस

धनबाद : उत्तर पूर्व रेलवे के कुसमही और गौरखपुर कैंट स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन और आटोमेटिक सिग्नल का काम होगा. इसके कारण नान इंटरलाकिंग कार्य होगा. इसकी वजह से भागलपुर रेलखंड की दो ट्रेनों गांधीधाम और जम्मूतवी एक्सप्रेस का रूट डायवर्ट किया गया है.15 अक्टूबर से 22 तारीख तक दोनों ट्रेनें रूट बदलकर चलेगी. 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल ट्रेन गौरखपुर, बढ़नी, गोंडा होकर चलेगी। जबकि 15098 जम्मूतवी-भागलपुर अमरनाथ एक्सप्रेस भी 15 अक्टूबर से 22 तारीख तक बाराबंकी, अयोध्या कैंट, शाहगंज, जौनपुर, वाराणसी होकर चलेगी। यह जानकारी पूर्व रेलवे के सीपीआरओ दीप्तिमोय दत्ता ने दी है.

बीजेपी सहयोगी एलजेपी ने कहा- यह काम अंधाधुंध नहीं किया जाना चाहिए, कांग्रेस बोली-आयोग उपाय दे

बाल अधिकार आयोग ने किया मदरसों को बंद करने का आग्रह

संवाददाता। धनबाद

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर मदरसा बोर्डों को बंद करने और मदरसों तथा मदरसा बोर्डों को राज्य वित्त पोषण बंद करने की सिफारिश की है. साथ ही, मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को औपचारिक स्कूलों में नामांकित करने को कहा है. एनसीपीसीआर ने यह पत्र एक हालिया रिपोर्ट के साथ भेजा है, जिसका शीर्षक है """विश्वास के संरक्षक या अधिकारों के दमनकर्ता-बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे"""". इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मदरसे बच्चों के शैक्षिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं.

एनसीपीसीआर की रिपोर्ट के अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

मदरसों में शिक्षक प्रशिक्षण और योग्यता का अभाव : एनसीपीसीआर ने पाया कि मदरसों में शिक्षकों की योग्यता और प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है.

धार्मिक ग्रंथों पर निर्भरता : मदरसों के शिक्षक मुख्य रूप से कुरान और अन्य धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन पर निर्भर हैं, जो आरटीई अधिनियम के अनुरूप नहीं है.

सुविधाओं और अधिकारों से वंचित : मदरसे बच्चों को उन सुविधाओं और अधिकारों से वंचित करते हैं जो नियमित स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को मिलते हैं, जैसे ड्रेस, किताबें और मध्याह्न भोजन.

जवाबदेही और पारदर्शिता का अभाव : मदरसों के लिए आरटीई अधिनियम के मानदंडों का पालन करने का कोई तंत्र नहीं होने के कारण, उनके कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता का अभाव है.

गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालने की सिफारिश : एनसीपीसीआर ने राज्य सरकारों से तत्काल कदम उठाने की सिफारिश की है ताकि हिंदू और गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकाला जा सके.

आयोग की इस सिफारिश पर कांग्रेस ने कहा कि वह पत्र पढ़ने के बाद टिप्पणी करेगी, लेकिन पार्टी के कर्नाटक में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बायोटेक, ग्रामीण विकास और पंचायती राज के कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आयोग को आदर्श रूप से उपाय देना चाहिए. राज्यों को वित्त पोषण बंद करने और मदरसों को बंद करने के लिए कहने के बजाय. उन्होंने अंग्रेजी दैनिक द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मदरसा शिक्षकों के वेतन को तीन गुना करने का फैसला करने के कुछ दिनों बाद यह विकास देखना बहुत विरोधाभासी है.

केंद्र में बीजेपी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी के प्रवक्ता एके बाजपेयी ने कहा कि अगर कोई मदरसा अवैध रूप से चल रहा पाया जाता है तो उसे बंद कर दिया जाना चाहिए. लेकिन अंधाधुंध कुछ नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने अग्रेजी दैनिक द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्हें पता नहीं था कि एनसीपीसीआर ने राज्यों से कोई प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद पत्र लिखा था या नहीं. सभी मदरसों का उचित सर्वेक्षण किया जाना चाहिए ताकि पता चल सके कि कोई अनियमितता तो नहीं है. और अगर कोई अवैधता पाई जाती है तो उन्हें खुद को समझाने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए.

समाजवादी पार्टी के सांसद और प्रवक्ता आनंद भदौरिया ने कहा कि एनसीपीसीआर का पत्र राजनीतिक रूप से प्रेरित लगता है और इसका उद्देश्य समाज में घृणा और विभाजन पैदा करना है. कई मदरसे उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और विद्वान तैयार कर रहे हैं, लेकिन लंबे समय से भ्रांति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है.

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला जख्मी

संवाददाता। तोपचांची

बीते शनिवार रात को तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत गोमो-तोपचांची मार्ग में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला जख्मी हो गई.जख्मी महिला का शिनाख्त सॉरी देवी (65) रघुनाथपुर निवासी के रूप में हुआ है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जख्मी महिला सड़क किनारे पैदल चल रही थी.अचानक वाहन के चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई. घटना में महिला का पैर टूट गया एवं शरीर में चोट आई है. इधर घटना की सूचना मिलते ही तोपचांची पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंच कर जख्मी महिला को पीसीआर वैन से अस्पताल पहुंचाया.

नहीं मिला 108 एंबुलेंस : घटना के बाद ग्रामीणों ने जख्मी महिला को अस्पताल भेजने के लिए 108 एंबुलेंस को फोन लगाया गया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद पुलिस पीसीआर वैन से जख्मी महिला को साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. इधर घटना में जख्मी महिला का तोपचांची के साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर उपलब्ध नहीं रहने के कारण महिला का इलाज नहीं पाया. काफी मशक्कत के बाद महिला को 108 एंबुलेंस के सहारे अस्पताल से इलाज के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा गया.

आस्था : सिंदूर खेला के साथ महिलाओं ने की अखंड सुहाग की कामना

कोयलांचल ने दी मां दुर्गा को विदाई

संवाददाता । धनबाद

कोयलांचल में भी दुर्गोत्सव का समापन सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ. धनबाद, झरिया, फुसबंगला, जामाडोबा, डिगवाडीह, पाथरडीह, सुदामडीह, सिंदरी, बलियापुर आदि क्षेत्रों में विजयादशमी के दिन पूजा मंडपों में महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर खेला के साथ भावभीनी विदाई दी.

सिंदूर खेला में सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर लगाने के बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा से अखंड सुहाग व परिवार में सुख समृद्धि की कामना की. महिलाओं में सिंदूर खेला को लेकर विशेष उत्साह देखा गया. सिन्दूर खेला से पहले कलश विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई .जिसमें सैकडों महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए और ढोल ताशे की धुन पर थिरकते हुए शोभायात्रा को लेकर तालाब पहुंचे जहां पुरोहितों ने पूरे विधि-विधान से कलश घट विसर्जन कराया.

संध्या में दुर्गा पूजा समिति के सदस्य व जिला पुलिस की मौजूदगी में गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से मां दुर्गा की विदाई के साथ इस पर्व का समापन किया.

तोपचांची में सिंदूर खेला के साथ दी मां दुर्गा को विदाई

तोपचांची : विजयादशमी के मौके पर तोपचांची के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में महिलाओं ने सिंदूर खेलकर नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी . इस मौके पर सुहागिन महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्यवती की कामना मां दुर्गा से की . इसके बाद कलश का विसर्जन किया गया .महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया . इसके पश्चात सुहागिन महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाया . इस दौरान बड़ी संख्या में महिलायें मौजूद रहीं .

दशहरा में सिंदूर खेला का है विशेष महत्व : विजयादशमी पर सिंदूर खेला को महत्वपूर्ण रस्म मान जाता है . शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन दुर्गापूजा और दशहरा के अवसर पर महिलाएं मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करती हैं . जिसे सिंदूर खेला के नाम से जाना जाता है . इस दिन पंडाल में मौजूद सभी सुहागिन महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं . यह खास उत्सव मां की विदाई के रूप में मनाया जाता है .

महिलाएं सुहाग की लंबी उम्र करती है कामना : सिंदूर खेला के दिन पान के पत्तों से मां दुर्गा के गालों को स्पर्श करते हुए उनकी मांग और माथे पर सिंदूर लगाकर महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं . इसके बाद मां को पान और मिठाई का भोग लगाया जाता है . यह उत्सव महिलाएं विसर्जन या दशमी के दिन मनाती हैं . माना जाता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा 10 दिनों के लिए अपने मायके आती हैं . इन्हीं 10 दिनों को दुर्गा उत्सव के रूप में मनाया जाता है . इसके बाद 10 वें दिन माता पार्वती अपने घर भगवान शिव के पास वापस कैलाश पर्वत चली जाती है .

गोमो में दुर्गोत्सव शान्तिपूर्ण सम्पन्न

गोमो । रेल नगरी गोमो में दुर्गोउत्सव हर्षोल्लास के साथ धूमधाम व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ . शनिवार को जीतपुर स्थित मां दुर्गा की प्रतिमा को देर शाम को गाजे-बाजे के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर जमुनिया नदी घाट पर विसर्जन किया गया जबकि रविवार को सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति साऊथ कॉलोनी, पूजा समिति पहाड़ तल्ली दुर्गापाड़ा, महिला समिति एवं खेसमी पूजा समितियां द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन रविवार को किया गया . विसर्जन से पूर्व मां दुर्गा की प्रतिमा को गाजेबाजे के साथ पूरे इलाके में भ्रमण कराया गया . दुर्गा पाड़ा,एवं खेसमी की मां दुर्गा की प्रतिमाएं पंपू तालाव में विसर्जित की गई . श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति साउथ कॉलोनी की स्थापित प्रतिमा को जमुनिया नदी की घाट में विसर्जित किया गया . सिक लाइन गोमो की दुर्गा प्रतिमा एक दिन बाद सोमवार को विसर्जित की जाएगी . विसर्जन से पूर्व सभी पूजा पंडालो में महिलाओं के द्वारा बंगाली रीति रिवाज के तहत सिंदूर खेल खेला . माता रानी को सिंदूर अर्पित कर महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर लगाकर अपने पति की लंबी उम्र की कामना की . इस मौके पर पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी .

ग्रामीण एसपी ने छोड़ी तीर, धू-धू कर जला रावण : गोमो के रेलवे फुटबॉल मैदान में शनिवार देर शाम को बुराई पर अछाई की जीत के प्रतिक रावण-दहन के कार्यक्रम को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी . यहां लगभग 65 फीट ऊंचा रावण का पुतला बनाया गया था, जिसे देखने के लिए दूर दूर गांव से लोग पहुंचे थे .जय श्री राम हर हर महादेव की गूंज के बीच राम भक्त ने ढ़ाक के ताल पर नृत्य कर लोगो के बीच खुशियों बांटी . रोमांचक माहौल में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरक्षी अधीक्षक (ग्रामीण) कपिल चौधरी के हाथों रावण दहन के लिए तीर छोड़ी गई और फिर रावण धू-धू कर जल उठा . इस मौके पर भीड़ को नियंत्रण करने में स्थानीय हरिहरपुर थाना पुलिस की सराहनीय भूमिका रही .

निरसा अनुमंडल : सिंदूर खेला के साथ धूमधाम से मां दुर्गा को विदाई

निरसा/ निरसा बाजार : 12 अक्टूबर को दुर्गा पूजा के दशमी के अवसर पर निरसा अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न पूजा मंडपों में मां दुर्गा को सिंदूर खेला की परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ भावभीनी विदाई दी गई . बंगाली समुदाय की महिलाओं ने इस अवसर पर श्सिंदूर खेलाश में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया . सिंदूर खेला में सुहागिन महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर उनके सुहाग की लंबी आयु और समृद्धि की कामना करती हैं . निरसा काली मंदिर व गांधी बाजार दुर्गा मंदिर में दशमी पूजा के बाद, महिलाओं में सिंदूर खेला को लेकर विशेष उत्साह देखा गया . सभी सुहागिन महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दीं और एक-दूसरे की मंगलकामना की . इसके बाद घट विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बांग्ला डीजे की धुन पर थिरकते हुए गाजे-बाजे के साथ शामिल हुए . शोभायात्रा जामताड़ा रोड होते हुए पीठाकियारी स्थित तालाब तक पहुंची, जहां पुरोहितों द्वारा पूरे विधि-विधान से घट विसर्जन किया गया . निरसा क्षेत्र के प्रमुख पूजा मंडपों, जैसे खुदिया सेंट्रल पुल, लखीमाता व चापापुर कोलियरी, पोद्दारडीह, कंचनडीह दुर्गा मंडपों में भी महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं और मां दुर्गा की विदाई के साथ इस पर्व का समापन किया . निरसा बंगला स्कूल स्थित दुर्गा से निकली गयी शोभा यात्रा में बबलू दास, जितेन दास, विजय सिंह, मुरली साव, अशोक साव, फोटिक दास, कृष्णा गोपाल बनर्जी, सरबनी बनर्जी, प्रिया बनर्जी, लिपि मंडल, सरबनी दत्त आदि उपस्थित थे .

धर्म की जय अधर्म का नाश

धनबाद क्लब में धू-धू कर जलता रावण

तेलमोचो राजबाड़ी में सिन्दूर खेला के साथ पूजा संपन्न

महुदा : महुदा क्षेत्र के तेलमोचो रामनगरगढ़ राजबाड़ी, तेलमोचो बजार, महुदा रेलवे कॉलानी, कचर्रा बस्ती, कुमारडीह बस्ती, भाटडीह कोलियरी कार्यालय, मुरूलिडीह, लोहापट्टी कोलियरी कार्यालय, लालाबाड़ी जमडीहा, माथाटाँड़, में स्थित दुर्गा पूजा पंडालों में चल रहा दुर्गोत्सव रविवार को विजया दशमी पूजन के साथ ही हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हो गया . कुछ जगहों पर मां को विदाई देने के पूर्व महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर सुहागन एवं स्वस्थ रहने की कामना की तो कुछ जगंहो पर आज भी प्रतिमा विसर्जन से पूर्व सिंदूर खेला के बाद मां को विदाई दी गई . रविवार संध्या पुलिस के जवानों की मौजूदगी में इलाके की प्रतिमाओं का विसर्जन कर दिया गया . इसके पूर्व शनिवार को महानवमी पुजन के पश्चात कुछ पंडालों में पारम्परिक तरीके से बलि दी गयी, तो कुछ पंडालो में माता की वैष्णवी पूजा की गयी . इस वर्ष महुदा क्षेत्र में पूजा के दौरान मेला में काफी भीड़ रही . सैकड़ों की संख्या में लोग माता के दर्शन के लिए पंडालों में पहुंचे तथा माता की अराधना किये . इस शुभ अवसर पर पूर्व पैक्स अध्यक्ष जगदम्बा सिंह, पूर्व पंसस अनुरागिनी सिंह, पूर्व मुखिया पुनम देवी, जिप सदस्य आशा देवी, मीरा देवी, लतीका देवी, शोभा दुबे, दिप्ती कुमारी, सहित अन्य महिलाएं सिन्दूर खेला में शामिल रहीं .

बड़ाजमुआ : रावण दहन में हजारों की भीड़

संवाददाता । बरवाअड्डा

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया . क्षेत्र के बड़ा जमुआ, लोहार बरवा मंडल पाड़ा, पंडुकी, भेलाटांड़, विज्ञान विहार कालोनी, सत्यम नगर कालोनी, बजरंग विहार कालोनी, बड़ापीछड़ी, जयनगर, नगरकियारी, बिराजपुर, कल्याणपुर, बारमसिया, यादवपुर, चुटियारो, मुर्राडीह, खरनी आदि स्थान में दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया . दुर्गा पूजा पंडालों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई थी . पूजा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था . विजयादशमी के अवसर पर बड़ा जमुआ में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा . हज़ारों की संख्या में लोग रावण दहन कार्यक्रम देखने पहुंचे . झारखंड पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सह बड़ा जमुआ कमेटी के संरक्षक अशोक कुमार सिंह ने रावण दहन किया . वहीं एकादशी के अवसर पर बिराजपुर, बड़ापीछड़ी, बारमसिया, जयनगर में मेला का आयोजन किया गया . मेला को सफल बनाने में पूजा समितियों एवं जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा .

ब्रीफ खबरें

नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ललमटिया। ललमटिया थाना क्षेत्र के लीलातरी वन पंचायत के हरकट्टा गांव में 15 वर्षीय नाबालिग युवक सावना टुडू ने घर के छप्पर में रस्सी से गले में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया. घटना बीते शुक्रवार रात्रि की है. सावना टुडू हरकट्टा डुमरीया गांव का रहने वाला है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतक के परिजन शुक्रवार को अपने रिश्तेदार के घर किसी काम से गए हुए थे. घटना के दिन घर पर कोई नहीं था. इस बीच सावना टुडू ने अपने घर में रस्सी से गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया. घटना की सूचना ललमटिया थाना को मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा भेज दिया. घटना से घरवाले भी स्तब्ध हैं. घटना का कोई स्पष्ट कारण का पता नहीं चल पाया है. घटना के संबंध में ललमटिया थाना प्रभारी मुकेश कुमार राऊत ने बताया कि अभी यूडी केस दर्ज किया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी.

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

बोकारो। सिटी थाना क्षेत्र के एनएच 32 के उकरीद मोड़ में साइकिल सवार 56 वर्षीय रजनीकांत यादव टेलर की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृतक के बेटे अंकित कुमार ने बताया कि पापा गाय दुहने का काम करते थे. रोज की तरह शनिवार को दूध लेकर सुधा डेयरी गए हुए थे. अचानक हमें सूचना मिली कि पापा का एक्सीडेंट हो गया है. घटना की सूचना मिलने पर सिटी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेलर सहित चालक को गिरफ्तार कर लिया है. स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच जाम कर दिया. ज्ञात हो कि मृतक बारी कोऑपरेटिव खटाल में रहकर अपने पांच बच्चों के साथ जीवन यापन करते थे.

बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड की खरसान पंचायत में बैंक ऑफ इंडिया ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन पूर्व मुखिया मकसूद आलम ने किया. उन्होंने ने कहा कि ग्राहक सेवा केंद्र खुलने से ग्रामीणों को काफ़ी फायदा होगा. उन्हें सरकार की कल्याणकारी जनधन योजना, प्रधानमंत्री बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि का लाभ लेने में सहूलियम होगी. मौक़े पर संजय दास, मो. अजीम, मो. इजराइल, मो. मंसूर, मंजूर आलम, मो. मुर्तजा समेत कई लोग उपस्थित थे.

बोलेरो पलटने से तीन लोग जख्मी

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी थाना इलाके के तिसरी-कोदईबांक मुख्य रोड में बीती रात एक बोलेरो पलटने से तीन लोग घायल हो गए. जानकारी के अनुसार बोलेरो में सवार लोग खटपोंक से तिसरी में दुर्गा पूजा मेला देखने जा रहे थे, तभी रानाडीह और कलवा नदी के बीच मोड़ के पास बोलेरो का बैलेंस बिगड़ गया और वाहन पैदल चल रहे एक राहगीर को टक्कर मारते हुए पांच फीट गड्ढे में जा गिरा. इस दुघर्टना में बोलेरो में सवार एक बच्ची परिता कुमारी, एक महिला रेखा देवी को हल्की चोट आई है. वहीं पैदल चल रहे लालो राय को गम्भीर चोट लगी है. तिसरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर आगे की कारवाई में जुट गईं है.

सड़क दुर्घटना में भाकपा माले के प्रखंड सचिव घायल

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के चिह्नुटिया गांव में शुक्रवार की शाम दो बाइक की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सतगावां निवासी राजू कुमार गावां मेला देखकर वापस सतगावां की ओर जा रहा था. वहीं, भाकपा माले के गावां प्रखंड सचिव नागेश्वर यादव बाइक से मंझने से गावां की ओर आ रहे थे. चिह्नुटिया गांव में दोनों की बाइक आपस में टकरा गई, जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को गावां सीएचसी पहुंचाया. माले नेता नागेश्वर यादव का दायां हाथ व पैर फ्रैक्चर कर गया है. उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया. परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर ले गए, जहां अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. वहीं, सतगावां निवासी राजू कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया.

सिंदूर खेला के बाद नम आंखों से दी मां दुर्गा को विदाई

संवाददाता। बोकारो

चास, बोकारो, कसमार, बेरमो, गोमिया सहित जिले के की दर्जनों से अधिक दुर्गा पूजा कमेटियों की ओर से नवरात्र की षष्ठी तिथि पर अपने-अपने पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा करके महोत्सव का शुभारंभ किया गया था. जिसका समापन रविवार को सिंदूर खेला जैसे महत्वपूर्ण उत्सव के साथ हुआ. पूजा पंडालों में बंगाली समुदाय की महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर धूमधाम से उत्सव मनाया और समापन पर नम आंखों से मां को विदाई गई. महोत्सव के अंतिम दिन बोकारो, बियाडा कॉलोनी, बंग भारती, सेक्टर तीन, बियाडा अफसर कॉलोनी, लोहंचल पूजा समिति सहित चास, बेरमो, कसमार के कई कमेटियों के पंडालों के परिसर में सिंदूर खेला उत्सव आयोजित हुआ. मां दुर्गा की प्रतिमा को सिंदूर चढ़ाया गया. उन्हें दही, चीनी, मिष्ठान व चूड़ा अर्पित किया गया. कहीं ढाक बजाकर महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया तो कहीं महिलाओं ने उत्सव के समापन पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की. इस दौरान सभी पंडालों में प्रसाद का वितरण किया गया. पंडालों में जैसे-जैसे उत्सव मनाया जाता रहा, वैसे-वैसे मां की प्रतिमा को विधि विधान से पंडाल से निकाल कर नम आंखों से विदाई भी दी गई.

महिलाओं ने दुर्गा मां को सिंदूर लगाकर मांगी सुहाग की लंबी उम्र

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ प्रखण्ड क्षेत्र में शांति पूर्ण और धूमधाम से दुर्गा पूजा सम्पन्न हुआ. शनिवार को मिर्जागंज, बाटी, चुंगलो एवं रविवार को जमुआ, खरगडीहा, चितरडीह, माधोपुर, ब्लैडीह में प्रतिमा विसर्जन किया गया. शनिवार को मिर्जागंज में प्रतिमा विसर्जन के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से सिंदूर खेला का आयोजन किया. इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे के गाल और माथे पर सिंदूर लगाकर मां दुर्गा को विदाई दी. यह परंपरा पति की लंबी उम्र के लिए की जाती है. विजयदशमी के अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा पूजा मिर्जागंज बदडीहा और टफकॉन परिवार के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने मां दुर्गा की विदाई से पहले उन्हें सिंदूर अर्पित किया. इसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मंगल गीत गाए और मां दुर्गा से सदा सुहागन रहने का आशीर्वाद मांगा.

बताया जाता है कि इस दिन महिलाएं मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करती हैं और फिर एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं. जमुआ प्रखंड के मिर्जागंज में सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में माँ दुर्गा का प्रतिमा विसर्जन बहुत ही अद्भुत होती है. कहते हैं सदियां बीत गई, यहां सभी कुछ परंपराओं के साथ हीं चलता है. तिथि और दिन चाहे कुछ भी हो, यहां माता की विदाई ठीक दसवें दिन की शाम को होती है. भक्तगण सामूहिक रूप से अपने कंधों पर मां की प्रतिमा को रखकर विदाई यात्रा में शामिल होते हैं. रविवार को जमुआ सहित अन्य जगहों पर मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन किया गया.

विभिन्न पूजा पंडालों और मंदिरों में विधि व्यवस्था को लेकर स्थानीय समिति के सदस्यों के अलावे जमुआ पुलिस मुस्तैद थी.

कसमार के युवक की करंट से उड़ीसा में मौत

ड्राईवर संघ के प्रयास से घर पहुंचा शव, मिला मुआवजा

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत पोंडा पंचायत के धधकिया निवासी भरत करमाली का 20 वर्षीय पुत्र सुधाकर करमाली उर्फ रोहित करमाली की मौत उड़ीसा में काम करने के दौरान बिजली करंट लगने से हो गयी. शनिवार को गांव में मृत युवक का शव पहुंचते ही बाद परिजनों के चीत्कार से पूरा गांव गमगीन हो गया. परिजनों ने बताया कि काम की तलाश में सुधाकर पांच अक्टूबर को उड़ीसा गया था. उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले के गोपालपुर में एसजीआर माइनिंग लोजिस्टिक्स कंपनी में हाईवा चालक के रुप में वह काम कर रहा था. 10 अक्टूबर को दोपहर में हाईवा में गंदगी होने के कारण इंजन खोलकर चालक सुधाकर वाशिंग कर रहा था. इसी बीच अचानक हाईवा में करंट आ गई और इसकी चपेट में चालक रोहित आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई.

घटना के बाद कंपनी द्वारा मामला को रफा-दफा करने का प्रयास किया गया. मामले की सूचना मिलते ही ऑल राइट्स ड्राईवर मजदूर महासंघ एसोसिएशन चालक संघ ने मौत को लेकर हंगामा करते हुए मुआवजा की मांग की. जिसके बाद कंपनी व चालक एसोसिएशन संघ के बीच समझौता होने के बाद चालक के शव को कसमार लाया गया. इस दौरान महासंघ के पदाधिकारियों ने एंबुलेंस से रोहित के शव को परिजनों के घर तक पहुंचाया. इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कंपनी द्वारा मिली मुआवजा राशि चार लाख साठ हजार की राशि मृतक रोहित करमाली के माता-पिता को सौंपा गया. मौके पर स्थानीय मुखिया हारु रजवार, पंसस रवि कुमार, ऑल राइट्स ड्राईवर मजदूर महासंघ के इरफान खान, गुलशन पूर्ति, कृष्णा नायक, मोहित केशरी, समर कुंभकार, आरिफ अंसारी, तोकीर अंसारी, रोहन कुमार, अब्दुल वाहिद, मुरसीद अंसारी, उमा शंकर महतो, राम किशुन रजवार, हरेंद्र कुमार, सुखदेव रजवार, विमल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

दो बाइक की आमने सामने टक्कर में दो की मौत

गोड्डा। दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई. घटना जिला के सुंदरपहाड़ी थाना अंतर्गत ग्राम बांसजोरी की है. बीते शनिवार की देर संध्या सुकेश महतो और नीतीश कुमार दोनों अपनी अपनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे. इसी क्रम में बांसजोरी गांव के समीप मोड़ के समीप दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक युवक सुकेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि दूसरे युवक नीतीश कुमार को घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया. बाद में इलाज के क्रम में इलाजरत दूसरे युवक की भी मौत हो गई. दोनों मृतक युवक पथरगामा थाना अंतर्गत ग्राम केरवार के निवासी बताए जाते हैं. पुलिस ने घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद घरवालों को सौंप दिया. घटना के बाद दोनों परिवार में मातम पसर गया. परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

साहिबगंज। उधवा प्रखंड में राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत उधवा-बरहरवा एनएच 80 मुख्य पथ स्थित लखीजोल के पास बीते शनिवार की रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मरांग बेटा सोरेन (28) वर्ष नामक युवक की मौत हो गई. चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया. जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सिमलजोड़ी गांव के मरांग बेटा सोरेन (28) वर्ष बीते शनिवार को अपने घर से दुर्गा पूजा का मेला देखने के लिए मोहनपुर गया था. वह देर रात पैदल अपने घर आ रहा था. इसी बीच लखीजोल के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आने से उनकी मौत हो गई. काफी देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तब स्वजनों ने आसपास खोजबीन करना शुरू किया. रविवार की अहले सुबह लोगों ने देखा कि सड़क पर मृत शव पड़ा हुआ है. लोगों ने शव की पहचान कर इसकी सूचना स्वजनों को दी. सूचना पाकर स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे. उधर, घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया. इस मामले में मृतक के चाचा बजुन सोरेन के बयान पर अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है. फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है.

नम आंखों से भक्तों ने दी मां दुर्गा को विदाई

साहिबगंज। उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाल कर मां दुर्गा को विदाई दी. जानकारी के अनुसार राधानगर, आतापुर, मसना पंचायत के बनियाडीह, मनसाचंडी, मोहनपुर पंचायत भवन में स्थापित मां दुर्गा को विदाई को लेकर शोभायात्रा निकाली गई. जो विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए नदी व तालाब पहुंचे. श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर मां दुर्गा को विदाई दी. बता दें कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है. श्रद्धालुओं ने नवरात्रि व्रत कर नौ दिनों तक पूजा अर्चना किया. रविवार को गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाल कर मां दुर्गा को विदाई दी गई. मौके पर बीआरपी सह दण्डाधिकारी मझारूल हक, राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे.

जंगल में पेड़ से लटकता मिला बुजुर्ग का शव

कसमार (बोकारो)। कसमार थाना के पोंडा पंचायत के धधकिया जंगल में रविवार की सुबह एक बुजुर्ग का शव पेड़ से लटकता मिला. मृतक की पहचान मोचरो निवासी 64 वर्षीय बलदेव रजवार के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह जब गांव के कुछ चरवाहे अपने पशुओं को लेकर जंगल गए थे. अचानक उनकी नजर एक पेड़ पर लटकते शव पर गई. चरवाहों ने इसकी जानकारी गांव वालों को दी. इसके बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. सूचना पाकर कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो, स्थानीय मुखिया हारू रजवार व पंसस रवि कुमार भी मौके पर पहुंचे. पुलिस बल ने शव को पेड़ से उतारा. बलदेव रजवार के बेटे ने बताया कि मामूली बात पर अनबन होने के बाद उसके पिता घर से चार दिनों से गायब थे. उनकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कहीं पता नहीं चला. अचानक रविवार को जंगल में उनका शव पेड़ पर लटके होने की जानकारी मिली. कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने बताया कि घटना प्रथम दृष्टया संदेहास्पद लग रही है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

19 अक्टूबर को होगी ऐतिहासिक हड़ताल : हरिओम

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने बोकारो इस्पात संयंत्र में 19 अक्टूबर 2024 को आयोजित होने वाले हड़ताल को लेकर अपना पक्ष रखा. पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि 19 अक्टूबर को बीएसएल में ऐतिहासिक हड़ताल होगी. ओम ने बताया कि प्रबंधन पहली बार कर्मचारियों के विशुद्ध हड़ताल को लेकर डरी हुई है. उसी के कारण कर्मचारियों में भय का वातावरण बनाने की मंशा से मशाल जुलूस में शामिल होने पर कुछ कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया. जबकि यूनियन तथा कर्मचारियों ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया. पूर्व में एटक नेता अनिरुद्ध, ए के अहमद आदि के मामले में 2007 में दर्ज केस के मामले में प्रबंधन बोकारो कोर्ट में केस भी हार चुकी है. वहीं राजेंद्र सिंह, बिरेंद्र चौबे, रामाश्रय सिह, बीडी प्रसाद बीएसएल के कर्मचारी नहीं हैं फिर भी पिछले दिनों प्लांट के भीतर गोल चक्कर पर जाकर किस हैसियत से प्रदर्शन किए थे तथा संयंत्र के कर्मचारियों तथा अधिकारियों से गाली गलौज भी किए थे. बदले की भावना के तहत की गई कारवाई में कई बीएसएल अधिकारी रिटायरमेंट के बाद भी कोर्ट का चक्कर लगायेंगे.

डीजे बजाने के विवाद को लेकर मारपीट, दो घायल

गांडेय (गिरिडीह)। गांडेय थाना क्षेत्र के केराडीह गांव के निवासी राजु तुरी बीते शुक्रवार को रात्रि में अपने घर पर दुर्गा पूजा के अवसर पर डीजे बजा रहा था. इसी क्रम में उक्त गांव के काशी राय, कुंदन राय एवं अन्य ने डीजे बंद करने को कहा . डीजे नहीं बंद करने पर उक्त लोगों ने गाली गलौज कर मारपीट किया, जिससे राजु तुरी और संतोष तुरी गंभीर रूप से घायल हो गया. परिजनों ने दोनों को आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांडेय लाया. जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया . घायल पक्ष थाने में आवेदन देकर जाति सूचक के साथ मारपीट करने पर उक्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की. आरोपी पक्ष ने अभी तक कोई आवेदन थाना में नहीं दिया है. गांडेय थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह ने कहा कि घायल पक्ष ने आवेदन दिया था, जिसके आधार पर केस दर्ज किया है.

एसबीआई के मेन ब्रांच की तीसरी मंजिल पर लगी आग

संवाददाता। साहिबगंज

साहिबगंज शहर के चौक बाजार स्थित एसबीआई मेन ब्रांच में शनिवार की शाम आचानक आग लग गई. शाम करीब 5:45 बजे बैंक की तीसरी मंजिल पर लगी आग से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई. देखते ही देखते आग की लपटें बाहर आने लगीं. पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया. स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी. करीब 45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की टीम दमकल वाहन के साथ पहुंची और आग बुझाने में जुट गई. साहिबगंज नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की. बैंक निचले तल्ले पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बारी-बारी से हथियार व अन्य सामान को वहां से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया.करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया. आग से महत्वपूर्ण कागजात व अन्य सामान जल गए हैं. कितने का नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है.

बताया गया कि जिस कमरे में आग लगी, उसमें लोन डिपार्टमेंट से जुड़े कागजात रखे हुए थे. उसी में फील्ड ऑफिसर का कार्यालय भी है. मौके पर मौजूद भगवती तंबाखू वाला, विकास गुप्ता, गोपाल चोखानी, शौरभ कुमार आदि ने बताया कि उनलोगों ने पहले अपने स्तर से ही आग बुझाने के प्रयास किया. अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी देर से पहुंची.

आग लगने के सही कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है. अधिकारियों का अनुमान है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी. सदर एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार, नगर पार्षद पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, सदर सीओ वास्कीनाथ टुटू, नगर थाना एसआई प्रमोद कुमार आदि घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली. बैक बंद होने के कारण आग पर काबू पाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. आग बुझाने के दौरान दो लोग बैंक के अंद ही फंस गए थे. उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

नए सिरे से गठित होगी मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी

संवाददाता। बोकारो

बोकारो में मिथिला-मैथिली भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा रविवार को परिषद द्वारा संचालित सेक्टर 4 ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई. बैठक की अध्यक्षता परिषद के पूर्व महासचिव एवं बीएसएल के सेवानिवृत्त वरिष्ठ सतर्कता पदाधिकारी सतीश चंद्र झा ने की. बैठक के दौरान सांगठनिक सशक्तिकरण, संस्थाहित तथा विद्यालय के उत्थान में आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही ध्वनिमत से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए.

श्आमसभा की बैठक में परिषद के वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर द्वारा विद्यालय में हुई वित्तीय अनियमितता के उठाये गए मामले की जांच को लेकर पांच सदस्यीय एक समिति के गठन का प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें अध्यक्ष सतीश चंद्र झा सहित सुदीप कुमार ठाकुर, डीके ईश्वर, दिलीप कुमार झा एवं जयप्रकाश चौधरी शामिल किए गए. इसके साथ ही उक्त सभी निर्णयों के अनुमोदन एवं अन्य विषयों पर विचार-विमर्श को लेकर के परिषद की अगली आमसभा आगामी 20 अक्टूबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया.

इसके अलावा आगामी 16 अक्टूबर को मिथिलांचल का प्रमुख पारम्परिक त्योहार कोजागरा महोत्सव मनाने का निर्णय भी लिया गया, जिसके लिए 10 सदस्यों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई. इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का भार अरुण पाठक को दिया गया.

बैठक को कृष्ण चंद्र झा, सुदीप कुमार ठाकुर, रवीन्द्र झा, गंगेश पाठ, सुनील मोहन ठाकुर, विनय कुमार झा, श्रवण कुमार झा, अनिल मोहन ठाकुर आदि ने भी संबोधित किया. जबकि, इस अवसर पर मुख्य रूप से परिषद के पूर्व महासचिव राजेंद्र कुमार, बटोही कुमर, पीठासीन पदाधिकारी मंडल के डॉ दुर्गानंद मिश्रा, प्रो जयराम झा सहित जेपी चौधरी, मिहिर कुमार झा राजू, दुर्गाचरण चौधरी, सुभद्र चौधरी, हरिश्चंद्र झा, गोविंद कुमार झा, चंद्रकांत मिश्रा, इंद्र कुमार झा, अविनाश झा अवि, मोहन झा, विश्वनाथ झा, रमण कुमार ठाकुर, संजय चौधरी, प्रकाश झा, विमलकांत झा, मनोज कुमार झा, मिंटू झा, संतोष कुमार मिश्र, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित थे.

दुर्गापूजा के मेला में आदिवासी नृत्य रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

संवाददाता। ललमटिया

दस दिनों तक चले पूजा अर्चना के बाद एकादशी को देवी दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करने के साथ ही दुर्गापूजा का त्योहार समाप्त हो गया. दुर्गापूजा के अवसर पर लगने वाले मेला में लोगों की काफी भीड़भाड़ देखी गई. मेला में आए खेल तमाशे का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया. वहीं आदिवासियों के पारंपरिक नांगडे नृत्य का भी विशेष आकर्षण रहा.

विजयादशमी के दिन लोहंडिया पुनर्वास स्थल स्थित यज्ञ मैदान में दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित दुर्गा पूजा मेला में आदिवासी समूह द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य को सराहा गया. पारंपरिक परिधानों में सज धज कर आए नर्तकों के दल ने मंदिर प्रांगण में नगाड़े की थाप पर मां को प्रसन्न करने के लिए किया गया आदिवासी नृत्य वंदना दर्शनीय था. आदिवासी समुदाय से जुड़े लड़कों ने नांगडे नृत्य की नौ टोली द्वारा अलग-अलग स्थानों पर अपना-अपना प्रदर्शन किया. बेहतर प्रदर्शन करने वाले टोली को मेला कमिटी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया. दुर्गापूजा के अवसर पर लोहंडिया व ललमटिया में मां दुर्गा की आराधना श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक किया गया. इस दौरान मंदिर में शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंच कर मां दुर्गा की पूजा कर सुख सौभाग्य की कामना की.

कसमार में भक्तों ने दी मां दुर्गा को विदाई

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शक्ति स्वरूपा देवी दुर्गा की पूजा सौहार्द पूर्ण माहौल में रविवार को संपन्न हो गई. विजयादशमी पर भक्तों ने भारी मन से मां दुर्गा को विदायी दी. महाष्टमी, महानवमी व विजयादशमी पर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया. महानवमी पर कई स्थानों मां दुर्गा की पूजा के बाद बकरे की बलि चढ़ाई गई. कई स्थानों पर वैष्णव पद्धति से मां की पूजा-अर्चना की गई. विजयादशमी के दिन शनिवार की शाम धधकिया, चट्टी, गर्री चौबे टोला, दांतू, सोनपुरा, मंजुरा, मधुकरपुर, चंडीपुर, बगदा, खैराचातर, पिरगुल, कोतोगड़ा, हिसिम, भवानीपुर व अन्य स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का जलाशयों में विसर्जन गाजे-बाजे के साथ किया गया. वहीं रविवार को कसमार बाजार टांड़ व सिंहपुर स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में स्थापित देवी दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया. विसर्जन शोभायात्रा में जमकर आतिशबाजी भी की गई.

कसमार में धू-धूकर जला रावण

कसमार। कसमार प्रखंड के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र खैराचातर में विजयदशमी के दिन रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 50 हजार ग्रामीणों की भीड़ के बीच रावण का विशालकाय पुतला धू-धूकर जला. इससे पूर्व रावण दहन कार्यक्रम का उद्घाटन कसमार के सीओ, थाना प्रभारी व स्थानीय मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया. मुखिया ने कहा कि खैराचातर में रावण दहन की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है. इससे पूर्व खैराचातर दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने प्रस्तुति दी. सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन पूजा कमेटी के अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल, मुखिया विजय कुमार जायसवाल, सचिव सुनील कपरदार ने किया. मौके पर स्वेता जायसवाल, आभा कुमारी, तन्मय दत्त, अर्णव राय, वर्षा कुमारी, अक्षिता कुमारी, तृषा कुमारी, गौरव मनीष, मनीषा आदि ने खूबसूरत नृत्य की प्रस्तुति दी.

रात में इमरजेंसी वार्ड से डॉक्टर नदारद, मरीज हलकान

साहिबगंज। सदर अस्पताल में डॉक्टर की मनमानी ड्यूटी से मरीज और उनके परिजन परेशान हैं. शुक्रवार की देर रात इमरजेंसी ड्यूटी में डॉक्टर सचिन कुमार अनुपस्थित थे, जिससे मरीजों को एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा. नए डीएस डॉक्टर मोहन मुर्मू ने रात्रि विजिट के दौरान हंगामा देखा और तुरंत मरीजों का इलाज किया. डॉक्टर सचिन कुमार की अनुपस्थिति पर सिविल सर्जन ने उनका वेतन काटने का आदेश दिया है और उच्च पदाधिकारियों को पत्र लिखकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. सदर अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति के मामले बढ़ रहे हैं, जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है. सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने कहा कि ऐसे डॉक्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

विधायक ने सड़क निर्माण का किया भूमि पूजन

तोपचांची। रविवार को तोपचांची प्रखंड के ब्राम्हणडीहा चौक से खरियो मोड़ तक बनने वाली सड़क का भूमि पूजन टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के द्वारा किया गया. टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि ब्राम्हणडीहा से खरियो मोड़ तक सड़क निर्माण किया जाना है. जिसे लेकर भूमि पूजन किया गया. उन्होंने कहा कि सड़क काफी दिनों से जर्जर हो गया था. जर्जर सड़क पर चलने वाले राहगीरों को काफी समस्या हो रही थी. उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से राहगीरों को काफी सहूलियत होगी.

प्रेमिका के साथ धराया प्रेमी, पोक्सो का मुकदमा

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में प्रेमिका के साथ मेला घूमने आए प्रेमी विक्की कुमार साव को प्रेमिका के परिजनों ने जमकर पिटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया. बाघमारा निवासी विक्की का प्रेम प्रसंग बरवाअड्डा क्षेत्र के स्थानीय लड़की से विगत कई माह से चल रहा था. प्रेमिका विक्की को मेला घूमने के लिए कल्याणपुर बुलाई थी. आरोप है कि ग्रामीणों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा. सूचना पर लड़की और विक्की के परिजन मौके पर पहुंचे. विवाद बढ़ने पर प्रेमी व प्रेमिका पक्षों के मारपीट हो बीच हो गई. किसी ने इसकी सूचना बरवाअड्डा पुलिस को दे दी. सूचना पर बरवाअड्डा पुलिस पहुंची और प्रेमी व प्रेमिका को थाना ले आयी. इस संबंध में लड़की के परिजनों ने के बयान पर थाने में शिकायत दर्ज करायी है. बयान के आधार पर विक्की के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है.

तीन दिवसीय चैतन्य दुर्गा झांकी का समापन

चिरकुंडा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नेहरू रोड के प्रांगण में तीन दिवसीय चैतन्य दुर्गा झांकी का शनिवार की रात्रि समापन हुआ.मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व विधायक अरूप चटर्जी,एसडीपीओ रजत मणिक बाखला,उद्धोगपति विमल अग्रवाल व राजलक्ष्मी अग्रवाल ने विश्वविद्यालय सेंटर के ही कलाकारों द्वारा जीवंत दुर्गा,गणेश,लक्ष्मी,कार्तिक,सरस्वती व महिषासुर का रूप धर कर सजीव चित्रण प्रस्तुत करने पर भूरी भूरी प्रशंसा की.

झारखंड की जनता सिखाएगी भारतीय जनता पार्टी को सबक : हिदायतुल्ला खान

सीएम की कल्याणकारी योजनाएं आगे भी जारी रहेंगी : मंत्री हफीजुल

- झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा का गोविंदपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन
- मंत्री हफीजुल, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने की शिरकत
- मंच से उठी सिंदरी से अल्पसंख्यक प्रत्याशी देने की मांग

संवाददाता। गोविंदपुर

झारखंड मुक्ति अल्पसंख्यक मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को जंगलपुर मैदान में हुआ. कार्यक्रम में मंत्री हफीजुल हसन, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे. दोनों नेताओं ने झारखंड में सोरेन सरकार की नीतियों को आगे भी जारी रखने और बेहतर से बेहतर तरीके से आमजनों को इन नीतियों का लाभ देने का वादा किया. इस दौरान नेताओं ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया और कहा कि लगातार साजिश रचकर भाजपा सत्ता में आना चाहती है लेकिन झारखंड की जनता ने भाजपा को नकार दिया है. कार्यक्रम में दलगत राजनीति से हटकर मुस्लिम समाज के प्रमुख नेता, समाजसेवी, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य आदि शामिल हुए. इसी बहाने अल्पसंख्यक समाज ने सिंदरी सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी देने पर जोर दिया. समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि चुनाव के समय भाजपा ने केंद्र के कई मंत्रियों और मुख्यमंत्री को झारखंड में लगा दिया है, परंतु जनता सब कुछ समझती है और सरकार गठबंधन की ही बनेगी. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी किए हैं. विभिन्न योजनाओं को जमीन पर उतारा है. इसका लाभ गठबंधन को मिलेगा. उन्होंने गठबंधन के सभी दलों के नेताओं से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव लड़ने और भाजपा को परास्त करने की अपील की. टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि भाजपा हिंदू मुस्लिम, जात पात और बाहरी भीतरी की राजनीति कर रही है जो अब नहीं चलेगी. यहां की जनता हेमंत सोरेन को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की ठान चुकी है. महतो ने कहा कि गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी. राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान ने सभी दलों से एकजुट होकर भाजपा को औकात बताने की अपील की. कहा कि मुख्यमंत्री को तरह-तरह से प्रताड़ित कर भाजपा डराना चाहती थी लेकिन अब जनता भाजपा को उसके किए की सजा देगी. केंद्रीय सदस्य अमितेश सहाय ने कहा कि पार्टी सिंदरी से जिसे भी सिपाही बनाकर भेजेगी, उसे सभी मिलकर विजयी बनाएंगे. केंद्रीय सदस्य अशोक मंडल ने पार्टी की जीत के लिए एड़ी चोटी एक करने की अपील की. जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि झारखंड में फिर हेमंत सोरेन सरकार की वापसी तय है. कार्यक्रम संयोजक जिला सचिव मन्नू आलम ने सभी का स्वागत किया और कहा कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक पार्टी के साथ है. अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुखिया अख्तर अंसारी एवं प्रखंड अध्यक्ष मुखिया मेराज अंसारी ने कहा कि सिंदरी अल्पसंख्यक बहुल विधानसभा क्षेत्र है. क्षेत्र की जनता यहां से अल्पसंख्यक प्रत्याशी मांग रही है. पार्टी को इस पर विचार करना चाहिए. सभा को अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बरकत अली, जिप सदस्य हसीना खातून एवं मीना हेंब्रम, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, संगठन सचिव एजाज अहमद, जिप सदस्य एवं कांग्रेस नेता सोहराब अंसारी, नीलम मिश्रा, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष गयासुद्दीन अंसारी, अताउल्लाह अंसारी, मोकिम अंसारी, मो सलाउद्दीन, फतेह अली अंसारी, फारूक अंसारी, बेलाल अंसारी, पैगाम अली, सिराज काजी, तस्लीम अंसारी, प्राण चंद्र सोरेन, शांतिराम रजवार, मसूद आलम, बेलाल अंसारी, महादेव मंडल, रतिलाल टुडू, अनीस अंसारी, तारीक अंसारी, माथुर अंसारी, शरीफ शाह आदि ने संबोधित किया. इसमें पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया.

पाथरडीह में जला रावण अधर्म पर हुई धर्म की विजय

संवाददाता। धनबाद

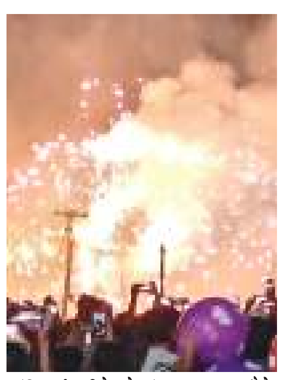

धनबाद में विजयादशमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है. झरिया के पाथरडीह मोहन बाजार मैदान में 40 फीट का रावण दहण किया गया, जो यंग एसोशिएशन द्वारा 40 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है. इस दौरान पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह और भाजपा नेत्री रागिनी सिंह के साथ हजारों श्रद्धालु मौजूद थे. रावण वध से पहले शोभा यात्रा निकाली गई और राम की सेना और रावण की सेना के बीच युद्ध का नाटक हुआ. रावण की हार के बाद उनके पुतले का दहन किया गया. पुतला दहन कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ. मौके पर मौजूद पशुपतिनाथ सिंह व रागिनी सिंह ने कहा कि रावण का पुतला दहन करने का उद्देश्य असत्य, अधर्म और अन्याय को दूर करना और सत्य, धर्म और न्याय की राह पर चलना है.

मेला घूमने गए थे गृहस्वामी घर में हो गई लाखों की चोरी

संवाददाता। कतरास

शुक्रवार की शाम कतरास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी निवासी चंद्रदीप प्रसाद के आवास का ताला तोड़कर अपराधियों ने दस हजार रुपए नगद व लाखों रुपया के आभूषण की चोरी कर ली. घटना के वक्त गृहस्वामी पूरे परिवार के साथ काको मेला घूमने गए हुए थे. मामले को लेकर गृहस्वामी चंद्रदिप प्रसाद ने कतरास पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने अपने लिखित आवेदन में कहा कि वह शुक्रवार की शाम छः बजे आवास में ताला बंद कर पूरे परिवार के साथ काको मेला घूमने गया था. शाम करीब आठ बजे घर पहुंचे तो देखा कि आवास के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है. आवास के अंदर प्रवेश करने पर पता चला कि घर में रखे आलमारी का लॉक टूटा पड़ा है और उसमें रखा पैसा सोना-चांदी के आभूषण सहित अन्य सामान गायब हैं. चोरी हुई समानों में सोना का झुमका एक सेट, नथ दो सेट, अंगूठी तीन पीस, चेन एक पीस,गला का सेट, सहित अन्य समान सहित नगद दस हजार रुपए शामिल है.

तेतुलमारी कोलियरी से लोह सामग्री की चोरी

तेतुलमारी । बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या पांच अंतर्गत तेतुलमारी कोलियरी के पीएसपी चार नंबर बंद भूमिगत खदान में शुक्रवार को चोरों ने लोहे का पाइप व मोटर के पार्टसपूर्जे की चोरी कर ली . इधर पाइप व पार्टस चोरी चल जाने से इलाके में पिट वाटर की आपूर्ति ठप हो गई है, खदान के मुख्य द्वार पर लगाए गए लोहे का गेट को भी क्षतिग्रस्त कर दिया . जब कर्मी मोटर पंप चालू करने के लिए खदान के भीतर गया, तब घटना की जानकारी हुई, उन लोगों ने प्रबंधन को सूचना दिया . समाचार लिखे जाने तक घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई थी .

सांसद व विधायक ने किया पेट्रोल पंप का उदघाटन

संवाददाता। टुंडी

टुंडी गिरिडीह मुख्य पथ रेघा मंझिलाडीह के पास प्रभा आदित्य नामक पेट्रोल पंप का विधिवत उदघाटन धनबाद सांसद ढुलू महतो व टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ज्ञान रंजन सिन्हा ने सम्मिलित रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया.इस अवसर पर सांसद व विधायक ने कहा कि यह पंप आम लोगों की सुविधा के लिए मील का पत्थर साबित होगा. कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता देवीशरण सिन्हा व सेवानिवृत्त शिक्षक धुर्जटी प्रसाद सिन्हा ने दोनों आगंतुकों को शाल ओढ़ाकर व गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया.

आसनसोल

मां दुर्गा की विदाई पर सिंदूर खेला

संवाददाता। कुल्टी

कुल्टी विधानसभा के अंतर्गत सीतारामपुर में आदि श्री श्री दुर्गा पूजा कमिटी टैगोर इन्स्टिच्यूट के पूजा पंडाल में मां दुर्गा के विसर्जन से पहले महिलाओं ने मां को सिंदूर लगाकर बिदाई दी. पश्चिम बंगाल में मां के विदाई के समय सुहागिन महिलाएं सिंदूर खेला खेलती हैं, जो राज्य का एक पारंपरिक पर्व है और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. एक ओर मां की विदाई पर नम आंखों से विदाई दी जाती है, तो दूसरी ओर सिंदूर खेला जमकर खेला जाता है. सुहागिन महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभ विजयादशमी की शुभकामनाएं देती हैं. दर्शक भी एक दूसरे को दशहरा की शुभकामनाएं देते हैं. आदि श्री श्री दुर्गा पूजा कमिटी टैगोर इन्स्टिच्यूट सीतारामपुर के सह-सचिव निर्मल गुप्ता मध्यदेशीय ने बताया कि पिछले तीन दिनों से कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों के उत्साह को देखते हुए प्रश्न प्रतियोगिता, धार्मिक गीतों पर नृत्य, म्यूजिकल चेयर और सनातन धर्म पर आधारित धार्मिक ग्रंथों से प्रश्न प्रतियोगिता शामिल थीं. साथ ही, नवमी और दशमी को सामूहिक प्रसाद वितरण किया गया.

विजयादशमी पर महिलाओं ने खेला सिंदूर

संवाददाता। बराकर

विजयादशमी के दिन देवी मां दुर्गा के विदाई से पहले देवी के मंडप और पंडाल में सिंदूर खेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सभी देवी मंदिरों में सुहागन महिलाएं देवी मां दुर्गा को सिंदूर लगाई. इसके बाद, महिलाएं एक दूसरे के गाल पर और मांग में सिंदूर लगाकर मां के सामने खुशी का इज़हार किया. दुर्गा पूजा की यह एक पारंपरिक रस्म है, जिसका महिलाएं बेसब्री से इंतज़ार करती हैं. इस दिन महिलाएं सिर्फ सिंदूर ही नहीं लगाती, बल्कि सिंदूर खेल के साथ जमकर नृत्य भी करती हैं. इससे पूजा का माहौल पंडाल में चार चांद लग जाते हैं.

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने किया पूजा कमेटी को सम्मानित

संवाददाता। रानीगंज

रानीगंज में सुरक्षा और नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक समारोह में निर्णायक मंडली के सदस्यों ने विभिन्न मापदंडों के आधार पर शिशु बगान सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी को पुरस्कृत किया और कमेटी के सदस्यों को मोमेंटो प्रदान किया. इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के जिला नेता राजा सिंह और गोल्डी सिंह ने कमेटी के सदस्यों को मोमेंटो प्रदान किए. नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिम बंगाल राज्य के महासचिव सरदार दलजीत सिंह वाधवा ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से शहर में बेहतर पूजा कमेटियों के आयोजन के लिए पुरस्कार दिए जा रहे हैं. पांच सदस्यीय निर्णायक मंडली के निर्णय के आधार पर यह पुरस्कार दिया गया.

कल्याणी जेएनएम अस्पताल के 77 डॉक्टरों ने दी सामूहिक इस्तीफे की धमकी

संवाददाता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है. आरजी कर अस्पताल के पीड़ित के लिए न्याय की मांग कर रहे कल्याणी जेएनएम अस्पताल के 75 से अधिक वरिष्ठ डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी है. इन डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टरों का समर्थन करते हुए उनके साथ एकजुटता व्यक्त की है. मेडिकल फैसिलिटी के कुल 77 डॉक्टरों ने 14 अक्टूबर से काम बंद करने के अपने फैसले के बारे में ईमेल के माध्यम से पश्चिम बंगाल हेल्थ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को सूचित कर दिया है.उन्होंने इस कदम के पीछे के कारणों में मानसिक बरबादी और राज्य के मौजूदा हालात में काम करने में असमर्थता का हवाला दिया है. अपने मेल में डॉक्टरों ने कहा कि वे आमरण अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता से खड़े हैं, जिनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है. उन्होंने इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट प्रयास की कमी पर भी चिंता व्यक्त की.

बराकर में विजयादशमी के अवसर पर महावीर अखाड़ा

खास बातें

- अखाड़ा में विभिन्न खेलों का आयोजन
- महावीर अखाड़ा में पगड़ी वितरण व सिंदूर खेला

संवाददाता। बराकर

बराकर विजया दशमी के अवसर पर बराकर में हर्षोल्लास के साथ निकला महावीर अखाड़ा, किया गया पगड़ी का वितरण. पूजा पंडालों में सिंदूर खेला के साथ बराकर के छह महावीर अखाड़ा के साथ हुआ देवी दुर्गा का विसर्जन.बराकर में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ महावीर अखाड़ा का भव्य आयोजन किया गया. जहा बराकर के छह महावीर अखाड़ा में मनबाडिया महावीर अखाड़ा, गायत्री नगर महावीर अखाड़ा, हॉस्पिटल रोड महावीर अखाड़ा, नव युवक संघ ग्वालापट्टी महावीर अखाड़ा,दास पाड़ा महावीर अखाड़ा, फाड़ी रोड महावीर अखाड़ा द्वारा एक से बढ़कर एक खेल का आयोजन किया गया. सभी अखाड़ा द्वारा एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति रखी. वही बराकर दास पाड़ा महावीर अखाड़ा में कोलकाता आरजी कर मेडिकल अस्पताल कॉलेज महिला चिकित्सक की जघन्य हत्या की झलक पर बनाई झाकी मन बिदारक रही.

जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए. वही बराकर हॉस्पिटल रोड महावीर अखाड़ा द्वारा केरला की महिला द्वारा ढकी नृत्य नदिया जिला द्वारा प्रस्तुति देखने लायक रही. वही नव युवक संघ ग्वाला पट्टी द्वारा पुरुलिया के छाऊ नृत्य आकर्षक का केंद्र रहा. वही बराकर के सभी छह अखाड़ों द्वारा स्थानीय विधायक डाक्टर अजय पोद्दार को पगड़ी देकर सम्मानित किया, वही मनबाडिया अखाड़ा कमिटी की ओर से उस्ताद निर्मल बाउरी विधायक अजय पोद्दार, ताराचंद सोनार, आशीष साव,पप्पू सिंग जितेंद्र तिवारी,जोगिंदर सिंग,अमरजीत गुप्ता,पिंटू कुमार को पगड़ी देकर सम्मान किया गया, बराकर दास पाड़ा महावीर अखाड़ा द्वारा पूर्व उस्ताद सहदेव दास,वासुदेव देव दास की फोटो पर माल्या अर्पण पगड़ी दे कर श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान विधायक पोद्दार, पार्षद जोगा मंडल, उस्ताद टिनापोल, सचिव प्रेमदेव दास, दीनानाथ दास, प्रदीप दास, शंकर फाड़ी प्रभारी को सम्मानित किया गया. नव युवक संघ ग्वाला पट्टी की ओर से विधायक पोद्दार, अखाड़ा के अध्यक्ष डा राम बालक शर्मा, डाक्टर मुरली धर यादव, महेंद्र यादव को पगड़ी देकर सम्मान किया गया. महावीर अखाड़ा हॉस्पिटल रोड की ओर विधायक पोद्दार, डाक्टर रामबालक शर्मा, अध्यक्ष सुभाष गोयल, दीनानाथ दास, को पगड़ी देकर सम्मान किया गया. वही बराकर फाड़ी रोड महावीर अखाड़ा की ओर से अध्यक्ष घनश्याम बंसल, बराकर फाड़ी प्रभारी को पगड़ी देकर सम्मान किया गया. वही बराकर गायत्री मंदिर महावीर अखाड़ा की ओर से विधायक पोद्दार सहित स्थानीय गण मान्य लोगो को अखाड़ा कमिटी के राजू यादव ने पगड़ी देकर सम्मान किया.

Her Story

श्रृंगार को सुहाग से जोड़ एक शगुन-अपशगुन का बीज मन में अंकुरित कर दिया जाता रहा है. पर आजकल सचमुच कामकाजी महिलाओं या पढ़ी-लिखी महिलाएं लीक से हट कर चलती दिखाई देनी लगी हैं. ये छोटी सी स्वतंत्रता उन्हें जगह और मौके के अनुसार श्रृंगार करने की सहूलियत देती है. कहीं न कहीं ये उस मिथ/अंधविश्वास को भी तोड़ती हैं कि विभिन्न सुहाग चिन्हों की बदौलत ही उसका पति दीर्घायु और स्वस्थ रहेगा.

बंधन तोड़ो न

रीता गुप्ता

सुगंधा को बार बार उस दिन की याद आ रही थी जब वह अपनी दादी के साथ चूड़ी दुकान गई थी. उसकी दादी ने लाल लाल चूड़ियों से अपनी कलाई भरवाई थी. उन्होंने नन्हीं सुगंधा को भी रंगबिरंगी चूड़ियां खरीद दी थी. आज उनकी सूनी कलाई देख कर उसे अजीब लग रहा था.

"दादी आप ने चूड़ियां क्यूं उतार दिया? आपकी कलाई अच्छी नहीं लग रही", सुगंधा ने दादी से पूछा. दादी कुछ कहने की जगह फफक कर रो पड़ीं."दादा जी नहीं रहें इसलिए दादी ने चूड़ियां पहननी छोड़ दी", बुआ ने समझाया."तो मैं भी अपनी चूड़ी खोल देती हूं", कहते हुए नन्ही सुगंधा अपनी चूड़ियाँ भी खोलने लगी. उस दिन पहली बार उसने 'विधवा' का अर्थ समझा था.

हिन्दू धर्म में सुहाग चिन्हों का बहुत महत्व रहा है. ये चिन्ह एक तरह से अविवाहित, विवाहित और विधवा को वर्गीकृत करते हैं. जहां अविवाहिता मंगल सूत्र, सिंदूर, बिछिया छोड़ अन्य सभी श्रृंगार कर सकती है, जो ऐक्षिक है. एक विवाहिता के लिए पूरे सोलह श्रृंगार का वर्णन है वहीं विधवा के लिए श्रृंगार ही गलत है. पुरुषों के लिए ऐसी कोई बाध्यता नहीं है, वे जीवन के हर पड़ाव पर मन वांक्षित रहने के अधिकार से लैस हैं.

सुगंधा के मन में दादी का बदला स्वरूप हमेशा के लिए बस गया था. नन्ही सुगंधा समाज के अनकहे नियमों को समझने लगी थी. जब उसकी बुआ की शादी हुई तो एक छोटी सी बिंदी लगाने वाली बुआ के माथे पर बड़ी सी लाल बिंदी, मांग में लाल सिंदूर और कलाइयों में लकदक करती लाल-पीली चूड़ियां. उसने ध्यान दिया था कि बुआ पैरों में उसकी मां की तरह बिछुआ भी पहनने लगी थी.

"बुआ आप कितना सजने लगी हैं?", सुगंधा अपनी बुआ से पूछती.

"अरे इसकी शादी हो गई है, फूफा जी की लंबी उम्र की खातिर तो इसे पहनना ही पड़ेगा", उसकी मां ने उसे बताया था. थोड़ी देर बाद सुगंधा अपने नए नवेले फूफा का पूरी तरह से अवलोकन कर लौटी,

"पर फूफा जी ने तो सिंदूर नहीं लगाया है और न ही कुछ और नया पहना है जिससे बुआ की उम्र बढ़े?" सुगंधा के शब्द तीर उत्सुकता की कमान से छूट रहें थे. सब उसकी बातों पर हंस पड़े. नन्ही बच्ची समझने लगी थी कि औरतों के लिए उनके पतियों को किसी चिन्ह को धारण करने की कोई आवश्यकता नहीं हैं. "पर दादी जी भी तो पहले सिंदूर, बिंदी, चूड़ी सब पहनती थी, फिर दादा जी क्यूं सिधार गए?" बच्ची ने एक जायज सा प्रश्न किया था पर अनुत्तरित ही रह गई. इन अनुत्तरित सवालों को वह जल्द ही भूलती गई और परिवार/समाज की अन्य औरतों और पुरुषों को ध्यान से परखने लगी. उसे सामाजिक चलन समझ आने लगी, जहां तर्क शक्ति का कोई स्थान नहीं था.

बढ़ती उम्र के साथ उसके मन मे अब सुहाग चिन्हों के प्रति अनुराग बढ़ते गया. जब वह अपनी दादी जी को देखती तो उनका चेहरा, वेशभूषा सब उसे श्रीहीन लगते, उदास लगते. मन द्रवित हो उठता. वहीं अपनी मां, मौसी, बुआ, नानी इत्यादि का व्यक्तित्व खिला-खिला सा लगता.

युवा होती सुगंधा ने अपने पड़ोसी अंकल के गुजरने के बाद आंटी को भी वैसे ही श्रीहीन, श्रृंगार रहित होते देखा जैसी उसकी दादी रहती थी. अब वे पहले की तरह सुहागिनों वाले त्योहार जैसे तीज इत्यादि भी नहीं मनाती थी. उसका मन किया कि एक बिंदी आंटी के माथे पर सजा दे, पर हिम्मत नहीं हुई क्यूंकि ये समाज के स्थापित नियमों के विपरीत होता.

वक्त पर सुगंधा की शादी हुई और वह पायल छनकाती पति के साथ अमेरिका चली गई. प्लेन में ही एक छोटी सी विदेशी बच्ची, उसके पास आ कर उसकी बिंदी को उत्सुकता से छूती हुई पूछी,

"व्हाट इज दिस?"

अमेरिका में उसने देखा भारतीय महिलाओं को जो केवल खास खास मौकों पर ही श्रृंगार करती थी. पर उसका मन नहीं मानता और वो सभी चिन्ह धारण करती कि कहीं कोई अनहोनी न हो जाए उसके पति संग. समय के साथ बिछिया-पायल इत्यादि का वह परित्याग कर चुकी थी जूते पहनने में वे बाधक बनते. यानि बंधन ढीले हो चुके थे. सुगंधा जब दिल्ली जाती तो अपनी उम्र की नौकरीपेशा सुहागिन महिलाओं को भी बिना बिंदी, चूड़ी के देखती तो उसे गलत लगता. कस्बों में रहने वाली उसकी बुआ, मां आज भी उसी तरह श्रृंगार करती कि सामने वाला दूर से ही समझ जाए कि ये विवाहित हैं. सुगंधा को यही अच्छा भी लगता.

इस तरह हम देखते हैं कि दादी से ले कर पोती तक एक सी मानसिकता रखती हैं और पति की सलामती हेतु गुलामी की जंजीरों को गहने और श्रृंगार समझने लगती हैं उन्हें पता भी नहीं चलता है.

1 बिंदी, 2 सिंदूर, 3 झुमका, 4 मांगटीका, 5 चूड़ी, 6 बिछिया, 7 पायल, 8 मंगल सूत्र, 9 काजल, 10 नथ, 11 हार, 12 कमरबंद, 13 मेहंदी, 14 अंगूठी, 15 बाजूबंद, 16 शादी का जोड़ा. ये 16 श्रृंगार की एक लिस्ट है जिनके बारे में कही जाती है कि हर विवाहित स्त्री को धारण करनी ही चाहिए. हालांकि बड़े शहरों, महानगरों और विदेशों में रहने वाली महिलाओं की सोच में काफी उन्नयन हुआ है. विवाह चिन्ह धारण करने की बाध्यता यहां दम तोड़ती नजर आती है.

बदलाव तो आया है मगर...

बदलाव तो प्रकृति का नियम है. समाज भी सतत विकास के क्रम में मान्यताओं को बदलते रहता है. इन सोलह श्रृंगार की ही बात करें तो हम देख रहें हैं कि इसमें भी काफी अंतर आ चुका है. आज कल ज्यादातर कामकाजी लड़कियों ने इन चिन्हों को अपनाया ही नहीं. ये सारी साजसज्जा विशेष अवसरों की पहचान बन चुकी हैं. सच भी है दफ़्तर में फॉर्मल ड्रेस के साथ ये सज्जा सूट भी नहीं करेगा. बड़े बुजुर्ग भले ताना भी देते हैं कि कौन विवाहित है और कौन कुंवारी इसका पता ही नहीं चलता.

वहीं एक वर्ग ऐसा भी है जो कहती है- "मुझे भी हक है." पति का मर जाना किसी स्त्री के लिए यूं भी बेहद दुखद होता है, तिस पर रिवाजों के नाम पर उसको सारे श्रृंगार तजने पड़ते हैं. ये कैसा तरीका है जो एक औरत से उसका व्यक्तित्व ही बदल देने को बाध्य कर देता है? उसके सजने संवरने की चाह पर पति की राख की कालिख पोत दी जाती है और खुशियों की कैनवास पर सफेदी कर दी जाती है. जब श्रृंगार की सभी सोलहवों चीजों के वैज्ञानिक तौर पर स्वास्थ्य की दृष्टि से सकारात्मक प्रभाव है, तो क्यूं एक विधवा को उन सभी से वंचित करने का अलिखित नियम है?

कितने बंधन टूटे हैं और बहुतों के टूटने के आसार हैं, हमारे समाज का ये लचीलापन सदा समयानुकूल बदलाव की ओर अग्रसर रहा है. यही सही भी है. महिलाओं का एक खुद का व्यक्तित्व होनी ही चाहिए. सजना, संवरना, सुन्दर दिखना हर औरत का नैसर्गिक गुण है. साज-सज्जा-श्रृंगार उनकी इच्छा अनुसार होनी चाहिए ना कि उनकी वैवाहिक, कुंवारी, विधवा या सधवा स्टैटस अनुसार. श्रृंगार कतई एक साइनबोर्ड नहीं होनी चाहिए, कि जब चाहा समाज ने अधिकार दे दिया और जब चाहा छीन लिया.

शिखर चंद जैन

दुनिया में हर किसी के समय का एक दौर या टाइम जोन होता है. कोई आपसे आगे दिख सकता है, तो कोई पीछे. लेकिन हर कोई अपनी दौड़ में अपने समय पर है. न किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत है और न नकल करने या दुखी होने की. सही समय का इंतजार करना ही जिंदगी है.

देर कभी नहीं होती

आज अमृता का 45 वां जन्मदिन था. हर कोई उसे बधाई दे रहा था, लेकिन वह उदास थी. उसकी सहेली सुरभि ने अकेले में उदासी की वजह पूछी तो फूट-फूट कर रो पड़ी. बोली, '48 साल की हो गई हूं और अभी तक मेरा निजी फ्लैट या मकान नहीं, न ही किसी बच्चे की शादी हुई अब तक. मेरे सब भाई-बहनों और सहेलियों के अपने मकान या फ्लैट हैं, बच्चे पढ़ लिख गए उनकी शादी भी हो गई. कितनी देर हो गई. जिंदगी बीती जा रही है और अब तक कुछ भी अचीव नहीं कर पाई.

सुरभि ने अमृता को समझते हुए कहा, "सुन अमी! न्यूयॉर्क कैलिफोर्निया से 3 घंटे आगे है, लेकिन इससे कैलिफोर्निया पीछे नहीं रह गया. 50 वर्षीय स्नेहा को आज सब जानते हैं क्योंकि वह एक मल्टीनेशनल कम्पनी में सीईओ है, लेकिन पांच साल पहले तक उसे कोई नहीं जानता था. जबकि सचिन तेंदुलकर को 16 वर्ष की आयु में पूरी दुनिया जानने लग गई थी. कोई 48 साल की उम्र तक कुंवारा रह जाता है, फिर जीवनसाथी ढूंढ़ पाता है जबकि किसी की शादी 28 वर्ष की उम्र में हो जाती है लेकिन तलाक होने की वजह से वह 45 वर्ष की उम्र में फिर से अकेला हो जाता है. ओबामा 55 की उम्र में रिटायर हो गए जबकि ट्रम्प ने शुरूआत ही 70 वर्ष की उम्र में थी.

"दरअसल दुनिया में हर किसी के समय का एक दौर या टाइम जोन होता है. कोई आपसे आगे दिख सकता है, तो कोई पीछे. लेकिन हर कोई अपनी दौड़ में अपने समय पर है. न किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत है और न नकल करने या दुखी होने की. वे अपने टाइम जोन में हैं और हम अपने जोन में. सही समय का इंतजार करना ही जिंदगी है. रिलैक्स करो. तुम एक दम समय पर हो और विधाता ने तुम्हारे लिए जो टाइम जोन सेट किया है उसी के मुताबिक हो."

शिखा ने बिल्कुल सही कहा. हमें बीतती हुई उम्र के लिए चिंतित होने की बजाय इन बातों पर ध्यान देना चाहिए. ये बातें जानना जरूरी – समय सतत चलायमान है. यह किसी के लिए नहीं रूकता है, लेकिन जैसे-जैसे यह बीतता है नयी सीख भी देता जाता है. समय के इस चक्र में हमारी सीख और हमारे अनुभव भी असहाय नजर जाते हैं. कई बार हमें लगता है कि जिनसे हमारा सामना आज हो रहा है उसे हमें बहुत पहले ही जान लेना चाहिए था. ऐसी ही कुछ बातें हैं जिनको सुनने के बात लगता है कि काश ये सीख जवानी में मिली होती तो आज जीवन और भी सुखमय हो सकता था.

अगला पड़ाव होगा सुखद

जिस तरह हर रात की सुबह होती है ठीक उसी तरह हर पहलू का अंत होता है और एक नए पहलू का जन्म होता है. जरूरी नहीं कि जो दर्द, दुख हमने अपने भूतकाल में सहा तो वही कड़वी बातें हमारा साथ भविष्य तक दें. दुख है तो उसका अंत भी होगा और जीवन का अगला पड़ाव खुशियों से भरा होगा. जिंदगी हर कदम पर आपको ईनाम देती है, इसका कोई भी निर्धारित गंतव्य नहीं है. अगर आपने अपना पूरा ध्यान भविष्य की चिंता पर लगा दिया तो इससे मौजूदा पल आपसे बिछड़ सकते हैं. इसलिए हर पल को जिएं और हर पल का लुत्फ उठाएं.

कोई उम्र ज्यादा नहीं

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी उम्र कितनी है. आप आज भी उतनी ही जवां हैं, जितनी 20–22 साल की थीं, तब थीं. किसी भी उम्र को पार कर जाना जीवन का अंत नहीं है. यह आने वाले दिनों की नई शुरूआत है. अपने लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करें. आप नया टैटू बनवाना चाहती हैं? अकेले दुनिया घूमना चाहती हैं? कोई नया और हटकर शौक अपनाना चाहती हैं? बस, आप जो चाहती हैं, कर डालें. याद रखें, आपको एक ही जिंदगी मिली है, इसलिए वो सब करें, जो आपका दिल करना चाहे. लेकिन दुखी न हों.

कुछ तो लोग कहेंगे

आपने कभी न कभी अपने व्हाट्सऐप पर यह मैसेज जरुर पढ़ा होगा – सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग. आपके बारे में लोग क्या कहते हैं या आपस में क्या बातें करते हैं इसकी परवाह मत कीजिये. उनकी जो भी राय हो उसे भूल जाइए. क्योंकि लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना. वे आपके बारे में नहीं, बल्कि अपने बारे में बोलते हैं. ये उनके खुद के विचार हो सकते हैं, आप जो भी है उसे आपसे बेहतर कौन जान सकता है. इसलिए लोगों की अच्छी बातों को स्वीकार कीजिए और गलत बातों को तौबा कीजिए.

सेहत पर पूरा ध्यान दें

अब तक आपने अपने सास–ससुर, पति, बच्चों आदि के लिए ही सब कुछ किया और कभी अपनी सेहत का पहले ध्यान नहीं रखा. सुबह का बचा शाम को और शाम का बचा सुबह खा लिया. खूब काम किया और वो सब कुछ किया, जिससे आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता था. चलिए कोई बात नहीं. जब जागो तभी सवेरा. अब आपकी अपनी देखभाल का उचित समय आ गया है. अच्छा खाएं, व्यायाम करें, प्रकृति के नजदीक रहें, ध्यान लगाएं, अपने पर खूब ध्यान दें. जितनी अच्छी आदतें आप इस समय विकसित करेंगी, उतनी ही स्वस्थ आप 70 के दशक में रहेंगी.

अपने सपनों को पूरा करें

कई बार लोग चालीस पार जाते ही सोचते हैं कि बदलाव के लिए अब बहुत देर हो चुकी है. आप भी ऐसी ही हैं तो अपने को बदलिए. महिलाएं कई बार युवावस्था में जो शौक जिम्मेदारियों के बोझ के कारण पूरे न कर पाईं उनका मौका मिलने और इच्छा होने के बावजूद लोकलाज या लोगों की टिप्पणी से डरकर पूरा नही करतीं. दूसरे क्या कहेंगे, यह सोचना छोड़िए और जीवन में जो भी अवसर मिले, उसे लपक कर पकड़ने की कोशिश करें. केवल यह सोचकर कि अब तो आप 40 साल पार हो चुकी हैं, नया क्या करना, हाथ में आया अवसर गंवाएं नहीं. एक ही बात सोचिये, अभी देर नहीं हुई है.

क्या आपकी त्वचा फास्टिंग पर है?

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

स्किन केयर से जुड़े अलग-अलग ट्रेंड समय-समय पर सामने आते रहते हैं. ऐसा ही एक ट्रेंड है स्किन फास्टिंग जो पिछले कुछ समय से स्किन केयर की शब्दावली में उभर रहा है. इन दिनों जो मौसम है, उसके लिए स्किन फास्टिंग को बेहद मुफीद बताया जाता है.

- **क्या है स्किन फास्टिंग**

स्किन फास्टिंग का अर्थ है अपनी त्वचा को एक नियत अवधि तक स्किन केयर प्रोडक्ट्स व कॉस्मेटिक्स से राहत दिलाना. इन दिनों स्किन केयर के लिए ढेर सारे प्रोडक्ट इस्तेमाल किए जा रहे. स्किन फास्टिंग के दौरान न्यूनतम प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल किया जाता है. इस दौरान क्लेंजर, स्क्रब, सीरम और टोनर वगैरह का इस्तेमाल ना करके सिर्फ फेस वॉश, मॉइश्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जाता है. यानी बेसिक प्रोडक्ट मात्र का इस्तेमाल कर हम अपनी त्वचा को खुल कर सांस लेने का मौका देते हैं.

- **ये हैं फायदे**

अलग-अलग प्रोडक्ट्स के रोज लगाते रहने से हमारी त्वचा के रोम छिद्र बंद हो सकते हैं. स्किन फास्टिंग से इससे बचाव होता है. इससे त्वचा फ्रेश हो जाती है. स्किन फास्टिंग करने पर त्वचा खुद को बैलेंस कर लेती है और रिसेट हो जाती है. स्किन का नेचुरल प्रोटेक्टिव बेरियर मजबूत होता है और उसकी सेंसिटिविटी कम होने लगती है.

- **कितने समय की फास्टिंग**

यह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है कि आप कुछदिनों की फास्टिंग करें या फिर कुछ हफ्तों की.

यह पर सकता प्रभाव

- स्किन केयर रूटीन से सीरम या टोनर जैसे प्रोडक्ट्स हटाने से हो सकता है कि आपकी स्किन ड्राई और डिहाइड्रेटेड महसूस करने लगे.
- एक्ने, पिग्मेंटेशन और झुर्रियों से परेशान हैं तो कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल ना करना काफी परेशानी भरा हो सकता है.
- लेकिन स्किन फास्टिंग से त्वचा मूलभूत पोषक तत्वों से वंचित न हो, इसलिए विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें.
- स्किन फास्टिंग के बावजूद रोज त्वचा की सफाई करें. मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल प्रतिदिन करें. साथ ही घर से बाहर निकलने से पहले सन स्क्रीन लगाना नहीं भूलें.

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

किचन में जाने से पहले उलझन रहती है कि क्या बनाया जाए? गैस चूल्हे के सामने घंटों खड़े होकर खाना बनाना भला किसे अच्छा लगता है. ऐसे में वन मील फूड एक बेहतर विकल्प है. ऐसी ही एक रेसिपी हम आपके लिये लेकर आए हैं.

छेना मालपुआ रेसिपी

ये चाहिए

छेना 250 ग्राम, गेहूं का आटा आधा कप, मैदा एक कप, चीनी डेढ़ कप, इलायची पाउडर वन टीस्पून, केसर के कुछ धागे, दूध जरूरत के अनुसार लगभग एक से डेढ़ कप, रिफाइंड ऑयल मालपुआ तलने के लिए जरूरत के अनुसार.

ऐसे बनाएं : सबसे पहले छेना को मिक्सी के जार में पल्स मोड में चला कर बिल्कुल महीन पीस ले. अब इसमें लगभग आधा कप दूध डालकर पुनः पीसें. जब यह अच्छी तरीके से एक लिक्विड फॉर्म में आ जाए तब इसे मिक्सी से निकलकर बड़े बर्तन में शिफ्ट करें. अब इसमें गेहूं का आटा डालकर इसे मिक्स करें जब तक आटा मिक्स न हो जाए. अब इसमें दो चम्मच कॉर्नफ्लोर डाल दें और उसे भी मिक्स कर दें. तट पश्चात इसमें दूध डालें और मैदा डालकर उसे अच्छी तरीके से मिक्स करें. दूध की जितनी जरूरत हो उतना ही डाला जाए. यह बैटर बहुत ज्यादा गाढ़ा और न बहुत ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए. पुआ के अनुसार ही इस बैटर को तैयार करना है. अब इसके बाद इसे ढक कर 10 मिनट के लिए रेस्ट के लिए छोड़ दें.

दूसरी तरफ एक पैन में एक कप पानी चढ़ाएं. इसमें डेढ़ कप चीनी डालकर उसे घुलने तक पकाएं. इसमें केसर के धागे और इलायची पाउडर भी डाल दें. अगर संभव हो तो उसमें केवड़ा जल भी डाल दें. इसे एक तार की चाशनी नहीं बनानी है सिर्फ चीनी को पका लेना है. उसमें थोड़ी सी चिपचिपाहट आ जानी चाहिए.

अब हमें एक पैन चढ़ाना है. इसमें पुआ डालने के लिए रिफाइंड तेल डालना है. जब रिफाइंड तेल मीडियम गर्म हो जाए तब उसमें एक करछी के माध्यम से घोल को डालकर मीडियम आंच पर पका लेना है. फ्लैट पैन लेना ज्यादा बेटर होता है जिसमें एक साथ तीन-चार पुए छाने जा सके. जब यह पुए क्रिस्प हो जाए तब इसे निकाल कर चीनी की चाशनी में डाल दें. अब नेक्स्ट बैच का पुआ छाने. जब यह पुआ छान जाए, तब इसे चीनी की चाशनी में डाल दें. पुराने वाले पुआ को चाशनी में से निकाल दें. ध्यान रहे पुआ चाशनी में तीन-चार मिनट से ज्यादा नहीं रखना है. जब पूरे पुए निकल जाएं तब उसे पर पिस्ता बादाम से सजावट कर दें. बहुत ही टेस्टी छेने के पुए खाने के लिए तैयार हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दो नोबेल एशिया को

यह पहला ही अवसर है कि इस साल के दो नोबेल पुरस्कार एशिया को मिले हैं. साहत्यि का दक्षिण कोरिया को और शांति का नोबेल पुरस्कार जापान के संगठन नीहो हिंदाक्यो को मिला. साहत्यि के क्षेत्र 2024 के नोबेल पुरस्कार दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को दिया गया. उन्हें उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान से नवाजा गया. यह गद्य ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है. रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार तीन लोगों को दिया गया. इस अवॉर्ड का आधा हिस्सा डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए दिया गया. इसके अलावा इसे संयुक्त रूप से डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को दिया गया. भौतिकी क्षेत्र के लिए अवॉर्ड जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन को दिया गया है. इन्हें कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम करने वाली मूलभूत खोजों और आविष्कारों के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया गया. अमेरिका के विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया. दोनों को माइक्रो आरएनए की खोज के लिए यह सम्मान दिया गया. साल 2024 के लिए जापान के संगठन निहो हिंदाक्यो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया है. निहो हिंदाक्यो को ये नोबेल पुस्कार परमाणु हथियारों के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए दिया गया है. संगठन क मानना है कि दुनिया में परमाणु हथियारों का फिर कभी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए. इस संगठन को वे लोग चलाते हैं हैं जो दूसरे विश्व युद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमले में जीवित बचे थे. इन्हें जपानी भाषा में हिबाकुशा कहा जाता है. हिबाकुशा दुनिया भर में अपनी पीड़ा और भयावह यादों को निहोन हिदांक्यो संगठन के जरिए साझा करते हैं. निहोन हिदांक्यो को इस साल का शांति पुरस्कार देते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने कहा कि एक दिन परमाणु हमले को झेलने वाले ये लोग हमारे पास नहीं रहेंगे, लेकिन जापान की नई पीढ़ी उनकी याद और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करती रहेगी. नई पीढ़ी को ये याद दिलाती रहेगी कि परमाणु हथियार दुनिया के लिए खतरनाक हैं. इनका इस्तेमाल फिर नहीं होना चाहिए चाहिए. इस समय विश्व में युद्ध भयावह रूप धारण कर रहा है. ऐसे में इस पुरस्कार का महत्व बढ जाता है. खास कर ईरा इजराइल टकराव को देखते हुए जिसमें परमाणु बम की चर्चा सरेआम हो रही है. नॉर्वेजियन नोबेल समिति को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कुल 286 उम्मीदवारों के आवेदन मिले थे, जिसमें से 89 संगठन हैं. नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने 2023 में ईरान की महिला पत्रकार और एक्टिविस्ट नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्हें यह पुरस्कार महिलाओं की आजादी और उनके हक के लिए लड़ने पर मिला था. नोबेल कमेटी ने शांति पुरस्कार की घोषणा ईरान की महिलाओं के नारे जन-जिंदगी-आजादी के साथ की थी.

> साल 2024 के लिए जापान के संगठन निहो हिंदाक्यो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया है. निहो हिंदाक्यो को ये नोबेल पुस्कार परमाणु हथियारों के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए दिया गया है.

सुभाषित

आशा नाम मनुष्याणां काचिदाश्चर्यश्रृंखला।
यया बद्धाः प्राधावन्ति मुक्तास्तिष्ठन्ति पंगुवत्॥

आशा नामक एक विचित्र और आश्चर्यकारक श्रृंखला है. इससे जो बंधे हुए है, वे इधर-उधर भागते रहते हैं तथा इससे जो मुक्त है, वह पंगु की तरह शांत चित्त से एक ही सूक्ति जगह पर खड़े रहते हैं.

कल्पना: भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

कल्पना सोरेन के रूप में परिस्थिति वश झामुमो में एक नए नेता का उदय आनेवाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए बहुत भारी पड़ने जा रहा है. कल्पना ने इंडिया गठबंधन सरकार को बचाने के लिए जो प्रयास शुरू किए हैं, वह अवश्य ही फलदाई साबित होंगे. कल्पना की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा की भारी सफलता ने दिखा दिया है कि झारखंड में आनेवाला विधानसभा चुनाव जीतना बेहद कठिन होने जा रहा है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

हरियाणा में चुनाव नतीजे आ चुके हैं. कांग्रेस हरियाणा में बदलाव की लहर का फायदा उठाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई. भाजपा ने हरियाणा में साम, दाम, दंड भेद के चलते 2019 के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ते हुए भारी सफलता हासिल की है. वहीं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बावजूद सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस ने घाटी में उम्मीद से भी अच्छी सफलता हासिल की है. नेशनल कांफ्रेंस की बदौलत जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी. जम्मू कश्मीर में भाजपा को जम्मू क्षेत्र में अच्छी सफलता मिली है. वहां कांग्रेस ने बेहद खराब प्रदर्शन किया. कांग्रेस की इस हार की एक बड़ी वजह अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी रही है. उसने हरियाणा में कांग्रेस के वोट काट करके भाजपा की राह आसान की, तो जम्मू में भी केजरीवाल की पार्टी ने कांग्रेस की लुटिया डुबो दी. केजरीवाल की पार्टी ने डोडा सीट जीत कर जम्मू कश्मीर में खाता भी खोल लिया है.

भाजपा अब झारखंड में माहौल बनाने में जुट गई है. क्योंकि महाराष्ट्र में भी उसके आसार अच्छे नजर नहीं आ रहे. भाजपा पूरी ताकत लगा कर झारखंड में वापसी को बेताब है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री झारखंड में जगह-जगह दौरे करके भाजपा के लिए माहौल बनाने में जुटे हैं. यही नहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा तो लगातार झारखंड में ही खूंटा गाड़ कर बैठ गए है. लगातार लोक-लुभावन घोषणाएं करके भाजपा झारखंड के लोगों के दिल में उतर जाना चाहते हैं. दिलचस्प बात ये है कि भाजपा जो घोषणाएं झारखंड के लिए कर रही है, वो पहले भी कई राज्यों में करके चुनाव जीत चुकी है, लेकिन जीतने के बाद सारे वादे भूल गई. नाम रखने में तो भाजपा के लोग इतने माहिर हैं कि सूरदास का नाम नयनसुख भी रख सकते हैं. देश में करोड़ों बेरोजगार नौकरी की आस में बूढ़े हो चले हैं. महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह देने का वादा भी हवा-हवाई ही है.

दूसरी तरफ हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड की महागठबंधन सरकार मंईयां योजना के तहत राज्य की 48 लाख महिलाओं को एक-एक हजार रुपए महीने देने लगी है. इसकी तीसरी किश्त भी बहनों के खाते में पहुंच चुकी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं कि अगर केंद्र सरकार झारखंड का बकाया दे दे, तो वो बहनों को तीन-तीन हजार रुपए महीने देने लगेंगे. यही नहीं झारखंड के हर नागरिक के खाते में तीन-तीन लाख रुपए भी डाल देंगे. झारखंड मुक्ति मोर्चा भाजपा के महिला पिच पर आने से बहुत खुश है. क्योंकि उसने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत करके राज्य में अच्छी-खासी बढ़त बना ली है. यही नहीं गांडेय विधायक और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन अकेले दम पर भाजपा के बड़े-बड़े दिग्गजों को जवाब दे रही हैं. जबाव ही नहीं दे रहीं हैं, बल्कि मईंया सम्मान यात्रा निकाल कर पूरे राज्य में भाजपा की पोल खोल रही हैं. उनकी सभाओं में उमड़ रही महिलाओं की भारी भीड़ खुद इस बात की गवाही दे रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक की सरकार ही बनने जा रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना झामुमो और राज्य की सरकार के लिए बड़ा मुश्किल समय था. चंपाई सोरेन पर भरोसा करके हेमंत ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, मगर उन्होंने ऐसा विश्वासघात किया कि झारखंड ही नहीं पूरे देश में लोगों को बहुत अखरा. लेकिन उस मुश्किल समय में ही झामुमो को एक ऐसा सितारा मिल गया, जिसका अंदाजा खुद पार्टी को भी नहीं था. एक सामान्य गृहणी कल्पना सोरेन का कायाकल्प हो गया. हालांकि भारतीय परंपरा में नारियों का यह रूप बहुत बार देखने को मिला है कि पति पर संकट आने पर वे अचानक रणचंडी बन जाती है. सती सावित्री ने तो यमराज से अपने पति सत्यवान का प्राण वापस ले लिया था. कुछ ऐसा ही कल्पना सोरने के साथ हुआ. वे गांडेय से विधानसभा उपचुनाव लड़ीं और विधायक बन गईं. हेमंत सोरेन जब जेल में थे, तो कल्पना सोरेन दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में इंडिया गठबंधन की बैठकों और रैलियों में शामिल हुईं. सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने खुद आगे बढ़ कर कल्पना का हाथ पकड़ कर उन्हें अपने बगल में बिठाया. कल्पना ने अपनी जोरदार तकरीरों से देखते-देखते नेशनल मीडिया में छा गईं. पूरे देश में झारखंड की इस वीरांगना की खूब चर्चा भी हुई.

अब हेमंत सोरेन कल्पना सोरेन का बेहतरीन उपयोग कर रहे हैं. कल्पना मईयां सम्मान यात्रा लेकर राज्य के कोने-कोने में पहुंच रही हैं. महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण पर कल्पना की तकरीरें आम लोगों खासकर महिलाओं-बेटियों को बहुत पसंद आ रही हैं. इसमें झामुमो की दूसरी महिला नेत्रियां भी शामिल हैं, मगर लोगों के बीच क्रेज तो कल्पना का ही है. भाजपा को भी समझ में आने लगा है कि इस बार उसे एक नई ऊर्जावान नेता, जो बहुत तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है, खासतौर से महिलाओं के बीच, उसका भी मुकाबला करना पड़ेगा. यही वजह है कि भाजपा ने झारखंड में पूरी ताकत झोंक दी है. पीएम से लेकर सीएम तक राज्य में दौरे कर रहे हैं.

दूसरी तरफ कल्पना सोरेन की मंईयां सम्मान यात्रा में भारी संख्या में नर-नारी शामिल हो रहे हैं. ग्रामीण इलाकों में तो कल्पना सोरेन को लेकर लोगों में बहुत बड़ा क्रेज है. जिन नक्सल प्रभावित इलाकों में महिलाएं सूरज अस्त होते ही घरों में दुबक जाती थीं, वो भी कल्पना को सुनने और देखने के लिए रात के 10-10 बजे तक इंतजार करती हैं. सड़क के किनारे महिलाएं खड़ी होकर कल्पना से जोहार करती हैं. परिस्थितियों वश कल्पना सोरेन के रूप में एक महिला नेता का उदय झारखंड में झामुमो ही नहीं इंडिया गठबंधन के लिए वरदान साबित हो रहा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

गांव-गांव में देवी स्थान

सात बहनों के रूप में देवी का यह स्वरूप गांव को विघ्न और बाधाओं से बचाने के लिए होता है. आज भी गांवों में ब्रह्मस्थान पर सात पिंडी के रूप में देवी स्थान कायम है. बाहर से आनेवाला हरेक व्यक्ति पहले ब्रह्मस्थान और सात पिंडी के समक्ष नतमस्तक होता है. उसके बाद ही गांव के प्रवेश करता है. माता के इस रूप की आराधना भारतीय जीवन दर्शन में सामाजिक सरोकार के साथ पारिवारिक मूल्यों एवं मानवीयता को उद्भाषित और सवंद्धित करने का एक विधान रहा है. नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान है. इसके पीछे तथ्य यह है कि ही दो वर्ष से दस वर्ष की आयु वाली नौ कन्याओं को भोजन कराने से व्यक्ति के समस्त दोष खंडित हो जाते हैं. पूजा संस्कार में एक शब्द आता है प्रतिगृह्यताम. इसका तात्पर्य यह होता है कि मनुष्य के रूप में मैं ईश्वर से निवेदन करता हूं कि मैं आपको निश्चित वस्तु को अर्पित कर रह हूं और आप मुझे भी अभीष्टता प्रदान करे. दो वर्ष की कन्या को कौमारी कहा जाता है. इसके पूजन से दुख और दरिद्रता खत्म होती है. तीन वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति कहलाती है जिसके पूजन से धन-धान्य की प्राप्ति होती है और संपूर्ण परिवार में कल्याण आता है. चार वर्ष की कन्या को कल्याणी कहा जाता है जो सुख की प्राप्ति कराती है. पांच साल की कन्या रोहणी होती है, जिसके पूजन से व्यक्ति रोगमुक्त होता है. छह वर्ष की कन्या कालिका होती है जिसके पूजन से विद्या और राजयोग प्राप्त होता है. सात साल की कन्या को चंडिका माना जाता है. वह ऐश्वर्य की दात्री होती है. आठ साल की कन्ना शाम्भवी के रूप में व्यक्ति को लोकप्रियता प्रदान करती है. और नौ वर्ष की कन्या दुर्गा के रूप में शत्रु पर विजय प्रदान करती है. और दस वर्ष की कन्या सुभद्रा कहलाती है. वह सभी मनोरथ को पूरा करती है. देवी और देवता के सभी रूपों में उनका अर्द्धनारीश्वर के स्वरूप में प्रकृति प्रकट होती है. परमात्मा पुरुष है. वह नारी भी है. वह दोनां एक साथ है. हमारा जीवन भी दोनों का संतुलन है. वह सृजन और पालन के मध्य है. उससे परे और पूरा भी है. शिव के अनंत स्वरूप है. अर्धनारीश्वर का स्वरूप इसमें सर्वश्रेष्ठ और संपूर्ण है. जब अस्तित्व का दो स्वरूप पुरुष और प्रकृति (स्त्री) अपनी पूर्ण दिव्यता और भव्यता के साथ प्रकट होता है, तो वह अर्धनारीश्वर का रूप होता है. यह ब्रह्म की कल्पना है.

बेरोजगारी पर कब टूटेगी सरकार की चुप्पी!

• विमर्श

सत्यव्रत

इन दिनों भारत में बेरोजगारी की स्थिति को ले कर गंभीर चिंता व्यकत की जा रही है. भारत के युवा बेहतर जिंदगी की तलाश में अवैध तरीके से विदेश भी भाग रहे हैं. डंकी माध्यम से अमेरिका गए युवाओं ओर उनके परिवार के दुख की चर्चा हो चुकी है. बावजूद इसके इन सवालों का हल निकालने की दिशा में सचेत कदम का एलान नहीं हो रहा है. देश के युवाओं का भविष्य अंधकार के बादल से बाहर किस तरह निकलेगा,इसका जबाव तो सरकार को देना ही चाहिए. अब एक नया वीडियो वायरल हो रहा है. कनाडा में एक रेस्तरां के बाहर नौकरी के लिए इंटरव्यू देने के लिए कतार में लगे भारतीय छात्रों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इस वीडियो में कथित रूप से हजारों छात्रों को तंदूरी फ्लेम रेस्तरां के बाहर वेटर और नौकर के पद पर आवेदन करने के लिए कतार में खड़े हुए दिखाया गया है, जिससे कनाडा में आगे की पढ़ाई या नौकरी की योजना बना रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच चिंता पैदा हो गई है.

नौकरी की तलाश में आए अगमवीर सिंह ने कहा, "मैं दोपहर 12 बजे यहां आया था और लाइन वाकई में बहुत लंबी थी. हमने इंटरनेट पर आवेदन दिया और हमें बताया गया था कि इंटरव्यू लिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. लोग बस यहां आ रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि यहां नौकरी के अवसर हैं. यह वाकई में बहुत मुश्किल है." एक और व्यक्ति ने जोड़ा, "यह स्थिति बहुत खराब है, ऐसा लग रहा है कि हर कोई नौकरी ढूंढ रहा है लेकिन किसी को सही तरीके से नौकरी नहीं मिल रही है. मेरे कई दोस्त अभी भी बेरोजगार हैं, और वे यहां 2-3 साल से हैं."

वीडियो में दिखाई गई स्थिति को लेकर ऑनलाइन माध्यम पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं. एक यूजर ने टिप्पणी की, "अगर यह सच है, तो यह चिंताजनक है. कनाडा भारी बेरोजगारी का सामना कर रहा है. मैंने भारत में भी नए रेस्तरां में नौकरी के लिए इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को लाइन में खड़े नहीं देखा." एक अन्य ने कहा, "वे वहां कोई भी नौकरी स्वीकार कर लेंगे, लेकिन भारत में वही काम करने में शर्म महसूस करते हैं. जाहिर है, कनाडा में कार्य स्थितियां और वेतन भारत से कहीं बेहतर हैं."

एक अन्य यूजर ने लिखा, "यह चौंकाने वाला है कि ब्रैम्पटन में 3,000 छात्र, मुख्यतः भारत से, वेटर और नौकर की नौकरियों के लिए लाइन में खड़े हैं. यह ट्रूडो के कनाडा में बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को दर्शाता है. जो लोग भारत छोड़कर सपनों के पीछे जा रहे हैं, उनके लिए गंभीर सच्चाई का सामना करना बेहद जरूरी है."

> नौकरी की तलाश में आए अगमवीर सिंह ने कहा, "मैं दोपहर 12 बजे यहां आया था और लाइन वाकई में बहुत लंबी थी. हमने इंटरनेट पर आवेदन दिया और हमें बताया गया था कि इंटरव्यू लिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. लोग बस यहां आ रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि यहां नौकरी के अवसर हैं. यह वाकई में बहुत मुश्किल है."

कुछ टिप्पणियों में विदेश में पढ़ाई से जुड़े गहरे मुद्दों को उजागर किया गया. एक व्यक्ति ने कहा, "सबसे बुरी बात यह है कि इनमें से अधिकतर लोग इंजीनियर, एमबीए धारक और आईटी इंजीनियर हैं, जो भारत में नौकरी कर रहे थे और 100,000 रुपये महीना कमा रहे थे, लेकिन कनाडा के सपने के लिए यहां आ गए! ये छात्र उदास हैं और संघर्ष कर रहे हैं! हर चमकने वाली चीज़ सोना नहीं होती! दूर रहिए." एक और व्यक्ति ने लिखा, "समस्या यह है कि वे वहां कोई भी नौकरी स्वीकार कर लेंगे, लेकिन भारत में वही काम करने में शर्म महसूस करते हैं. जाहिर है, कनाडा में काम करने की स्थिति और वेतन भारत से कहीं बेहतर हैं."

घटना को दिल दहला देने वाला बताते हुए एक अन्य यूजर ने लिखा, "ब्रैम्पटन से दिल तोड़ने वाले दृश्यः एक रेस्तरां के खुलने के बाद 3,000 छात्र, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं, वेटर की नौकरियों के लिए लाइन में खड़े हैं. क्या ट्रूडो का कनाडा अवसरों की भूमि है या टूटे हुए सपनों की?"

इस महीने की शुरुआत में, कनाडा ने घोषणा की है कि वह विदेशी छात्रों को दिए जाने वाले स्टडी परमिट की संख्या कम करेगा और साथ ही उसने विदेशी श्रमिकों के नियमों को भी सख्त कर दिया है. यह कदम कई भारतीयों को प्रभावित करेगा. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर पोस्ट किया, "इस साल हम अंतर्राष्ट्रीय छात्र परमिट की संख्या 35% कम कर रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चीन से भारत को लेनी चाहिए सबक

• आर्थिकी

अजय शाह

कई लोगों को अचल संपत्ति या रियल एस्टेट में निवेश आकर्षक लगता है. आम मध्यमवर्गीय परिवार तीन मकान खरीदने का ख्वाब देखता हैः एक रहने के लिए, दूसरा बच्चों के लिए और तीसरा निवेश के लिए. जमीन में निवेश करने वाले कहते हैं, 'जमीन में निवेश इसलिए अच्छा है क्योंकि नई जमीन तो बनने से रही.'
लेकिन जमीन में निवेश का यह कारण कुछ सही नहीं है. देश में जमीन का इस्तेमाल करने वाले अधिक लोग नहीं हैं. अगर हम बहुत उदारता बरतते हुए मान लें कि हर व्यक्ति मकान और दुकान या दफ्तर के लिए करीब 100 वर्ग मीटर जमीन इस्तेमाल करता है तो इस देश की 1.4 अरब की आबादी को भारत की कुल जमीन का 4.2 फीसदी हिस्सा ही चाहिए. अगर हम मान लें कि चार सदस्यों वाले हर परिवार को करीब 4,600 वर्ग फुट जमीन चाहिए और फ्लोर स्पेस इंडेक्स केवल 1 है तब भी देश में मौजूद समूची जमीन का इस्तेमाल नहीं हो पाएगा.

देश में अधिकतर वयस्कों को बचपन में ही पढ़ाया गया कि आबादी कितनी तेजी से बढ़ रही है. मगर भारत की प्रजनन दर में बहुत अंदर आ गया है. देश की कुल प्रजनन दर 1964 में छह थी जो 2022 में घटकर दो रह गई है. हमें इस गिरावट की वजह के बारे में ठीक से नहीं पता लेकिन कुछ तो हो रहा है. भारत के इतिहास के हरेक चरण में आबादी का बदलाव अनुमान से तेज गति से हुआ है. दक्षिण के राज्यों की कुल प्रजनन दर जर्मनी की दर से कम है. हमें कहना चाहिए, 'जमीन में निवेश इसलिए कीजिए क्योंकि आबादी ज्यादा नहीं बढ़ रही है.' अपना पैसा निवेश करते समय याद रखना चाहिए कि पिछले 20 वर्षों में निफ्टी 26 गुना चढ़ चुका है. इसमें विविधता है, पारदर्शिता है और तरलता यानी शेयर बेचकर फौरन नकद हासिल करने की संभावना है, लेकिन रियल एस्टेट में ऐसा नहीं है. रियल एस्टेट में निवेश पर जरूरत से ज्यादा जोर उन परिवारों के कारण भी होता है, जिन्हें सूचीबद्ध कंपनियां, अकाउंटिंग के आंकड़े, एक्सचेंज और डिपॉजिटरी ठीक नहीं लगतीं. जब भी कोई परिवार शेयरों में निवेश करने चलता है तो वह रियल एस्टेट की कीमतें नीचे आने की वजह बनता है.

गहराई से सोचिए कि क्या किसी कार की कीमत बढ़ सकती है? यह बेवकूफाना बात है क्योंकि कार की कीमत बढ़ेगी तो उसकी आपूर्ति बहुत बढ़ जाएगी. अगर हम यह मानना बंद कर दें कि जमीन दुर्लभ है तो रियल एस्टेट ईंट, इस्पात और कांच के ढेर के अलावा क्या है. उसकी कीमत चढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ जाएगी, जिसके बाद कीमत में लगातार इजाफा हो ही नहीं पाएगा. सच कहें तो रियल एस्टेट की यह दीवानगी तमाम अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचा सकती है. रियल एस्टेट पर जोर चीन के आर्थिक मॉडल की नाकामी का भी बड़ा कारण रहा.

> देश की कुल प्रजनन दर 1964 में छह थी जो 2022 में घटकर दो रह गई है. हमें इस गिरावट की वजह के बारे में ठीक से नहीं पता लेकिन कुछ तो हो रहा है. भारत के इतिहास के हरेक चरण में आबादी का बदलाव अनुमान से तेज गति से हुआ है. दक्षिण के राज्यों की कुल प्रजनन दर जर्मनी की दर से कम है.

1980 के दशक के आरंभ से ही चीनी परिवार रियल एस्टेट पर बहुत जोर देने लगे. भारत ने 1992 से 2017 के बीच मजबूत वित्तीय बाजार तैयार किए, जो चीन में कभी नहीं हो सका. चीन के परिवारों ने जब-जब वित्तीय संपत्तियों में निवेश की कोशिश की, उन्हें घाटा हुआ और वे रियल एस्टेट की ओर लौट गए. वहां की सरकार ने लोगों को विदेश में निवेश नहीं करने दिया, जिससे रियल एस्टेट में ही निवेश बढ़ता गया. नीति निर्माताओं ने भी शहरी विकास के लिए रकम के इंतजाम को रियल एस्टेट के साथ जोड़कर उसे हवा दी. चीन में नीतियों की बुनियाद नियंत्रण ही है और नीति निर्माताओं की इस मंशा के कारण रियल एस्टेट को रकम की शक्ल में अर्थव्यवस्था को बार-बार प्रोत्साहन मिले.

विचारक दशकों से रियल एस्टेट की समस्या के प्रति आगाह करते रहे मगर अधिकतर लोगों को फौरी मुनाफे से ही मतलब रहा. समय के साथ हालात बिगड़ने लगे. वहां हर परिवार के पास औसतन 1.5 घर हैं और आबादी के बारे में अनुमान भारत के मुकाबले बहुत खराब हैं. चीन में इतने मकान खाली पड़े हैं, जितने बंबई में भी नहीं हैं. वहां पूरे के पूरे शहर निर्जन हो गए हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

भारत और मालदीव : बारीक कूटनीति पहल की जरूरत

अपने निर्वाचन के लगभग एक साल बाद, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दिल्ली की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा की. उनकी इस यात्रा को दिल्ली के साथ मतभेद सुलझाने की एक कोशिश के रूप में देखा गया. भारत उनका पहला द्विपक्षीय मुकाम नहीं था. यह मित्रवत पड़ोसी देशों के नेताओं द्वारा आमतौर पर पालन की जानेवाली परंपरा से हटकर था. हालांकि दिसंबर 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एक शिखर सम्मेलन के दौरान मुइज्जू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक संक्षिप्त मुलाकात हुई थी और मुइज्जू ने जून में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की थी. भारत और मालदीव के बीच तनाव मूल रूप से राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मुइज्जू के प्रचार अभियान का नतीजा था. वह प्रचार अभियान विपक्ष के "इंडिया आउट" के नारे पर आधारित था. इसके बाद एक विवाद सामने आया जिसमें मालदीव के मंत्रियों द्वारा मोदी की आलोचना किए जाने के बाद लक्षद्वीप में पर्यटन को मालदीव के विकल्प के रूप में पेश किया गया और इसके चलते भारत में "मालदीव के बहिष्कार" का अभियान शुरू हुआ. भारत आने से पहले मुइज्जू के तुर्की, चीन और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने के फैसले ने भी आग में घी का काम किया. भले ही मुइज्जू ने यह कहा कि वह "सबसे पहले मालदीव" की नीति अपनायेंगे, लेकिन नई दिल्ली में बैठे आलोचक चीन के साथ माले की आर्थिक पहल एवं रक्षा समझौते को लेकर चिंतित हो गए. बांग्लादेश और श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बीच, भारत को 'पड़ोसी प्रथम' की अपनी नीति को लेकर कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसे मालदीव से इस कथित दूरी ने और हवा दे दी. अब जबकि मोदी और मुइज्जू ने अपनी पहली औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता कर ली है, उनके रास्ते को सुगम बनाने का कुछ काम पूरा किया चुका था. भारत द्वारा विमान के रखरखाव के लिए 2012 से मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की जगह तकनीकी कर्मियों को भेजने की मुइज्जू की मांग को मान लेने के बाद, दोनों पक्षों ने अपना रास्ता बदल लिया. दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के दौरों का आदान-प्रदान हुआ और नई संयुक्त परियोजनाओं का एलान किया गया. मालदीव के टी-बिल की एसबीआई सब्सक्रिप्शन में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने के भारत के फैसले ने माले को ऐसे समय में अपना ऋण भुगतान करने में सक्षम बनाया जब उस पर ऋण की किस्त अदा करने से चूकने (डिफॉल्ट) का खतरा मडरा रहा था. मुइज्जू ने भी अपनी बयानबाजी में नरमी ला दी है और उन मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया है जो मोदी के आलोचक थे.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अजीज/आजिज

लगभग पचास वर्ष पूर्व रेडियो सिलॉन से बहुत ही लोकप्रिय साप्ताहिक कार्यक्रम प्रसारित होता था-बिनाका गीतमाला. उस समय का युवा वर्ग तो उस कार्यक्रम का दीवाना बन चुका था. एक सप्ताह के इंतजार के बाद बुधवार को रात के आठ बजे रेडियो सिलोन से अमीन सयानी की दिलकश आवाज उछलती-मचलती फिजां में गूंज उठती थी-भाइयो, बहनो, आ गया आपका अजीज दोस्त अमीन सयानी दिलकश प्रोग्राम बिनाका गीतमाला के साथ.मैं भी उस कार्यक्रम का दीवाना था, लेकिन बचपन के कारण समझ में नहीं आता था कि अमीन साहब खुद को अजीज दोस्त क्यों बताते हैं. कई वर्षों के बाद अजीज का मतलब समझ में आ गया, लेकिन उसी समय एक सज्जन को कहते हुए सुना-मैं तो उसकी आदतों से आजिज हो चुका हूं. तब मैं आजिज को अजीज ही समझ रहा था और परेशान हो रहा था. मुझे लगता है कि अभी बहुत सारे लोगों के मन में अजीज और आजिज शब्द को लेकर असमंजस हो. तो मैंने इन दोनों शब्दों पर विचार विमर्श और खोज शुरू कर दी. अजीज अरबी मूल का संज्ञा, पुल्लिंग शब्द है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका मतलब है जिससे प्रेम या स्नेह हो, प्रिय दोस्त, प्रिय, प्यारा, रिश्तेदार, पसंद, मिस्र का राजा जो जुलेख़ा का पति था, आश्ना (प्रायः अपने से उम्र में छोटे के लिए प्रचलित), यार, साथी, ख़ुदा का एक नाम, एक प्रकार की कड़वी बूटी, महबूब, स्वजन, रिश्तेदार, संबंधी, रुचिकर, कामयाब. बात अजीज की निकली है तो आद आता है प्रसिद्ध शायर उबैदुल्लाह अलीम का यह शेर- 'अज़ीज़ इतना ही रक्खो कि जी संभल जाए. अब इस क़दर भी न चाहो कि दम निकल जाए'. अब जरा महसूस करते हैं कि कोई कैसे किसी का अजीज हो जाता है और कोई कैसे किसी से आजिज हो जाता है. आजिज शब्द का मतलब केवल परेशान या तंग होना ही नहीं होता, बल्कि उसके और भी कई अर्थ होते हैं, जो वाक्यों में प्रयोग होने के बाद स्पष्ट होते हैं.

जाने क्यों लोग पिया करते हैं!

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

मैं आज तलक समझ नहीं पाया कि लोग ' पीते ' क्यूं हैं...देश में खाने का अकूत भंडार है, पर लोग हैं कि केवल पीने पर आमादा... अरे पीना ही है तो चाय पियो, छाछ पियो, पानी पियो, गंगाजल पियो, शरबत पियो...इन पर भला क्या पैसा लगता है ? पर दारु पीकर पैसा (और परिवार) बर्बाद करना कहां की बुद्धिमानी है ?...कभी-कभी तो इतिहास खंगालने का मन करता है कि सबसे पहले किस शख्स ने इसका ईजाद किया..और किसने इसे पहली बार पिया.. दोनों के दर्शन करने का मन करता है...पर ' गूगल 'सर्च भी यहां फेल है..वैसे सुना है कि स्वर्गलोक में देवतागण सोमरस का पान करते थे..लोग सोमरस को ही शराब मानते हैं..मतलब कि दारू "ऊपर" से ही "नीचे" आया...पर यह कभी नहीं सुना कि वे पीकर गिरते-पड़ते या हुल्लड़ करते थे..अलबत्ता बड़े ही शांति के साथ अप्सराओं का नृत्य देखा करते.. सोमरस का पान करके भी कोई नशे में झूमता नहीं था. गांजा- भांग पीने वालों को कोई तवज्जो नहीं देता..इस नशे को नशा नहीं, प्रसाद माना जाता है..इसे समाज ने 'वैध' - सा करार दिया है..नशे की दुनिया का यह सबसे प्राचीन और कमसिन नशा है..इससे समाज का कोई बड़ा नुकसान नहीं होता..पर दारू तो आदमी के साथ-साथ समाज को भी लील लेता है..इसकी खपत दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रही है और बढ़ी जा रही है दिन-ब-दिन पियक्कड़ों की संख्या.. और सरकार है कि इसकी पाबन्दी पर कभी मूड ही नहीं बनाती, राजस्व की भारी हानि जो है...बस, एक पुलिसिया कानून भर बना दिया - पीकर जो हुल्लड करे , उसे घंटे दो घंटे के लिए (नशा उतरते तक) अंदर कर दो और फिर बिना किसी जमानत या जद्दो-जहद के बेइज्जत कर हकाल दो...बचपन में जिस मुहल्ले में रहता था, पियक्कड़ों की भरमार थी वहां...रोज शाम को सात बजे नहीं कि शो शुरू हो जाता...काफी गाली-गलौज करते, शोर मचाते, हुडदंग करते..कभी-कभार किसी के कम्प्लेंट पर पुलिस आती तो धरकर ले जाती..लेकिन घंटे दो घंटे बाद ये फिर बजबजाते नाली के मुहाने में लेटे..बडबडाते दिख जाते. तभी से मैं समझ गया था कि दारू पीना कोई संगीन अपराध नहीं...तब दारू बहुत सस्ती भी हुआ करती थी. इसलिए लोग बारबार ये अपराध करते. उन्हीं दिनों मैं यह भी जान गया कि दारू कड़वी चीज है, क्योंकि मुहल्ले में जब कभी भी नाच या जलसा होता ये रंगदार लोग (पियक्कड लोग) ही हीरो होते..बाटली खोल सामने बैठ जाते और अजीब-अजीब सा मुंह बनाते, आंखें भींचते, हलक में उतारते जैसे कोई कड़वी दवा पी रहे हों...मुझे नाच देखने में उतना मजा नहीं आता, जितना कि उनके चेहरों पर उभरते अजीबो गरीब भावों को देखने में आता. जमाना कहां से कहां पहुंच गया, पर दारू वहीकी वहीँ... कड़वी की कड़वी . कड़वी है तो करोड़ों दीवाने, मीठी होती तो ना जाने क्या होता? कहते हैं- दारू दो तरह के लोग पीते हैं, एक- बड़े लोग..दूसरा- छोटे लोग... दारू दो स्थितियों में पी जाती है- एक- गम में, दूसरा- खुशी में... दारू दो तरह से पी जाती है- एक- नीट, दूसरा -सोडा-पानी के साथ.... दारू पीने का वक्त भी दो तरह का है- एक- वक्त से, दूसरा- बेवक्त. दारू पीने के कितने बहाने होते हैं.

सुकून

इन दिनों जिस ठिकाने पर हम खुशियां ढूंढ रहे हैं, वहां वे चमकीली तो जरूर नजर आती हैं, लेकिन वास्तविक नहीं होती हैं. हमारी सुबह मोबाइल स्क्रीन के स्क्रॉलिंग से शुरू होती है और स्क्रॉलिंग करते-करते हम नींद के आगोश में चले जाते हैं. इस दौरान जिंदगी से रेत की तरह कितना कुछ फिसलता चला जाता है, हमें अहसास तक नहीं होता.

मोटिवेशन

फिल्टर्ड लाइफ में कैसी खुशियां!

सुबह होती है, शाम होती है,
जिंदगी यूं ही तमाम होती है.

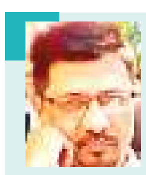

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ऐसा लगता है कि यह शेर किसी ने हमारे आजकल की रोजमर्रा की जिंदगी देखकर लिखा है. सुबह उठते ही मोबाइल हाथ में, और फिर इंस्टाग्राम की 'रील' पर जिंदगी की 'रियल' खुशी घिसटने लगती है. फेसबुक पर दोस्त की फैंसी छुट्टियों की तस्वीरें देखकर अपना सुबह का पराठा भी बेस्वाद लगने लगता है! फिर भी स्क्रॉलिंग चलती रहती है. हर दस मिनट में उंगलियां मचल उठती हैं, और एक मिनट- बस एक पोस्ट का सफर कब घंटों में तब्दील हो जाता है, पता ही नहीं चलता.

काम करने का मन तो क्या, बात करने का भी मन नहीं करता. हर काम ऐसे करते हैं जैसे कोई सज़ा काट रहे हों. दफ्तर में हों या घर पर, सब कुछ बस एक मजबूरी की तरह हो रहा है. कोई उमंग, कोई जोश नहीं. सब कुछ रेंग-रेंग कर चल रहा है. जब दिन ख़त्म होता है, तब भी वही एक्शन रिपीट – ओटीटी पर कोई सीरीज़ देख लो, या सोशल मीडिया पर किसी बेकार सी बहस में कूद पड़ो. अब सवाल यह है कि हम सबकी जिंदगी अचानक इतनी सुस्त और बेजान क्यों हो गई है? आइए, इसकी जड़ तक चलते हैं :

झूठी है ये दुनिया

स्क्रीन पर जो लुभावनी दुनिया हमें दिखती है, उनमें से ज्सयादातर झूठी होती है, फिल्टर के उपयोग से परोसी हुई.

1. **मोबाइल अर्थात आलस का पिटारा :** मोबाइल की स्क्रीन ने हमें आलसी आलू बना दिया है. उठते ही फेसबुक-इंस्टाग्राम के फंदे में फंस जाते हैं और बाकी दिन आलस में घिसट जाता है.

2. **राजा बेटा :** बच्चों की हर ख्वाहिश पूरी हो रही है, तो वे मेहनत का मतलब ही नहीं समझते. आराम के आदी हो गए हैं, और अब किताबों से ज्यादा मोबाइल पर गेम्स खेलने में दिल लगता है. दिनभर सोना या मोबाइल में घुसे रहना.

3. **दूसरों की 'फिल्टर्ड' लाइफ :** हम अपनी जिंदगी को दूसरों की 'फिल्टर्ड' तस्वीरों से तौलते रहते हैं. दोस्त की हॉलिडे फोटो देख खुद का घर किसी जेल से कम नहीं लगता. उनके हंसते-खिलखिलाते फोटो खुद को बेचारगी की गर्त में ढकेल देते हैं. मजेदार बात यह कि उससे बाहर निकलने की जगह एक और स्क्रॉलिंग सेशन शुरू कर देते हैं.

4. **सोशल मीडिया का 'हैप्पीनेस हंट':** असली खुशी कहीं खो गई है. अब तो लाइक और कमेंट्स की गिनती ही खुश होने का पैमाना बन गई है. और जैसे ही फोन की बैटरी खत्म होती है, खुशियां भी खत्म.

5. **झूठे सपने :** लोगों को झूठे सपने देखने की आदत हो गई है. जो जहां है, अपने से चार गुना ऊपर के सपने देख रहा है. सिर्फ सपने देखने से सपने हासिल हो जाते तो क्या बात थी! जब सपने पूरे नहीं होते, तो जोश भी कम होने लगता है और सुस्ती का आलम छा जाता है.

अब क्या करें?

सवाल यह है कि इस 'स्क्रॉलिंग' जिंदगी से कैसे निकलें? हल आसान है, बस थोड़ी सी मेहनत और थोड़ी दृढ़ता चाहिए:

1. **सोशल मीडिया को ब्रेक पर भेजें :** फेसबुक, इंस्टाग्राम, रील्स – सबको थोड़ी छुट्टी पर भेजें. असली दुनिया में लौटें, जहां हंसी बिना फिल्टर के आती है और रिश्ते बिना लाइक्स के होते हैं.

2. **रियल लाइफ में दोस्तों से मिलें :** पुराने दोस्तों से मिलें, उन्हें अपने घर बुलाएं, कभी उनके घर जाएं. किसी कैफे में बैठकर असली बातचीत करें. कोई वर्चुअल चैट नहीं, असली हंसी-मज़ाक.

3. **नई हॉबी अपनाएं :** कुछ नया करें – गार्डनिंग, म्यूजिक, कुकिंग, कुछ भी जो दिल को सुकून दे. इससे न सिर्फ जिंदगी में नई ऊर्जा आएगी, बल्कि कुछ नया सीखने का मजा भी मिलेगा.

4. **बच्चों को 'मूल्य' का पाठ पढ़ाएं :** बच्चों को अनुशासन का मतलब सिखाएं. थोड़ा सख्त हों, थोड़ी सीमाएं तय करें. 'नहीं' कहना भी सीखें – उनके भले के लिए.

5. **फैमिली टाइम बढ़ाएं :** घर पर साथ खाना खाएं, साथ फिल्म देखें, एक-दूसरे से बात करें. असली बातचीत, जिसमें मोबाइल बीच में न आए!

मूल मंत्र

मोबाइल या सोशल मीडिया हमारे लिए जिंदगी नहीं चला सकते. हमें खुद को रियल लाइफ में एक्टिव करना होगा. जिंदगी में खुशी स्क्रॉलिंग से नहीं, असली दुनिया में जीने से मिलती है, नए अनुभवों से होकर गुजरने से मिलती है, रिश्तों में प्यार और हंसी से मिलती है.

सैंडविच स्टाइलिंग हैक

कूल लुक, कंफर्टेबल अंदाज

पिछले कुछ समय से सैंडविच स्टाइलिंग हैक ट्रेंड कर रहा है. इसे फैशन क्रिएटर लिडिया लैंगफ़ोर्ड ने लोकप्रिय बनाया है. आज आलम यह है कि कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स हों या ऑफिस गोइंग यूथ या फिर सेलेब्स ही क्यों नहीं, सैंडविच स्टाइलिंग में नजर आते हैं. यह बेहद कूल लुक देता है और इसे फॉलो करना भी कंफर्टेबल है. आइए जानें कि क्या है ये ट्रेंड और कहां-कैसे पहनें-

क्या है यह ट्रेंड

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो स्टाइलिश और केजुअल कपड़े बनाने की कला को सरल बनाती है. 'सैंडविच' स्टाइलिंग हैक' के पीछे का कंसेप्ट सरल लेकिन प्रभावी है. यह ऊपर और नीचे के कपड़ों के रंग या बनावट का समन्वय है. इस तकनीक में एक ही रंग या बनावट वाली दो ड्रेसेज का समन्वय करके और बीच में एक विपरीत तत्व जोड़कर एक संतुलित पहनावा बनाना शामिल है. नीचे की तरफ वही रंग चुनें जो आप ऊपर की तरफ पहनेंगे. जैसे ब्लैक टी शर्ट के लुक को पूरा करने के लिए काले पंप पहनने के बजाय, अपने सफेद सैंडल पहन सकती हैं. इस स्टाइलिंग हैक की हालिया लोकप्रियता का कारण इसकी सादगी और मनभावन ब्यूटी है.

कैसे करें स्टाइल

वेस्टर्न कपड़ों के साथ आप इस तकनीक का उपयोग कर सकते हैं. जैसे फिटेड टॉप के साथ फ्लोई स्कर्ट का कॉम्बीनेशन एक कंट्रास्ट लुक देता है. उसी तरह काफ्तान के साथ स्किनी जींस पहनें और बैल्ट का उपयोग करें. मेंस ब्लैक जैकेट/ब्लेजर के साथ ब्लैक फुटवियर कैरी करें और बीच के हिस्से के लिए कंट्रास्ट शर्ट सेलेक्ट करें.

कहां पहनें

आप चाहें तो इस स्टाइलिंग का उपयोग दोस्तों के साथ आउटिंग के दौरान कर सकते हैं. उसके अलावा कॉर्पोरेट कार्यक्रम या डिनर में सैंडविच स्टाइलिंग कर जा सकते हैं.

इन दिनों मेरी किताब

जिंदगी के सौ रंग दिखाते हैं ये सौ शे'र

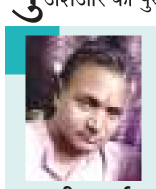

अजीत शर्मा 'आकाश'

गुफ़्तगू पब्लिकेशन की सौ अशआर की पुस्तक-श्रृंखला के अन्तर्गत मासूम रज़ा राशदी के सौ शेर की पुस्तक का प्रकाशन किया गया है. वस्तुत, किसी भी ग़ज़लकार की ग़ज़लों में कुछ शे'र सामान्य, कुछ अच्छे और कुछ उत्कृष्ट कोटि के होते हैं. सभी ग़ज़लों में से उत्कृष्ट कोटि के चयनित शे'र उस शायर विशेष की अलग पहचान निर्मित करते हैं. मासूम रज़ा राशदी दूसरे ग़ज़लकारों के मध्य अपनी अलग पहचान रखते हैं. इनके शे'र कहने का अन्दाज़ अनूठा है. संग्रहीत शे'रों के कथ्य एवं उनमें निहित भावपक्ष में सामाजिक विसंगतियों पर शायर की सूक्ष्म दृष्टि जाहिर होती है.

पुस्तक के अन्तर्गत संग्रहीत हर एक शे'र का अपने आप में एक अलग स्थान है, जिनकी एक झलक देखने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ अंशः-

'ख़ार हैं फूलों में अब इस ख़ौफ़ से/ कैसे कोई बाग़बानी छोड़ दे.

पहले रोटी का इंतज़ाम करूं/ बाद में शाइरी भी कर लूंगा.

अगर सवाल तिरी प्यास का है ऐ साक़ी/ मैं ख़ुद को आख़िरी हद तक निचोड़ सकता हूं.

तैरना सीख ही लेगा वो यक़ीनन इक दिन/ हो के बेख़ौफ़ जो पानी में उतर जाएगा.

वो इक पत्थर जो मेरे हाथ में है/ उसी से है मिरे सर का तहफ़्फ़ुज़

ये तो बस हौसला करेगा तय/ है रूकावट या रास्ता दरिया

एक पल बैठ के हम ख़ुद से ज़रा बातें करें/ ज़िंदगी देती नहीं इतनी भी मोहलत हमको...

संग्रहीत शे'रों में कुछ हल्के-फुल्के दोष भी हैं, यथा- 'न' के स्थान पर 'ना' का प्रयोग किया जाना वर्जित है. "हर मुसाफ़िर के नसीबों" जैसे अंश भाषा-व्याकरण की दृष्टि से वचन सम्बन्धी त्रुटि को इंगित करते हैं. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पुस्तक के सौ शेर हमारी ज़िन्दगी एवं समाज के सौ रंग लिए हुए हैं.

पुस्तक का नाम : मासूम रज़ा राशदी के सौ शेर,
मूल्य : 20 रुपये,
प्रकाशक : गुफ़्तगू पब्लिकेशन, प्रयागराज

रमता जोगी :

टे और डंडी लॉ के ये नजारे

नूपुर अशोक

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें आप एक अरसे से जान रहे होते हैं और एक दिन उनसे मिलने की अभिलाषा लिए जी रहे होते हैं, जैसे कोई सुपर स्टार हो, या कोई अन्य नायक. साथ ही कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अचानक जीवन के किसी मोड़ पर आप के सामने आते हैं और जीवन भर के लिए एक मधुर याद छोड़ जाते हैं. लंदन मेरे लिए एक सुपर स्टार था और उसे देखने की एक उत्कंठा मेरे मन में हमेशा से थी. लेकिन यूके की इस ट्रिप के दौरान कुछ ऐसी जगहों को भी देखने का मौका मिला जिनके बारे में पहले से ऐसी कोई जानकारी नहीं थी फिर भी उन्हें देखकर दिल एक खुशनुमा एहसास से भर गया. ऐसी ही एक जगह थी - डंडी. नहीं नहीं, पेड़ की टहनी वाली डंडी नहीं, स्कॉटलैंड का एक शहर डंडी.

डंडी लॉ के नजारे

सुना था कि इस शहर का नज़ारा देखना हो तो डंडी लॉ जा सकते हैं. हमने सोचा कोई ऊंची इमारत होगी, शायद कानूनी इमारत, क्योंकि नाम ही लॉ है. लेकिन पता चला यह दरअसल एक सुप्त ज्वालामुखी है. हम वहां जाकर एक नज़र में पूरे शहर को देख सकते थे पर हमने सोचा कि इसे पास से देखने का मज़ा ही कुछ और है. लिहाजा उसकी सड़कों पर टहलते हुए हमने उसे नजदीक से देखा.

'वी एंड ए' म्यूजियम

टे नदी के किनारे बसा यह शहर कभी एक औद्योगिक शहर हुआ करता था लेकिन अब इसकी पहचान एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में है. नदी के किनारे को इतने खूबसूरत ढंग से सजाया गया है कि आप घंटों वहां टहल सकते हैं या फिर किसी एक जगह बैठकर आनंद ले सकते हैं. नदी के किनारे पर ही मशहूर 'वी एंड ए' म्यूजियम स्थित है. इसके अंदर संग्रहित कलाकृतियां तो दर्शनीय हैं ही, लेकिन सबसे आकर्षक है - इस पूरी इमारत की वास्तुकला या स्थापत्य. समुद्री जहाज के पालों का आभास देती इस इमारत के सामने हमने ढेरों फोटो खींचे. और उस पुराने युद्धपोत के सामने भी जिसे अभी तक संरक्षित रखा गया है.

टहलता तोंद वाला आदमी

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दोनों ही देशों में एक से एक संग्रहालय हैं. इस शहर में 'वी एंड ए' म्यूजियम के अलावा मैकमैनस आर्ट गैलरी व म्यूजियम देखने का मौका मिला. इसके अंदर प्रदर्शित कलाकृतियां तो शानदार हैं ही, लेकिन मुझे इन सबसे अधिक आकर्षित किया बाहर सड़कों के किनारे बनीं मूर्तियों ने. ये किसी व्यक्ति विशेष की मूर्तियां नहीं होकर आम जीवन से जुड़ी हुई थीं, जैसे बेंच पर बैठा कोई व्यक्ति, रेलिंग पर चलते कुछ पेंग्विन, खेलता हुआ कोई बच्चा, कुत्ते के साथ टहलता तोंद वाला आदमी – मानो यह शहर एक खुली हुई मैगजीन हो जिसमें अलग-अलग विषयों पर आलेख भी हों और बीच-बीच में कुछ चित्रों से पृष्ठ सज्जा भी की गई हो. यह अनुभव तो सड़कों पर टहलने से ही संभव था. पहाड़ी की चोटी से शहर का ओर-छोर तो दिख जाता लेकिन कोना-कोना नहीं दिख पाता. शहरों के ये कोने ही तो होते हैं तो आपके मन के कोनों में अटक कर रह जाते हैं.

दर्शाएंगे आपका प्यार ये उपहार

करवाचौथ में अब महज हफ्ते भर का समय है. पति-पत्नी के प्रेम का यह पर्व अब अपने झारखंड में भी बेहद लोकप्रिय हो रहा है. जिन परिवारों में यह पर्व नहीं मनाया जाता है, वहां भी करवा चौथ का पर्व कुछ महिलाएं उत्साहित हो कर मनाती हैं. जब पत्नी निर्जला रह कर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं तो पति का निहाल होना आश्चर्यजनक नहीं. प्यार को जताने के लिए वे उपहार देना चाहते हैं. उपहार में ऐसा क्या दें जिससे खिल जाए उनका दिल, आइए, ऐसे ही कुछ सुझाव से हो रू-ब-रू....

- जरूरी नहीं कि कपड़े या फिर मेकअप का सामान दिया जाए. कुछ अलग हटकर गिफ्ट देना है, पत्नी की हॉबी पर गौर फरमाएं. मसलन पढ़ने का शौक हो तो उनकी पसंद की किताब दी जा सकती है. बेडरूम में उनकी पढ़ाई के लिए स्टडी टेबल या बेड लैंप की व्यवस्था की जा सकती है.
- जीवनसाथी सेहतमंद रहे, इसके लिए ट्रेड मिल, फिटनेस वॉच या कोई और हैल्थ गैजेट्स दे सकते हैं. किसी जिम का वार्षिक मेंबरशिप बतौर उपहार दे सकते हैं. वर्कआउट से जुड़ी चीजें गिफ्ट कर सकते हैं. जैसे योगा मेट के साथ योग या वर्कआउट क्लोथ्स, एक अच्छी बोतल या शेकर, स्मार्ट वॉच और जंपिंग रोप का सेट बनवाकर गिफ्ट करें.
- पति के साथ खूबसूरत जगहों पर घूमना, सुकून के पल गुजारना भला किस पत्नी को नहीं पसंद है. करवा चौथ पर आप उन्हें ट्रिप पैकेज गिफ्ट कर सकते हैं. ऐसी जगह जो दोनों की पसंद की हो.
- गहनों से महिलाओं का लगाव जगजाहिर है. पत्नी के चेहरे पर खुशी देखनी है तो उन्हें को अच्छा सा जेवर बतौर उपहार दें. करवाचौथ पर आप उन्हें गोल्ड, चांदी या फिर डायमंड के गहने गिफ्ट कर सकते हैं.
- पत्नी को पार्लर या स्पा का पैकेज भी गिफ्ट में दे सकते हैं. स्पा गिफ्ट पैकेज आपका यह संदेश खूबसूरती से उनके दिल तक पहुंचाएगा कि वह आपके लिए कितना मायने रखती हैं और आप उसे अपने जीवन में पाकर कितने आभारी हैं. इन दिनों ज्यादातर स्पा पैकेज में वेलकम ड्रिंक, स्पा रूम की सजावट, स्पा थेरेपी, तनाव दूर करने के लिए आरामदायक स्वीडिश, डीप टिश्यू मसाज या एरोमैटिक थेरेपी आदि की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं.
- प्रीमियम मेकअप प्रोडक्ट–मेकअप वैसे तो हर महिला के पास होता है, लेकिन कुछ प्रीमियम चीजें ऐसी होती हैं जिनकी चाह उन्हें अक्सर रहती है. ऐसे में आप उन्हें उनकी विशलिस्ट किए हुए कोई आईटम तोहफे में दे सकते हैं.
- नया फोन, लैपटॉप, टैब आदि आज की जरुरत हैं. आप भांपे कि इनमें से कौन सा गिफ्ट आपके लिए बजट फ्रेंडली है और जिसे पाकर पत्नी के चेहरे पर मुस्कान खिल जाएगी.
- अन्य गिफ्ट में कोई खूबसूरत साड़ी, सूट या ड्रेस, पर्स, फुटवियर, किचन एप्लायंस, ट्रेंडी ज्वेलरी आदि भी हो सकते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

न्यूजीलैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेलेगी टीम इंडिया

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में भारत का शानदार रिकॉर्ड, घर में नहीं गंवाई एक भी सीरीज

आईएएनएस। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार है. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मद्देनजर दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी महत्वपूर्ण है. अगर भारत और कीवी टीम के हेड टू हेड टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें, तो इसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आता है. दरअसल, दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 62 टेस्ट मैच खेले गये हैं. इनमें से भारत के पक्ष में 22, जबकि न्यूजीलैंड के पक्ष में मात्र 13 मैचों का नतीजा रहा है. वहीं 27 मौच ड्रॉ रहे हैं. भारत ने अपनी घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 टेस्ट जीते हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने घर में अभी तक एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है. दोनों टीमों के बीच खेली गई सभी टेस्ट सीरीज में भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी है. जहां भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 टेस्ट सीरीज को अपना नाम किया है, तो वहीं कीवी टीम ने 7 बार भारत को टेस्ट सीरीज में मात दी है. इसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले संस्करण का फाइनल मैच भी शामिल है, जिसमें न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड में भारत को मात देकर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती थी.

टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत टॉप पर

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत टॉप स्थान पर है. भारत को बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पिछली टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत मिली थी. न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और घरेलू टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के लिए एक बार फिर जीत के लिए पसंदीदा है. भारत दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का उपविजेता रहा है और इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इस खिताब को अपने नाम करना चाहेगी.

मैच शेड्यूल

- **पहला टेस्ट** बेंगलुरु में 16 अक्टूबर
- **दूसरा टेस्ट** 24 अक्टूबर को पुणे में,
- **तीसरा टेस्ट** एक नवंबर को मुंबई में

टेस्ट मैच के लिए दोनों टीमें

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल (पहले टेस्ट के लिए), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉन्वे, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, विलियम ओरूर्क, एजाज पटेल, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, केन विलियमसन और विल यंग .

टीम इंडिया : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रित बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव , मोहम्मद सिराज और आकाश दीप शामिल हैं .

तीन मैचों के टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया

हार्दिक बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

▸▸ सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने बांग्लादेश को तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया. हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 में टीम इंडिया ने 133 रन से जीत हासिल की. भारत के लिए संजू सैमसन ने 111 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान सूर्यकुमार ने तूफानी 75 रन बनाए. इसकी बदौलत भारत ने 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए. जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी. सैमसन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया. हालांकि, प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड 31 साल के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जीता. शुक्रवार 11 अक्तूबर को ही हार्दिक ने 31वां जन्मदिन मनाया था. उनके लिए इससे बेहतर गिफ्ट कुछ नहीं हो सकता था.

हार्दिक ने भारत के लिए तीनों टी20 मैच खेले और 11 चौके और आठ छक्के की मदद से कुल 118 रन बनाए. वह टी20 सीरीज में दूसरे

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 222.64 का रहा. उनसे ऊपर सैमसन रहे. सैमसन ने तीन पारियों में 205.48 के स्ट्राइक रेट से 150 रन बनाए. इस सीरीज में हार्दिक का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतरीन रहा. इसके अलावा उनको एक विकेट भी मिला. तीन मैचों में हार्दिक ने सात ओवर गेंदबाजी की और 58 रन खर्च किए.

ग्वालियर में खेले गए सीरीज के पहले मैच में हार्दिक ने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया था. इसके अलावा भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे. उन्होंने 16 गेंद में 39 रन की नाबाद पारी खेली थी. दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 में हार्दिक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और 19 गेंद में 32 रन की पारी खेली. तीसरे टी20 में हार्दिक ने 18 गेंद में 47 रन की तूफानी पारी खेली. प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने के बाद हार्दिक ने कोच गौतम गंभीर की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि गंभीर हर खिलाड़ी को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं.

सूर्यकुमार ने कहा, 'यदि आप 99 या 49 या कुछ भी स्कोर पर हैं, अगर आपको लगता है कि आपको टीम के लिए गेंद को पार्क के बाहर मारना है, तो आपको इसे मारना होगा और संजू ने भी यही किया और मैं उनके लिए वास्तव में खुश हूं. हमें बहुत लचीला होना होगा. हर किसी को योगदान देना होगा. जिस तरह से हमारे खिलाड़ियों ने इस सीरीज में खेल दिखाया, वह सराहनीय था. बस अच्छी आदतें बनाए रखें और उसे मैदान पर भी जारी रखें और वैसे ही बने रहें जैसे आप हैं.

संजू सैमसन ने की भारतीय टीम मैनेजमेंट की सराहना

- सैमसन पुरुषों के टी20 में शतक पहले भारतीय विकेटकीपर

- सैमसन ने 47 गेंदों पर 111 रन बनाए

नयी दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ 3-0 से टी20 सीरीज जीत दिलाने के बाद अपनी शानदार 111 रनों की पारी के लिए टीम मैनेजमेंट का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें पहले से ही उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दे दी थी. सैमसन ने 47 गेंदों पर 111 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे. यह पारी उन्होंने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेली और इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 236.17 था. इस शानदार शतक के साथ सैमसन पुरुषों के टी20 में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले सैमसन का फॉर्म कुछ खास नहीं था और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद यह बेहतरीन पारी खेली. इसके बाद वह रोहित शर्मा के बाद सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. मैच के बाद सैमसन ने कहा, "जब आप देश के लिए खेलते हैं और कुछ मैचों में असफल होते हैं, तो दबाव महसूस होता है. सच कहूं तो मुझ पर भी दबाव था. मैं प्रदर्शन करना चाहता था, अपनी क्षमता दिखाना चाहता था. कप्तान (सूर्यकुमार यादव) और कोच (गौतम गंभीर) ने मुझसे कहा, हमें पता है कि तुम्हारे अंदर कितना टैलेंट है, हम तुम्हारे साथ हैं, चाहे कुछ भी हो.

बल्लेबाजों को लचीला होना चाहिए और उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा : सूर्यकुमार

एजेंसी। हैदराबाद

भारत ने यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा टी20 मैच 133 रनों से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली. सीरीज जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजों की उनके शानदार प्रदर्शन और लचीले होने के लिए सराहना की. पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ पुरुषों के टी20 मैच के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 297/6 बनाया. विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन की धमाकेदार पारी खेली. सूर्यकुमार यादव ने मात्र 35 गेंदों पर 75 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया, जबकि निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी योगदान देकर भारत को पुरुषों के टी20 में अब तक का सर्वोच्च स्कोर बनाने में मदद की. भारत ने सीरीज जीत ली है, इसका मतलब है कि वे घरेलू टी20 सीरीज में लगातार 16 मैचों से अजेय हैं. सूर्यकुमार ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने एक टीम के तौर पर बहुत कुछ हासिल किया है. उन्होंने कहा था कि (वे) निस्वार्थ क्रिकेटर चाहते हैं और एक निस्वार्थ टीम बनना चाहते हैं, जो एक-दूसरे के प्रदर्शन का आनंद लें। वह सौहार्दपूर्ण माहौल अब खत्म हो रहा है. गौती भाई ने सीरीज से पहले यही बात कही थी कि कोई भी टीम से बड़ा नहीं है, चाहे आप 49 या 99 पर हों, आपको गेंद को मैदान से बाहर मारना होगा. संजू ने यही किया.

टीम ने दौरे पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेलाः शांतो

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने माना कि टीम ने दौरे पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला और उन्हें लगा कि उन्हें सभी विभागों में प्रारूप में खेलने के अपने तरीके बदलने की जरूरत है . शांतो ने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला . हमने बल्लेबाजी इकाई के रूप में अपनी योजनाओं को लागू नहीं किया . कुछ मैचों में हमने कुछ ओवर अच्छे फेंके, लेकिन आज हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की . हमें खुद पर विश्वास करने की जरूरत है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं .

19 को पुरुष हॉकी झारखंड टीम का होगा चयन ट्रायल

HOCKEY JHARKHAND

रांची। तमिलनाडु में 4 से 15 नवंबर 2024 तक 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया जा रहा है. प्रतियोगिता में झारखंड टीम की भागीदारी के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 19 अक्टूबर 2024 को मरांग गोमके जयपाल सिंह अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रांची में होगा. इस चयन ट्रायल में झारखंड का कोई भी पुरुष हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकता है. चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ आधार कार्ड, नगर निगम या पंचायत द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र और हॉकी इंडिया का आईडी कार्ड साथ लाना होगा.

इमर्जिंग एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

रोहित शर्मा का चहेता बना इंडिया ए का कप्तान

एजेंसी। नई दिल्ली

18 अक्टूबर से शुरु होने वाले पुरुष टी-20 इमर्जिंग एशिया कप में तिलक वर्मा इंडिया ए का नेतृत्व करेंगे. अब तक भारत के लिए चार वनडे और 16 टी-20 खेल चुके तिलक के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके अभिषेक शर्मा और राहुल चाहर भी इस टीम का हिस्सा हैं. टीम में आईपीएल में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले आयुष बदौनी, नेहाल वढेरा, प्रभसिमरन सिंह और अनुज रावत भी शामिल हैं.

पिछला फाइनल हारा था भारत : इस ग्रुप में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है. यह पहली बार होगा जब यह टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा. इसके पिछले पांच संस्करण वनडे प्रारूप में खेले गए थे. भारत ने 2013 में इसका प्रथम संस्करण अपने नाम किया था जबकि पिछले दो बार से पाकिस्तान यह ट्रॉफी जीतता आ रहा है. 2023 में पाकिस्तान ने भारत को फाइनल में हराया था.

19 अक्टूबर को भारत का पहला मैच

गेंदबाजी आक्रमण में आर साई किशोर, ऋतिक शौकीन, रसिख सलाम, वैभव अरोड़ा और आकिब खान भी शामिल हैं . 2022 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे निशांत सिंधु भी इस दल में शामिल हैं . वहीं हाल ही में हुए दलीप ट्रॉफी में प्रभावित करने वाले अंशुल कम्बोज को भी दल में जोड़ा गया है . भारत 19 अक्तूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा .

भारतीय टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बदौनी, निशांत सिंधु, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहाल वढेरा, अंशुल कम्बोज, ऋतिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर

एचआईएल ऑक्शन शुरूः हरमनप्रीत बने सबसे महंगे खिलाड़ी

- **सूरमा हॉकी क्लब ने नीलामी में 78 लाख रुपये देकर टीम में किया शामिल**
- भारतीय उपकप्तान हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रस ने 70 लाख रुपये में खरीदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ओलंपिक पदक विजेता कप्तान हरमनप्रीत सिंह हॉकी इंडिया लीग के आगामी सत्र में सूरमा हॉकी क्लब के लिए खेलते हुए नजर आएंगे. सूरमा क्लब ने 78 लाख रुपये की भारी भरकम कीमत देकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया, जिससे वह लीग में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए. सात सालों के बाद वापस आ रही इस प्रतियोगिता के लिए नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक हो रही है. लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें हिस्सा लेंगी. पुरुषों का फाइनल एक फरवरी, 2025 को होगा.

राउरकेला व रांची में इस साल के अंत में शुरु होनेवाली हॉकी इंडिया लीग के लिए आठ फ्रेंचाइजी टीमें रविवार को 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों पर बोली लगी. हर टीम के पास खिलाड़ियों को चुनने के लिए चार करोड़ रुपये का पर्स होगा, जिन्हें अगले दो दिनों में तीन बेस प्राइस स्लैब के तहत दो लाख, पांच लाख और दस लाख रुपये में वर्गीकृत किया गया है.

भारतीय उपकप्तान हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रस ने 70 लाख रुपये में खरीदा. वह पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम का भी अहम हिस्सा थे और मैदान पर देश की कई यादगार जीत के सूत्रधार रहे. 142 मैचों में हार्दिक ने 11 गोल किए हैं.

नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मनदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरगुजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद,शमशेर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा जैसे सितारे शामिल हो रहे हैं. इसके अलावा रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी खुद को नीलामी के लिए शामिल किया है.

वहीं आठ टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी आइकन आर्थर वान डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिकक्स, गोंजालो पेइलाट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन, दयान कैसीम, टॉम विकम, जीन पॉल डैनबर्ग, पिरमिन ब्लैक, जोरिट क्रून, और मैट ग्रैम्बुश पर भी बोली लगाएंगी. प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (चार जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और आठ विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे. पुरुषों की नीलामी 13 अक्टूबर को दोपहर ढाई बजे से शुरू हुई और 14 अक्टूबर को सुबह दस बजे से शुरू होगी, जबकि महिलाओं की नीलामी प्रक्रिया 15 अक्टूबर को सुबह दस बजे से शुरू होगी.

शंघाई ओपन

सिनर ने एक सत्र में अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 65वीं जीत दर्ज की

सिनर ने जोकोविच को हराकर शंघाई मास्टर्स खिताब जीता

एजेंसी। शंघाई

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स में वर्ष का अपना सातवां खिताब जीत लिया. इटालियन खिलाड़ी ने जोकोविच पर 7-6 (7-4), 6-3 से जीत दर्ज की, जो 2016 के बाद से एक कैलेंडर वर्ष में छह से अधिक खिताब जीतने वाले पहले व्यक्ति बन गए, जब एंडी मरे ने नौ खिताब जीते थे. एक घंटे और 37 मिनट की जीत के साथ, सिनर ने एक सत्र में अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 65वीं जीत दर्ज की. चीन में जीत के साथ, सिनर

जानिक सिनर ने 7-6 (7-4), 6-3 से जीत दर्ज की

एक दशक से अधिक समय में जोकोविच को लगातार तीन बार हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. राफेल नडाल 2013 में रौलां गैरो, मॉन्ट्रियल और यूएस ओपन में जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले अंतिम व्यक्ति थे. सिनर ने पिछले साल के अंत में डेविस कप फाइनल और इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच को हराया था.

सिनर ने इस साल के लिए टाई-ब्रेक में 24-8 का सुधार करके भीषण संघर्ष वाला पहला सेट जीता, इससे पहले कि वह दूसरे सेट के शुरुआती चरणों में अंततः 4-1 की अजेय बढ़त हासिल कर जीत को सील कर दिया.

फेडरर और अल्काराज भी देख रहे थे मैच

जोकोविच, जो 100 टूर-स्तरीय खिताब (कॉनर्स, फेडरर) जीतने वाले तीसरे व्यक्ति बनने की कोशिश कर रहे थे, एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, सिनर की शानदार सर्विस ने उन्हें हरा दिया, जिन्होंने एक आकर्षक पहले सेट में अपनी पहली सर्विस के पीछे 81 प्रतिशत अंक जीते. स्विस लीजेंड रोजर फेडरर और युवा स्पैनियार्ड कार्लोस अल्काराज़ दर्शकों में थे, जो रोमांचक संघर्ष का आनंद ले रहे थे. कोर्ट पर दिए गए अपने साक्षात्कार में सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें फेडरर को स्टैंड में देखने की आदत नहीं है और काश वह उनके साथ खेल पाते. जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने साक्षात्कार में कहा, रोजर को देखकर अच्छा लगा. मैं आपको स्टैंड में देखने का आदी नहीं हूं. काश आप यहां कोर्ट पर हमारे साथ खेल रहे होते. शायद यह पहली बार है जब मैं आपके सामने खेल रहा हूं. यह शानदार है. कार्लोस भी. जुआन कार्लोस भी. यहां आने और इस मैच का हिस्सा बनने के लिए आपका धन्यवाद.

स्पेन ने डेनमार्क को हराया

रोनाल्डो ने कॅरियर का 906वां गोल दागा

एजेंसी। बार्सिलोना

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकॉर्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया. रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया. इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था. यह रोनाल्डो के करियर का 906वां गोल रहा.

रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे, लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं

उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे. इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था. पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र ज़िलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की.

पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर है. क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है. उसने ज़गरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया. स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन ज़ुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया. इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं. डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. सर्बिया के चार अंक हैं. उसने एक अन्य मैच में स्विट्ज़रलैंड को 2-0 से पराजित किया. लीग सी में कोसोवो ने लिथुआनिया को 2-1 से, जबकि रोमानिया ने साइप्रस को 3-0 से हराया.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा पंडाल में गोलीबारी, मचा हड़कंप

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले के आरा में रविवार की सुबह-सुबह गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया. इस घटना में 3 लोगों को गोली लगी. हालांकि घटना को क्यों अंजाम दिया गया, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है. वहीं गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. दरअसल, घटना आरा के मौलाबाग इलाके की है. पूजा पांडल के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है.

पत्नी की हत्या कर सड़क पर छोड़ दिया

चंपारण। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा के धनाहा थाना क्षेत्र के कठार गांव में शनिवार की देर रात सरिता देवी (35) की उसके पति अमित पटेल ने निर्ममतापूर्वक विजया दशमी को हत्या कर दिया. हत्या के पहले अमित पटेल अपनी पत्नी को उसके मायके, उत्तर प्रदेश के रामकोला थाना क्षेत्र के नवगावा से राजी खुशी अपने सात भाईयों के साथ लेकर आया था और घर लौटने के बाद रात में ही मेला घूमने का बहाना बनाकर उसे सुनसान इलाके की ओर ले गया. रास्ते में घेवहीया और तुनिहवा के बीच सुनसान सड़क पाकर अमित ने धारदार हथियार से उसकी जान ले ली, और वहां से तड़पते हुये पत्नी को छोड फरार हो गया.

दुर्घटना में पिता की मौत बेटी-पुत्र सहित तीन जख्मी

नवादा। नवादा में स्कॉर्पियो और टेंपो की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई. मृतक के बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हैं. मृतक की पहचान बालेश्वर चौहान का 30 वर्षीय पुत्र सुबेलाल चौहान के रूप में की गई है. घायलों की पहचान अभिराज कुमार, लक्ष्मी कुमारी और अंकित कुमार के रूप में हुई है. घटना शनिवार की देर रात की है. मृतक अपने तीन बच्चों के साथ मेला देखकर अपने गांव लौट रहे था तभी तेज रफ्तार स्कार्पियो ने सीधा टेंपो में टक्कर मार दिया, जहां टेंपो पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए और एक की घटनास्थल पर मौत हो गई.

रिया जब वर्दी में अपने गांव अमरपुर पहुंची, तो ग्रामीणों ने ढोल -नगाड़े के साथ पटाखे फोड़ कर किया स्वागत

18 वर्ष 4 महीने में ही बीएसएफ की वर्दी पहन रिया ने बढ़ाया मान

संवाददाता। बांका

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए... कुछ ऐसी ही कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है बांका के अमरपुर की बेटी रिया कुमारी ने. 18 वर्ष चार महीने की उम्र में देश की सेवा करने का दृढ़ संकल्प लेकर रिया ने बीएसएफ की वर्दी पहनकर ना सिर्फ अमरपुर बल्कि पुरे बांका जिला का नाम देश में रौशन किया है. रविवार की सुबह रिया बीएसएफ की वर्दी में अपने पैतृक गांव अमरपुर के वार्ड नंबर आठ पहुंची. उनका स्वागत

अमरपुर वासियो ने ढोल नगाड़ो और पटाखे फोड़ कर तथा फुलो का माला पहनाकर किया. रिया के पिता श्रवण कुमार बस स्टैण्ड पर फलो की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन करते आ रहे हैं जबकि मां रूपा देवी गृहिणी हैं. रिया दो भाइयो में सबसे बड़ी है. उनकी प्रारंभिक शिक्षा कन्या मध्य विधालय अमरपुर से ही हुई. दसवी की परीक्षा उन्होंने अमरपुर के आदर्श बालिका उच्च विधालय से उत्तीर्ण किया. जबकि ग्रेजुएशन वह भागलपुर के टीएनबी कॉलेज से कर रही है. रिया ने बताया कि वह बचपन से पुलिस सेवा में जाना चाहती थी. दरोगा बनने का उसका सपना है. ग्रेजुएशन तैयारी के दौरान बीएसएफ का फॉर्म आया और भर दिया और पहले ही प्रयास में परीक्षा में सफल हुई. आगे एसआई की तैयारी जारी रखेगी.उनकी पहली पोस्टिंग पंजाब के गुरदासपुर बॉर्डर पर हुई है. रिया ने कहा कि उनकी सफलता का सारा श्रेय उनकी मां, पिताजी व दिवंगत दादाजी हीरालाल साह को जाता है. उन्होंने प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हौसला हो बुलंद तो आंधियो में भी चिराग जल सकता है. जिस तरह पानी की लहरों में कागज की नैया पार नहीं होती है. उसी तरह कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है. किसी भी मंजिल को पाने के लिए एकाग्रता बेहद जरूरी है. मंजिल खुद ब खुद आपके कदम चुमेगी. मौके पर वार्ड पार्षद शंकर महतो समेत समाज के लोगो ने रिया की सफलता पर उन्हें बधाई दी.

सफलता का सारा श्रेय मां, पिताजी व दिवंगत दादाजी हीरालाल देते हुए

कहा कि अगर हौसला हो बुलंद तो आंधियो में भी चिराग जल सकता है. जिस तरह पानी की लहरों में कागज की नैया पार नहीं होती है. उसी तरह कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है. किसी भी मंजिल को पाने के लिए एकाग्रता बेहद जरूरी है. मंजिल खुद ब खुद आपके कदम चुमेगी.

एनडीए की सरकार में कोई सुरक्षित नहीं : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं. तेजस्वी दिल्ली जाने से पहले पटना एयरपोर्ट पर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर बड़ा बयान दिया. तेजस्वी यादव ने बाबा सिद्दीकी की मौत पर दुख जताया. साथ ही एनडीए सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार में कोई सुरक्षित नहीं है. दरअसल, तेजस्वी यादव 16 अक्टूबर से कार्यकर्ता संवाद यात्रा-2 पर निकलने वाले हैं. इसके पहले तेजस्वी रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं. वहीं बीती रात एनसीपी के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या अपराधियों ने बांद्रा में कर दी.

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने जारी किया नया फरमान

शिक्षकों को साल में दो बार मिलेगा आवासीय प्रशिक्षण

अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ.

संवाददाता। पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने सरकारी स्कूल के शिक्षकों के लिए नया फरमान जारी किया है. उन्होंने निर्देश दिया है कि राज्य के सरकारी स्कूल के सभी शिक्षकों को साल में दो बार आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने में मदद मिलेगी. वहीं इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार बिहार सरकार को 32.20 करोड़ की राशि देगी. प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले साल यानी 2025 में जनवरी-फरवरी में शुरु होगा. दिसंबर माह में शिक्षकों के स्थानांतरण और पदस्थापन के बाद उन्हें आवासीय प्रशिक्षण दिलाने के लिए इस योजना को तैयार किया गया है. एस सिद्धार्थ ने कहा है कि, स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता का विकास के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाना आवश्यक है. इसके लिए सभी जिलों को तैयारी करने का निर्देश भी दिया गया है.

7279 विशेष शिक्षकों की होगी नियुक्ति

वहीं दूसरी ओर बिहार के प्रारंभिक स्कूलों में 7 हजार 2सौ 79 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. जिसमें दृष्टिबाधित, विशेष अधिगम, दिव्यांगता, बहु दिव्यांगता, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, श्रवण बाधित, वाच्य, और भाषा दिव्यांगकास बौद्धिक दिव्यांगका और स्वलीनता संबंधित टीचर्स शामिल होंगे. नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा रोस्टर क्लीयरेंस कराया गया है. बिहार लोक सेवा आयोग को विशेष शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधियाचना भई भेजी जाएगी. इसके बाद बहाली प्रक्रिया शुरू होगी. वहीं विभाग से मिली जानकारी अनुसार क्लास 1 से 5 तक के लिए 5हजार534 तो वहीं क्लास 6 से 8 के लिए 1 हजार 745 विशेष शिक्षकों की बहाली की जाएगी. जिसमें से 50 फीसदी आरक्षित पद महिलाओं के लिए और 50 फीसदी महिलाओं को कोटिवार आरक्षण दिया.

खास बातें

- शिक्षा में गुणवत्ता का विकास के लिए प्रशिक्षण आवश्यक
- प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है

नई शिक्षा नीति के तहत होगा बड़ा कार्यक्रम : दरअसल, केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा अभियान में शिक्षकों का प्रशिक्षण अनिवार्य है. जिसके लिए केंद्र सरकार ने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए शिक्षकों को छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था देगी. 9वीं से लेकर 12वीं तक के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के लिए पांच सौ रुपए देने का प्रावधान किया गया है. बता दें कि, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है.

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, एक करोड़ का नुकसान

संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में रविवार की अहले सुबह प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लग गयी. इसमें तकरीबन 1 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है . पूरा मामला रिफाइनरी थाना क्षेत्र के मोसादपुर औद्योगिक क्षेत्र की है. अनुमान लगाया जा रहा है कि बिजली की शार्ट सर्किट की वजह से ही आग लगी थी. बताया जा रहा है कि आज जैसे ही लोगों की आंख खुली और लोग बाहर निकले तो मोसादपुर देवना स्थित बियाडा के द्वारा संचालित एक निजी प्लास्टिक के फैक्ट्री में आग लगी हुई थी. तत्पश्चात लोगों ने अग्निशमन विभाग को अग्निकांड की

सूचना दी . जब तक अग्निशमन विभाग वहां पहुंचकर आग पर काबू पाती तब तक धू-धू कर पूरी फैक्ट्री जल चुकी थी. उक्त फैक्ट्री में प्लास्टिक के बोतल, ढक्कन, आर ओ प्लांट में उपयोग होने वाले प्लास्टिक के बर्तन सहित कई प्लास्टिक की सामग्री बनाई जाती थी. काफी मशक्कत के बाद अग्नि समन विभाग ने आग पर काबू पाया. गनीमत रही की आसपास के अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान में आग नहीं लगी अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो काफी बड़ी क्षति हो सकती थी.

व्यापारी से ऑटो लिफ्टर गैंग ने लूटे एक लाख

पटना । राजधानी में ऑटो लिफ्टर गैंग के सदस्यों ने एक व्यापारी को अपना शिकार बना कर एक लाख रुपये उड़ाकर फरार हो गए. दरअसल, मामला पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र इलाके का है. जहां ट्रेन पकड़ औरंगाबाद से आए आलू व्यापारी पटना जंक्शन पहुंचे. जहां व्यापरी के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया है. बताया जा रहा है कि स्टेशन के बाहर पहुंचकर ऑटो पर पीड़ित व्यापारी सवार हुआ, जिस ऑटो पर चालक के अलावे दो अन्य लोग भी सवार थे. पीड़ित किसी तरह से लोगों से पूछकर कोतवाली थाना पहुंचा, जहां लिखित शिकायत दर्ज करवाई है.

बेगूसराय में दशहरा का मेला घूमने गयी थी बच्ची

मासूम के साथ बदमाशों ने किया दुष्कर्म

संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में मेला देखने के लिए गई एक मासूम बच्ची के साथ दरिंदों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. वही दरिंदों ने उसे मासूम को अपना हवस का शिकार बनाया है. मासूम बच्ची लहुलूहान अवस्था में मिली, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है. बच्ची शनिवार रात अपनी एक सहेली के साथ मेला देखने के लिए आई थी. इस दौरान दरिंदों ने मासूम बच्ची को पकड़ लिया और उसे खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया. हालांकि इस घटना के बाद मासूम बच्ची तड़पती रही. लेकिन दरिंदे उसे अपने हवस का शिकार बनाते रहा. हालांकि किसी तरह बच्ची घायल अवस्था में उस जगह से भाग कर सड़क पर आई. चिल्लाने के बाद पुलिस की नजर बच्ची पर पड़ी. पुलिस ने आनन फानन में उसे उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां बच्ची इलाजरत है. इस घटना के संबंध में डीएसपी भास्कर रंजन ने बताया है कि मेला देखने आई एक मासूम बच्ची को चॉकलेट के बहाने बदमाश बुलाकर बहियार में ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है.

कारोबार

गुरुग्राम में बनने जा रहा सबसे महंगा फ्लैट

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ जल्द ही गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अपना सुपर-लक्ज़री प्रोजेक्ट डीएलएफ द डहेलियाज लॉन्च करने जा रही है. यह प्रोजेक्ट, भारत के सबसे प्रतिष्ठित रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में से एक डीएलएफ कैमेलियाज के सामने स्थित होगा. द डहेलियाज देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट बनने जा रहा है, जिसमें 34,000 करोड़ की कुल बिक्री अनुमानित है. यह प्रोजेक्ट कैमेलियाज और किसी अन्य भारतीय प्रोजेक्ट से 2.5 गुना अधिक होगा.

एचएएल को मिला 'महारत्न' का दर्जा

नयी दिल्ली। डिफेंस सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है. इस सरकारी कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा मिल गया है. इसी के साथ एचएएल देश की 14वीं कंपनी बन गई, जिसे महारत्न का दर्जा मिला है. बता दें, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरएं प्राइजेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की. डीपीई ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पीएसयू कंपनी को 'महारत्न' स्टेटस में अपग्रेड करने का अप्रूवल दे दिया है.

दिवाली के समय हवाई किराये में आएगी गिरावट

नयी दिल्ली। दिवाली के आस-पास घर जाने वालों के लिए अच्छी खबर है. क्योंकि दीपावली के आसपास कई घरेलू मार्गों पर औसत हवाई किराये में पिछले साल की तुलना में 20-25 प्रतिशत की कमी आई है. एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ी हुई क्षमता और तेल की कीमतों में हाल में आई गिरावट के चलते कीमतों में कमी आई है. ट्रेवल प्लेटफॉर्म इक्सिगो के विश्लेषण से पता चला है कि घरेलू मार्गों पर औसत हवाई किराए में 20-25 प्रतिशत की गिरावट आई है. ये कीमतें 30 दिनों की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर एक तरफ के औसत किराए के लिए है.

कंपनी का खर्च 2.6 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये हो गया है

जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान बढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान वित्त वर्ष 24 में 2.2 गुना बढ़कर 91 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि इससे पहले के वित्त वर्ष में 40 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 24 के फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स के मुताबिक, जिप इलेक्ट्रिक का ईबीआईटीडीए मार्जिन नकारात्मक 19.47 प्रतिशत रहा है. वित्त वर्ष 24 में कंपनी का खर्च 2.6 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 152 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 24 में कंपनी की संचालन से आय 293 करोड़ रुपये रही. वित्त वर्ष 23 में कंपनी की संचालन से आय करीब 109 करोड़ रुपये थी.

जिप इलेक्ट्रिक की स्थापना 2017 में हुई थी. कंपनी के मुताबिक, उसके पास 22,000 वाहनों की एक एक्टिव फ्लीट है. वाहनों से किराया और डिलीवरी सर्विसेज कंपनी की आय का मुख्य जरिया है. इस साल मई में जिप इलेक्ट्रिक की ओर से 15 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था.

कंपनी की योजना 2026 तक इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की फ्लीट को बढ़ाकर 2,00,000 करना और अपने ऑपरेशन का विस्तार 15 शहरों तक करना था. इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेशक कंपनी ईएनईओएस की ओर से किया गया था. इसके अलावा 9यूनिकॉर्न, आईएएन फंड और अन्य निवेशकों ने इस फंडिंग राउंड में भाग लिया था. जिप इलेक्ट्रिक की ओर से हाल ही में मुंबई और हैदराबाद में ऑपरेशन लॉन्च किए गए हैं. कंपनी द्वारा जनवरी 2023 से लेकर मार्च 2024 के बीच 50 मिलियन से ज्यादा डिलीवरी की गई. जिप इलेक्ट्रिक ने अब तक 80 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं, जिसमें फरवरी 2023 में ताइवानी ईवी निर्माता गोगोरो के नेतृत्व में जुटाए गए 25 मिलियन डॉलर भी शामिल हैं. इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी वर्तमान में जोमैटो, स्विगी, अमेजन, फ्लिपकार्ट सहित 50 से अधिक दिग्गज कंपियों के लिए डिलीवरी और राइड-शेयरिंग सेवाओं का प्रबंधन करती है.

खास बातें

- 2023 में कंपनी की आय करीब 109 करोड़ रु. थी
- मई में कंपनी ने 15 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया था

स्टार हेल्थ डेटा लीक : हैकर्स ने मांगी 68,000 डॉलर की फिरौती

लगातार न्यूज नेटवर्क डेस्क

भारत की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एक बड़े साइबर हमले का शिकार हुई है. कंपनी के लाखों ग्राहकों का संवेदनशील डेटा लीक होने के बाद हैकर्स ने 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग की है. सितंबर में रॉयटर्स ने सबसे पहले इस खबर को प्रकाशित किया था.

रिपोर्ट के अनुसार, एक हैकर ने टेलीग्राम चैटबॉट्स और एक वेबसाइट का उपयोग करके ग्राहकों का निजी डेटा, जैसे कि नाम, पता, फोन नंबर, पैन कार्ड और मेडिकल रिकॉर्ड, लीक किया था. इस घटना के बाद से कंपनी के शेयरों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है.

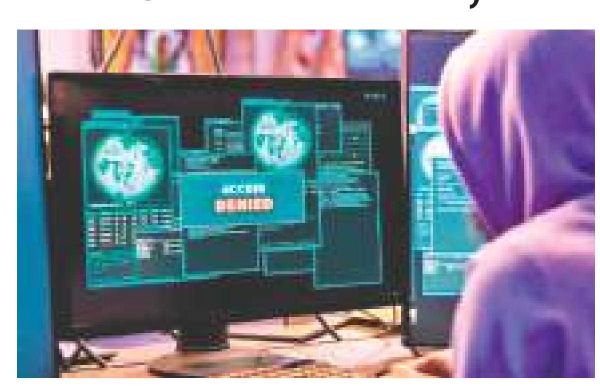

कंपनी की प्रतिक्रिया : स्टार हेल्थ ने इस मामले में आंतरिक जांच शुरू की है और टेलीग्राम और हैकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है. कंपनी ने भारतीय साइबर सुरक्षा अधिकारियों से भी मदद मांगी है. हालांकि, टेलीग्राम ने अभी तक हैकर के खातों को बंद करने से इनकार कर दिया है. स्टार हेल्थ ने अपने ग्राहकों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए कहा है. कंपनी ने यह भी कहा है कि वह अपने सिस्टम को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठा रही है.

क्यों हुआ यह हमला

साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला आर्थिक लाभ के लिए किया गया हो सकता है. हैकर्स अक्सर कंपनियों को ब्लैकमेल करते हैं और फिरौती की मांग करते हैं.

ग्राहकों के लिए खतरे?

इस डेटा लीक से ग्राहकों की गोपनीयता को गंभीर खतरा है. हैकर्स इस डेटा का उपयोग धोखाधड़ी, पहचान चोरी और अन्य अपराधों के लिए कर सकते हैं.

इंप्लॉयज को बाइक व कार

चेन्नई । स्ट्रक्चरल स्टील डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों पर उपहारों की बौछार कर दी है. कंपनी ने अपने इंप्लॉयज को 28 कारें और 29 बाइक गिफ्ट में दी हैं. कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं. अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं.

मार्केट आउटलुक भारतीय शेयर बाजार के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है पूरा हफ्ता

तिमाही नतीजे, खुदरा महंगाई तय करेंगे बाजार की चाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है. कंपनियों की ओर से घोषित किए जाने वाले वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे. इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स की चाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों का असर भी शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है. बीते हफ्ते बाजार में कंसोलिडेशन देखने को मिला था. इस दौरान निफ्टी इंडेक्स 50 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 24,964 और सेंसेक्स 307 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 81,381 पर बंद हुआ. बाजार के गिरने की वजह एफआईआई की बिकवाली, मौद्रिक पैकेज के कारण चीन के बाजारों में तेजी को माना जा रहा है. पिछले हफ्ते एफआईआई की ओर से करीब 28,000 करोड़ रुपये के शेयरों बिक्री की गई थी. इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेश (डीडीआई) की ओर से 31,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया गया. स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च प्रमुख संतोष मीणा का कहना है कि अगले वैश्विक स्तर पर अमेरिका, जापान, चीन और यूरोप से आने वाले डेटा का बाजार पर सीधा असर देखने को मिल सकता है. उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी का छोटी अवधि का बॉटम लेवल 24,750 है. निफ्टी में दोबारा से बड़ी तेजी 25,330 और 25,500 का स्तर तोड़ने के बाद ही आएगी.

अगर निफ्टी 24,750 के स्तर को तोड़ता है तो यह 24,440 और 24,100 के स्तर पर जा सकता है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड की डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा ने कहा कि बैंक निफ्टी एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है. मौजूदा समय में इसका सपोर्ट 50,600 पर है. अगर यह स्तर टूटता है तो 50,000 तक स्तर देखने को मिल सकता है. बैंक निफ्टी के लिए 51,700 एक अहम रुकावट का स्तर होगा. अगर यह इसे तोड़ता है तो 52,200 तक के स्तर देखने को मिल सकते हैं. इसमें निवेशकों को गिरावट पर खरीदारी की रणनीति को अपनाना चाहिए.

खास बातें

- एफआईआई की गतिविधियों का असर भी पड़ सकता है
- डीडीआई की ओर से 31 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

पेज एक का शेष

दलितों के लिए जादू की छड़ी से कम नहीं है ...

मैंने विश्लेषण किया कि कैसे जाति लिंग और कामुकता के साथ जुड़ जाती है और महिलाओं, खासकर हाशिए पर पड़ी महिलाओं पर अत्याचार करती है. मैंने दलित तमाशा महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया. उन्हें जाति और लिंग दोनों के कारण दोहरे भेदभाव से लड़ना पड़ता है. वे यौन और जातिगत हिंसा के निरंतर खतरे में थीं. ऐसा इसलिए है क्योंकि तमाशा महिलाओं को बड़े समाज द्वारा सार्वजनिक महिला या स्वच्छंद महिला के रूप में देखा जाता है. मैं आपको एक उदाहरण देती हूं. मंगलाताई एक कलाकार हैं, जिनके परिवार की पांच पीढ़ियां तमाशा करती हैं. उन्होंने बताया कि कैसे जब वह किशोरी थीं, तो वह एक गांव में प्रदर्शन कर रही थीं, उन्हें एक बैलगाड़ी पर नाचने के लिए मजबूर किया गया था जो गांव के चारों ओर घूमती थी. कई पुरुष पागलों की तरह गाड़ी के चारों ओर नाचते थे, गाड़ी पर कूदने की कोशिश करते थे, उन्हें छूने या उनसे मिलने की कोशिश करते थे.

भारत में दलित महिलाएं लंबे समय से यौन हिंसा का शिकार रही हैं. इस हिंसा में जातिगत भेदभाव की क्या भूमिका है? : एक तरफ हमारे पास कानून है और कागजों पर काम हो रहा है, लेकिन साथ ही जमीन पर दलितों के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं. जातिगत हिंसा लिंग के साथ मिल कर दलित महिलाओं की यौन कमजोरी को जन्म देती है. ऐतिहासिक रूप से, प्रमुख जातियों ने हिंसा को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है, जाति पदानुक्रम को बनाए रखने के लिए अपने अधिकार और अधिकार के रूप में. यह उनकी सदियों पुरानी शक्ति और विशेषाधिकार का संचय है. दलित महिलाएं गरीब हैं और उनमें स्वायत्तता की कमी है. एलोयसियस आईएसजे, जयश्री मंगूभाई और जोएल ली की ओर से संपादित पुस्तक में परिवार के भीतर और बाहर 500 दलित महिलाओं के खिलाफ हिंसा की प्रकृति का पता लगाया गया है (2011).

इस क्षेत्र में अंबेडकर के काम को किस तरह देखते थे? : अंबेडकर उस चीज से बहुत परिचित थे, जिसे मैं सेक्स-जेंडर-जाति जटिलता कहती हूं. औपनिवेशिक ब्रिटिश और कुलीन भारतीय दोनों ने दलितों को बचकाना, अपरिपक्व या स्त्रीलिंगी के रूप में चित्रित किया. इसके अलावा, दलित महिलाओं को और भी अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता था क्योंकि उन्हें यौन रूप से कामुक माना जाता था. 1927 में, जब अंबेडकर महाड सत्याग्रह के लिए धन जुटा रहे थे, पट्ठे बापूराव (एक ब्राह्मण पुरुष तमाशा और लावणी कलाकार) ने अंबेडकर को समर्थन देने के लिए धन की पेशकश की. लेकिन अंबेडकर ने मना कर दिया क्योंकि जैसा कि उन्होंने तर्क दिया, दलित महिलाओं को ऐसे संगीत पर नचा कर धन इकट्ठा किया जाता था, जिसे कामुक माना जाता है. वह नहीं चाहते थे कि दलित महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश किया जाए क्योंकि इससे यौन शोषण को बढ़ावा मिलता है. जैसे-जैसे हम 1930 के दशक में आगे बढ़ते हैं, उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक, वैचारिक और धार्मिक रूप से विभिन्न दबावों का सामना किया - उन्होंने घोषणा की कि वह बौद्ध धर्म अपनाने जा रहे हैं. जब उन्होंने ऐसा किया, 1936 में, एक अवसर था जब उन्होंने तथाकथित सार्वजनिक महिलाओं को यह भाषण दिया जिसमें वेश्याएं, तमाशा करने वाली महिलाएं और जोगटिनी शामिल थीं. वहां, उन्होंने कहा कि महिलाओं को इन तथाकथित गंदे व्यवसायों को छोड़ देना चाहिए और बौद्ध धर्म अपना लेना चाहिए. पहली नजर में, यह पितृसत्तात्मक लग सकता है. हालांकि, किसी को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह किससे लड़ रहे थे. दलितों के लिए मानवीय गरिमा को उकेरने के लिए दलित मुक्ति मुख्य एजेंडा था. यह दलितों और पूरे समुदाय के साथ आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ था, जिसे मनुष्य कहलाने का विशेषाधिकार नहीं मिला है.

न्यूज अपडेट

रूस में एमबीबीएस छात्रा की मौत

भोपाल। रूस में सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश की रहने वाली एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी का पार्थिव शरीर वापस लाया जाएगा. छात्रा के परिवार ने प्रदेश सरकार से अंतिम संस्कार के लिए शव वापस लाने की अपील की थी. यादव ने राज्य गृह विभाग को निर्देश दिया है कि वह केंद्र से पीड़ित परिवार की मदद करने और शव लाने का अनुरोध करे. विभाग ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर सहायता मांगी है.

एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना, तीन की मौत

इटावा। यूपी के इटावा जिले में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन-125 पर भीषण सड़क हादसा हुआ. इस हादसे में दो विदेशी महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सभी घायलों को इलाज के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया गया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि यह दर्दनाक हादसा माइलस्टोन-125 पर खरगुआ गांव के पास हुई. कार अपने आगे चल रहे किसी वाहन से टकरा गई.

पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला

इस्तांबुल। तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में एक युवक ने एक पुलिस अधिकारी को पीछे से चाकू मार दिया. चाकू लगने से अधिकारी घायल हो गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस्तिकलाल एवेन्यू पर ये घटना हुई. हमलावर सड़क पर खड़े पुलिस अधिकारी के पास पहुंचा और उसकी गर्दन पर चाकू से वार कर दिया. इसके तुरंत बाद संदिग्ध व्यक्ति मौके से फरार हो गया. हालांकि, पुलिस ने उसे पास के कासिमपासा इलाके में पकड़ लिया.

इंडोनेशिया : नाव में आग, 5 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के तट पर एक स्पीड बोट में आग लग गई. इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए. हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की भी आशंका है. रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 14.05 बजे हुई, जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थकों से भरी नाव तालीबू क्षेत्र के एक समुद्री बंदरगाह पर थी और अभियान के लिए यात्रा जारी रखने से पहले ईंधन भरा जा रहा था. कुछ लोग नाव में फंसे हुए बताए गए हैं.

म्यांमार में 9 माह में 1489 की मौत

यांगून। वर्ष 2024 के बीते 9 महीनों में म्यांमार में कितनी यातायात दुर्घटनाएं हुई हैं. सड़क परिवहन प्रशासन विभाग (आरटीएडी) ने रविवार को एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक म्यांमार में कुल 2,896 यातायात दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,489 लोग मारे गए और 4,182 अन्य घायल हुए. इस वर्ष यातायात दुर्घटनाओं, मौतों और घायलों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कमी आई है. पिछले वर्ष 3,634 दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 1,864 मौतें और 4,993 घायल हुए थे.

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर सुनवाई आज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सोमवार को सुनवाई करेगा. पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने धान की पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर चिंता जताई थी. सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मामले में एक भी अभियोजन मामला नहीं चलाने के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उसके निर्देशों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी.

महाकुंभ में 'नेत्र कुंभ' की स्थापना

लखनऊ। महाकुंभ-2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जाएगाा. मेला प्रशासन महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के लिए 'नेत्र कुंभ' की स्थापना कर रहा है. 9 करोड़ से अधिक धनराशि से स्थापित होने वाला यह 'नेत्र कुंभ' (नेत्र शिविर) श्रद्धालुओं को एक अस्थायी नेत्र देखभाल सुविधा प्रदान करेगा, जहां श्रद्धालुओं की दृष्टि सुधार, मोतियाबिंद सर्जरी और चश्मे का वितरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएगी. 'नेत्र कुंभ' के लिए एक बड़ी केंद्रीय इकाई मुख्य मेला क्षेत्र में स्थापित की जाएगी.

कांग्रेस की हार के जिम्मेदार भूपेंद्र हुड्डा

कुरुक्षेत्र। किसान नेता और संयुक्त संघर्ष पार्टी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने हरियाणा में कांग्रेस की हार के पीछे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार बताया. उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस का नाश करेंगे और अब यह सच साबित हो गया है. हमें लोकसभा चुनाव में एक टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में भूपेंद्र सिंह मुकर गए. अगर वह अभय चौटाला के साथ समझौता करते और एक टिकट देते, तो उनकी पार्टी को हरियाणा में 9 सीटें मिल सकती थीं.

गुरुग्राम में स्कूटी सवार को मारी गोली

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम के हीरानगर इलाके में रविवार को गोलीबारी की एक घटना सामने आई है. एक बाइक से आए तीन बदमाशों ने स्कूटी सवार को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोग पीड़ित को अस्पताल ले गए. पूरा वाकया पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है. घटना गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हीरानगर की है. दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में लोग सहमे हुए हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है. तीन आरोपियों ने मिलकर यह हमला किया था.

सिन्दूर खेला के साथ शांति एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में नवरात्रि का समापन

गुवाहाटी में रविवार को दुर्गा पूजा समारोह के समापन का प्रतीक सिन्दूर खेला के दौरान महिलाएं एक-दूसरे को सिन्दूर लगाती हुईं. देवी दुर्गा सहित अन्य देवी देवाताओं की मूर्तियों के विसर्जन के साथ ही देशभर में नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रि का त्योहार शांति एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया. **एजेंसी**

'भागवत के भाषण में झलक रहा है आरएसएस का दोहरा मापदंड'

- राास सांसद कपिल सिब्बल ने संघ प्रमुख के विजयादशमी संबोधन पर कसा तंज

एजेंसी। नयी दिल्ली

मशहूर वकील और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को विजयादशमी के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन पर तंज कसा.

सिब्बल ने कहा कि मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि इस देश में बंटवारा नहीं होना चाहिए. यहां बहुत सारे संत रहे हैं. यहां बहुत सारी भाषाएं बोली जाती हैं. लेकिन इसे आधार मानकर राष्ट्र का बंटवारा हो, इस स्थिति को हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं. यह एक बहुभाषी राष्ट्र है. बिल्कुल, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जब तक राष्ट्र में दोस्ताना भावना विकसित नहीं होगी, तब तक वो राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता है. सिब्बल ने कहा कि भागवत की बातें अच्छी हैं लेकिन शायद आपको यह नहीं पता है कि वह जिस सरकार का समर्थन करते हैं, उसके कार्यकाल में यानी 2014 से लेकर अब तक राष्ट्र में जितना विभाजन हुआ है, उतना शायद ही आज तक हुआ होगा. लेकिन आश्चर्य की बात है कि आज तक मोहन भागवत ने इस पर कुछ नहीं कहा. मैं आरएसएस प्रमुख से पूछना चाहता हूं कि आप लोगों ने आज तक कोई सवाल क्यों नहीं पूछा. कोई किसी को कह रहा है कि पाकिस्तान चले जाओ, देश में लगातार ईसाइयों पर हमले हो रहे हैं, लेकिन यह सरकार कुछ नहीं कर रही है.

हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है

सिब्बल ने ईवीएम के दुरुपयोग की बात की और कहा कि हर चुनाव में ऐसा होता रहा है. कहा कि मैं शुरू से ही यह कहता हुआ आ रहा हूं कि ईवीएम का दुरुपयोग हमेशा से ही होता रहा है. चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा. हर चुनाव में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन का दुरुपयोग होता रहा है. कांग्रेस का जिक्र कर कहा कि अब कांग्रेस ने हाल ही के चुनाव में ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया है. कांग्रेस ने इस संबंध में चुनाव आयोग में शिकायत तक दर्ज कराई है. अब आने वाले दिनों में कांग्रेस इस संबंध में सबूत भी आयोग को मुहैया कराएगी. इसके बाद आगे की स्थिति खुद ब खुद स्पष्ट हो जाएगी.

मध्य पूर्व संकट : भारत ने इजराइल के ख़िलाफ़ संरा के बयान पर जताई सहमति

एक और शांति सैनिक घायल

लगातार न्यूज नेटवर्क

इजराइल और लेबनान की सीमा पर बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों पर चिंता ज़ाहिर करने के साथ ही भारत ने इजराइली कार्रवाई के ख़िलाफ़ संयुक्त राष्ट्र के बयान पर अपनी सहमति जताई है. वहीं लेबनान में पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए और वहीं 36 अन्य घायल हो गए. इसके साथ ही लेबनान में इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या 2,255 हो गई. इस बीच, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफ़िल) के एक और सैनिक के घायल होने की ख़बर है. वहीं न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए अचानक हमले से तेहरान को जोड़ने वाले दावों को खारिज कर दिया है.

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि एक प्रमुख सैनिक योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत, 34 सैन्य योगदान देने वाले देशों की तरफ़ से जारी संयुक्त बयान से पूरी तरह से सहमत है. भारत के मुताबिक़ शांति सैनिकों की सुरक्षा और संरक्षण सबसे अहम है और इसे मौजूदा यूएनएससी प्रस्तावों के हिसाब से सुनिश्चित किया जाना चाहिए. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी इजराइल से लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ लड़ाई के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने के लिए कह चुके हैं. वहीं यूनिफ़िल ने कहा है कि दक्षिणी लेबनान में गोलीबारी की चपेट में आने से संयुक्त राष्ट्र का एक शांति सैनिक घायल हो गया है. इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र के घायल शांति सैनिकों की संख्या पांच पहुंच गई है.

लेबनान में इजराइली हमलों में संरा के घायल शांति सैनिकों की संख्या हुई पांच

लेबनान में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोगों की मौत

लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए और वहीं 36 लोगों के घायल होने की खबर है. वहीं हिजबुल्लाह ने अलग-अलग बयानों में कहा कि उन्होंने इजराइली स्थलों को रॉकेटों से निशाना बनाया, जिनमें सीरिया के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के होमा बेस, माले गोलानी बैरक और करेन नफताली में इजराइली सैनिकों का जमावड़ा शामिल है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माउंट लेबनान के चौफ जिले के बारजा शहर में एक तीन मंजिला आवासीय इमारत को निशाना बनाकर इजराइली हवाई हमला किया गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई. वहीं इस हमले में 14 अन्यों के घायल होने की खबर है. एनएनए के अनुसार, माउंट लेबनान के मैसरा गांव में एक और इजराइली हवाई हमले में एक इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए. एनएनए ने कहा कि इजराइली वायु सेना ने उत्तरी गवर्नरेट के बटरून जिले में एक नगरपालिका, डेयर बिल्ला पर भी हमला किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्यों के घायल होने की खबर है. इस बीच इजराइली लड़ाकू विमानों ने शनिवार शाम दक्षिणी नबातियेह शहर के वाणिज्यिक बाजार के केंद्र पर हमला किया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए और 30 से अधिक दुकानें नष्ट हो गईं. बता दें कि 23 सितंबर से इजराइली सेना हिजबुल्लाह के साथ बढ़ते तनाव के बीच लेबनान पर हवाई हमले कर रही है. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश पर इजराइली हमलों की शुरुआत के बाद से लेबनान में मरने वाले लोगों की कुल संख्या 2,255 तक पहुंच गई है जबकि इसमें 10,524 लोगों के घायल होने की खबर है. वहीं लगभग 1.2 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं.

ईरान ने इजराइल पर हुए हमास के हमले को तेहरान से जोड़ने के दावों को किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए अचानक हमले से तेहरान को जोड़ने वाले दावों को खारिज कर दिया है. इजराइल के दावों के अनुसार, हमास द्वारा इजराइल पर 7 अक्टूबर को किए गए हमलों की जानकारी तेहरान को पहले से ही थी. ईरानी मिशन ने द न्यू यॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के सवालों का जवाब देते हुए इन आरोपों को नकार दिया. दोहा स्थित हमास अधिकारियों ने घोषणा की है कि उन्हें इस ऑपरेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और केवल गाजा स्थित हमास की सैन्य शाखा ही इस ऑपरेशन की योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देशन के लिए जिम्मेदार थी. इस ऑपरेशन को आंशिक रूप से या पूरी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह से जोड़ने का कोई भी दावा अमान्य है और यह फर्जी दस्तावेजों पर आधारित है. न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को बताया कि इजराइली सेना द्वारा जब्त और अमेरिकी अखबार द्वारा प्राप्त हमास की गुप्त बैठकों के विवरण से 7 अक्टूबर के हमले की योजना का विस्तृत ब्यौरा मिलता है.

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर राजनेताओं की प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था को लेकर हमलावर विपक्ष

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में शनिवार रात एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीक़ी की हत्या के बाद राजनीतिक दलों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा है कि जहां पर बीजेपी है, वहां पर अपराध है, हत्या है, लूट है, डकैती है और माफियागिरी है.

एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा है कि राज्य में क़ानून व्यवस्था चिंता का विषय है. देश की आर्थिक राजधानी में पूर्व राज्य मंत्री पर गोली चलना दुखद है. मैं बाबा सिद्दीक़ी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हू. राष्ट्रीय जनता दल नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि यह काफ़ी दुखद घटना है. हमें कल इसकी जानकारी मिली थी कि उनकी हत्या कर दी गई है. हम चाहते हैं कि बचे हुए अपराधी और इस घटना के मास्टर माइंड को जल्द से जल्द पकड़ा जाए. शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने राज्य में हो रही हिंसक घटनाओं पर राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए गृहमंत्री और मुख्यमंत्री से कानून व्यवस्था में विफल रहने पर इस्तीफे की मांग की है. हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक ही दिन में दो मौतों की खबर महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को दर्शाती है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह भयावह घटना महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की पूर्ण विफलता को उजागर करती है. सरकार को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और न्याय होना चाहिए.

पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, 14 दिन की मांगी रिमांड

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त दोनों आरोपियों को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया. पुलिस ने 14 दिनों की रिमांड मांगी है. पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड को लेकर दोनों आरोपियों से कई पहलुओं पर पूछताछ जरूरी है. ऐसे में हमें 14 दिनों की रिमांड चाहिए. आरोपियों के पास से 28 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं. आरोपियों ने पुणे में रहकर रेकी की थी. इसके बाद फायरिंग की पूरी पटकथा तैयार की. पुलिस आरोपियों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों को हथियार कहां से मिले? इन्होंने इसका बंदोबस्त खुद ही किया था या किसी ने मुहैया कराए थे? दोनों आरोपी पूछताछ के दौरान कई विरोधाभाषी जानकारी दे रहे हैं, जिसे लेकर शंकाएं पैदा हो रही हैं.

असम व जेएंडके के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

लगातार न्यूज नेटवर्क

असम और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. हालांकि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है.

अधिकारियों के मुताबिक, ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित असम के उदलगुरी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई है. असम के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके राज्य के उदलगुरी जिले में महसूस किए गए. यह जिला भूटान और अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगा हुआ है. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र उदालगुरी के पास जमीन के 15 किलोमीटर की गहराई में था. वहीं दरांग, सोनितपुर जिलों और आसपास के इलाकों में भी लोगों ने झटके महसूस किए. भूकंप के कारण लोगों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए. भूकंप का केंद्र गुवाहाटी से लगभग 105 किलोमीटर उत्तर में था. आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि हो सकता है भूकंप के झटके पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी भूटान के कुछ इलाकों में भी महसूस किए हों.

पहाड़ों में आता रहता है भूकंप

पहाड़ी पूर्वोत्तर क्षेत्र के कम से कम एक राज्य में हर हफ्ते भूकंप आता है. रविवार को ही जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई थी.

राष्ट्रपति अफ्रीकी देशों की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना

- अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की यात्रा, किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की एक साथ तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा

एजेंसी। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुईं. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की एक साथ तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा है. मुर्मू अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निमंत्रण पर अल्जीरिया पहुंची, जहां 15 अक्टूबर तक रहेंगी.

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से भारत और अल्जीरिया के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को और मजबूती मिलेगी. दोनों देश तेल, गैस, रक्षा एवं अंतरिक्ष सहयोग जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में और नजदीक आएंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की इस यात्रा में दोनों राष्ट्रपतियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी. काउंसिल ऑफ नेशन (अल्जीरियाई संसद के ऊपरी सदन) और नेशनल पीपुल्स असेंबली (निचले सदन) के अध्यक्षों सहित कई अल्जीरियाई गणमान्य व्यक्ति भी इस बैठक में शामिल होंगे. इसके अलावा राष्ट्रपति मुर्मू भारत-अल्जीरिया के बीच आर्थिक मंच और सिदी अब्देल्ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पोल विश्वविद्यालय को संबोधित करेंगी. वह जार्डिन डी''एस्साई के हम्मा गार्डन में इंडिया कॉर्नर का भी उद्घाटन करेंगी. इसके बाद इस उत्तरी अफ्रीकी देश से भारतीय राष्ट्रपति 16 अक्टूबर को पड़ोसी देश मॉरिटानिया जाएंगी. मॉरिटानिया इस समय अफ्रीकी संघ का अध्यक्ष भी है. मॉरिटानिया पहुंच कर राष्ट्रपति मुर्मू अपने समकक्ष मोहम्मद औलद शेख अल गजौनी से बातचीत करेंगी. राष्ट्रपति भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगी. इसके बाद मलावी के राष्ट्रपति डॉ. लाजरस मैकार्थी चकवेरा के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मू 17-19 अक्टूबर तक मॉरिटानिया से पूर्वी अफ्रीकी देश पहुंचेंगी. राष्ट्रपति मुर्मू मलावी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक करेंगी.

तीन साल पूरे पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान'13 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च हुआ था

'पीएम गति शक्ति' से इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिली रफ्तार

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' (पीएमजीएस - एनएमपी) को तीन साल पूरे हो चुके हैं. इसे मोदी सरकार ने 13 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च किया था.

'पीएम गति शक्ति' योजना को केंद्र सरकार ने रेलवे, सड़क, पोर्ट, वाटरवे, एयरपोर्ट्स, परिवहन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास के लिए शुरू किया था. इसका उद्देश्य सरकारी विभागों और मंत्रालयों के बीच समन्वय बनाकर किसी परियोजना की सटीक योजना बनाना और उसे तेज गति से पूरा करना है. मौजूदा समय में 'पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' पोर्टल पर 44 केंद्रीय मंत्रालय और 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार हैं. पीएम गति शक्ति आने से देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की गति को बड़ा बूस्ट मिला है. इस पोर्टल पर 1,600 से अधिक डेटा लेयर हैं, जो कि सरकारी विभागों की इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को किफायती बनाने में मदद करती हैं. मौजूदा समय में इसमें 533 से ज्यादा प्रोजेक्ट मैप हो चुके हैं. पीएम गति शक्ति के तहत होने वाली नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप मीटिंग में अब तक 15.48 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के 213 प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया जा चुका है. पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का उपयोग करके अब तक 8,891 किलोमीटर की सड़कें और 27,000 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बनाने की योजना बनाई जा चुकी है. इसकी मदद से लेह (लद्दाख) से कैथल (हरियाणा) तक 13 गीगावाट के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के मुताबिक संरेखित किया गया है.

यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा : मोदी

पीएम गति शक्ति के तीन साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि गति शक्ति की बदौलत देश विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है. यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा. इसके अलावा, उन्होंने दूसरे पोस्ट में लिखा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है. इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास हुआ है. इसने लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दिया है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं.

मुंबई लोकल ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे, हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया. पश्चिम रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दोपहर 12.10 बजे मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक खाली लोकल ट्रेन (ईएमयू) के दो डिब्बे पटरी से उतर गए.

इस घटना के बाद स्टेशन पर कुछ समय के लिए हलचल मच गई. राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. घटना के बाद, चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच का स्लो ट्रैक तुरंत बंद कर दिया गया. रेलवे अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए फास्ट लाइन पर ट्रेन संचालन जारी रखा. यात्रियों की सुविधा के लिए चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच सभी ट्रेनें फास्ट लाइन पर मोड़ दी गई, जिससे यात्रा में कोई महत्वपूर्ण रुकावट नहीं आई.

धान खरीद में देरी के विरोध में रेल और सड़क यातायात थमे

- पंजाब की आप सरकार के खिलाफ किसानों ने जमकर की नारेबाजी

एजेंसी। चंडीगढ़

धान की धीमी खरीद के विरोध में 'संयुक्त किसान मोर्चा' द्वारा आयोजित विरोध-प्रदर्शन के तहत रविवार को किसान पंजाब में कई स्थानों पर रेलवे पटरियों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैठ गए. मिल मालिकों और आढ़तियों की हड़ताल ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है. वे धान बेचने पड़ोसी राज्य हरियाणा जा रहे हैं, क्योंकि वहां खरीद प्रणाली अच्छी तरह से व्यवस्थित है.

किसानों ने धान खरीद में देरी के लिए आप सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और खरीद में तेजी नहीं आने पर विरोध-प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी. ट्रेन और सड़क नेटवर्क बाधित होने से यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा. दोपहर 12 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक विरोध-प्रदर्शन किया गया. किसानों ने कई जगहों पर तीन घंटे तक जम्मू-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जाम किया. जालंधर में किसानों ने धनोवाली गेट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया, जिससे जालंधर-लुधियाना राजमार्ग अवरुद्ध हो गया. प्रदर्शनकारियों ने लुधियाना, अंबाला और दिल्ली जाने वाले मार्ग पर यातायात को बाधित करते हुए राजमार्ग को दोनों तरफ से अवरुद्ध कर दिया. पठानकोट के रास्ते जम्मू जैसे अन्य राज्यों में जाने वाला यातायात भी बाधित रहा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)